@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 14 मार्च 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 124 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

समस्त देशवासियों एवं प्रिय पाठकों को होली की हार्दिक शुभकामनाऐं। सम्पादक : गुरचरन सिंह बब्बर

गांधीनगर संसदीय क्षेत्र में छह अस्पतालों के निर्माण का एलान: अमित शाह

सिम्मी कौर बब्बर

अहमदाबाद, 13 मार्च। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि गुजरात के गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में छह नए अस्पताल बनाए जा रहे हैं, जो स्थानीय निवासियों को उनके घरों के पास किफायती स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद के नजदीक साणंद कस्बे में 500 बिस्तरों वाला अस्पताल बनाया जा रहा है, जबकि एक अस्पताल गांधीनगर के कलोल कस्बे और एक उनकी निर्वाचन क्षेत्र की सीमा पर बनाए जा रहे हैं। शाह ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में कई परियोजनाओं का शुभारंभ करने के बाद डिजिटल माध्यम से एक सभा को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। शाह ने वीडियो लिंक के जरिए साणंद-कडी रोड पर नवनिर्मित रेलवे ओवरब्रिज का भी शुभारंभ किया। इसके अलावा, उन्होंने अहमदाबाद को गांधीनगर से जोड़ने वाले सरखेज-गांधीनगर राजमार्ग पर बने दो फ्लाईओवर का भी शिलान्यास किया। अहमदाबाद जिले के कई हिस्से गांधीनगर सीट का हिस्सा हैं, जिनमें साणंद और बावला तालुका भी शामिल हैं। शाह ने अपने संबोधन में कहा,

केंद्र सरकार ने साणंद में 500 बिस्तरों वाले अस्पताल को मंजूरी दी है। यह अस्पताल पहले केवल आसपास के इलाकों के फैक्टरी श्रमिकों के लिए ही था, लेकिन हमारी सरकार ने इसका लाभ साणंद और बावला तालुका में रहने वाले प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र की सीमा पर बनने वाला नया नागरिक अस्पताल अहमदाबाद शहर के मौजूदा सिविल अस्पताल जितना ही बड़ा होगा। इसके अलावा, गांधीनगर के कलोल कस्बे में 300 बिस्तरों वाला एक सरकारी अस्पताल भी बन रहा है। उन्होंने कहा, कलोल में जल्द ही 500 बिस्तरों वाला एक निजी अस्पताल भी बनेगा। इसके अलावा, बावला व गांधीनगर में दो ट्रस्ट भी अस्पताल बना रहे हैं। एक बार ये अस्पताल चालू हो जाएं, तो इस निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए अहमदाबाद नहीं जाना पड़ेगा, क्योंकि उन्हें अपने घरों से 20 किलोमीटर के भीतर ही किफायती स्वास्थ्य सेवा मिल जाएगी।

पोंगाला पूजा में जुटी हजारों महिलाएं

तिरुवनंतपुरम, 13 मार्च। केरला की राजधानी तिरुवनंतपुरम में गुरुवार को अट्टुकल भगवती मंदिर में पोंगाला उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस उत्सव में पूरे राज्य और विदेशों से हजारों महिलाएं शामिल हुईं। महिलाएं चिलचिलाती धूप में छाते और सफेद शॉल ओढ़े, सिर पर टोपी लगाए, सड़क के किनारे ईंट के अस्थायी चूल्हे जलाकर पोंगाला अर्पित करने के लिए तैयार थीं। कुछ महिलाएं तो बुधवार रात से ही अपने चूल्हे के लिए अपने स्थानों पर इंतजार कर रही थीं। इस साल पोंगाला उत्सव में सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) ने भी हिस्सा लिया, जो पिछले एक महीने से सचिवालय के बाहर अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे। इसके अलावा मशहूर हस्तियां जैसे अभिनेता जयराम की पत्नी पार्वती और उनकी बहू भी पवित्र अनुष्ठान के लिए मंदिर पहुंची। केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी और कई अन्य नेता भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। बता दें कि अनुष्ठान की शुरुआत सुबह 10ः10 बजे हुई, जब मंदिर के मुख्य पुजारी ने मुख्य चूल्हा जलाया। इससे कार्यक्रम की शुरुआत का संकेत मिला। ढोल की थाप और संगीत के साथ महिलाएं पोंगाला बनाने में जुट गईं। पोंगाला में चावल, गुड़ और नारियल से बने पकवान को ताजे मिट्टी या धातु के बर्तनों में पकाया जाता है। पोंगाला उत्सव की खासियत पर प्रकाश डालें तो, ये उत्सव अट्टुकल मंदिर के दस दिवसीय वार्षिक उत्सव का हिस्सा है। साथ ही इसे महिलाओं की सबरीमाला भी कहा जाता है। इस उत्सव का समापन पवित्र जल के छिड़काव के साथ हुआ। पुलिस और अग्निशमन विभाग ने सुरक्षा और व्यवस्था के लिए खास इंतजाम किए थे। गौरतलब है कि यह उत्सव 2009 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज हुआ था, क्योंकि इस दिन महिलाओं की सबसे बड़ी धार्मिक सभा का आयोजन हुआ था, जिसमें 2.5 मिलियन लोग शामिल हुए थे।

तीस मार खां हैं सीएम योगी: अखिलेश यादव

कौमी संवाददाता

लखनऊ, 13 मार्च। यूपी की राजधानी लखनऊ में गुरुवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शिव प्रसाद चौरसिया को याद किया। उन्होंने लखनऊ स्थित रिवर फ्रंट पर उनका स्मारक बनाकर उन्हें सम्मान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि चौरसिया समाज ने संकल्प लिया है कि हम सब लोग मिलकर पान पर चर्चा करेंगे। दरअसल सपा मुखिया ने प्रेस वार्ता आयोजित की थी। इस मौके पर उन्होंने सबसे पहले प्रदेशवासियों को होली पर्व की बधाई दी। इसके बाद सूबे की भाजपा सरकार को निशाने पर लिया। कहा कि हमारे मुख्यमंत्री तीस मार खां हैं। कहा कि उन्हें 30 से बड़ा प्रेम है। तंज कसते हुए कहा कि मरे कितने लोग 30। कारोबार कितने का हुआ 30 करोड़। पूरे प्रदेश

को कितना होगा 30*10 हजार करोड़। अखिलेश यादव ने कहा कि अब चौरसिया समाज पान पर चर्चा करके प्रदेश से भाजपा का सफाया करेगी। कहा कि पिछड़ा, दलित, आदिवासी, आधी आबादी और तमाम हमारे अल्पसंख्यक भाई ये मन बना चुके हैं कि पीडीए की ताकत को आगे बढ़ाएंगे। अभी ये मुस्लिम समाज के खिलाफ नफरत फैला रहे हैं। आने वाले समय में क्ष्छ समाज के खिलाफ नफरत फैलाएंगे। बीजेपी ने तो नई स्ट्रेटजी बनाई है कि किसी को वोट ही ना डालने दो।

बंगाल विधानसभा में शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ प्रस्ताव पारित

कोलकाता, 13 मार्च। पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की तरफ से विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ पार्टी के मुस्लिम विधायकों पर उनकी विवादास्पद टिप्पणी के लिए लाया गया प्रस्ताव पारित किया गया। बता दें कि, ये प्रताव सदन ने ध्वनि मत से पारित किया गया। भाजपा की तरफ से लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा की अनुमति देने से स्पीकर बिमान बनर्जी के इनकार के बाद भाजपा सदस्यों ने सदन से वॉकआउट करने के बाद टीएमसी के मुख्य सचेतक निर्मल घोष ने प्रस्ताव पेश किया। निर्मल घोष ने दावा किया कि सुवेंदु अधिकारी ने देश के धार्मिक और सामाजिक ढांचे पर हमला किया है। बता दें कि, सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को टिप्पणी की थी कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो तृणमूल कांग्रेस के मुस्लिम विधायकों को विधानसभा से बाहर निकाल दिया जाएगा। उनके इस बयान के बाद राज्य में सियासत तेज हो गई। इस साथ ही पक्ष-विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप भी बढ़ गए है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को विपक्ष के नेता पर मुस्लिम विधायकों पर उनकी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर निशाना साधा था और भाजपा पर राज्य में नकली हिंदू धर्म लाने का आरोप लगाया था।

कनॉट प्लेस में रेस्टोरेंट की रसोई में लगी आग

नई दिल्ली, 13 मार्च। दिल्ली के कनॉट प्लेस में उस वक्त अफरातफरी का माहौल बन गया जब यहां एक रेस्टोरेंट में आग लग गई। बताया जा रहा है कि रेस्टोरेंट की रसोई में आग लगी। जिसकी सूचना तुरंत दमकल विभाग की टीम को दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाना शुरू किया। आग लगने से छह कर्मचारी झुल गए हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दिल्ली के कनॉट प्लेस में आज एक रेस्टोरेंट की रसोई में आग लग गई। आग बुझाने के लिए 6 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग एलपीजी सिलेंडर में लीकेज की वजह से लगी थी। 6 लोग घायल हुए हैं। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। जानकारी के मुताबिक, कनॉट प्लेस स्थित बिकगने बिरयानी रेस्टोरेंट में गुरुवार सुबह आग लग गई। आग के चपेट में आने से वहां काम कर रहे छह कर्मचारी झुलस गए। आग रेस्टोरेंट के रसोई में लगी थी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल कर्मियों ने घायल सभी कर्मचारियों को बाहर निकाल कर पास के अस्पताल में भर्ती कराया। दमकल कर्मियों ने 6 गाड़ियों की मदद से करीब आधे में आग पर काबू पा लिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि आग रसोई गैस सिलेंडर में रिसाव की वजह से लगी। घायल कर्मचारियों की पहचान दीपक, पीयूष, महेंद्र, मोहम्मद आलम, शेरूउद्दीन और जनक के रूप में हुई है। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। उधर, गुरुग्राम के सेक्टर 29 में स्थित किंगडम ऑफ ड्रीम्स में आग लग गई। यह पिछले कई वर्षों से बंद पड़ा हुआ था। सुबह 6ः30 आग लगने की सूचना फायर विभाग को मिली थी।

छह राज्यों के 85 लाख छात्रों का भविष्य खतरे में: राहुल गांधी

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 13 मार्च। लगातार हो रहे बोर्ड और अन्य परीक्षाओं के पेपर लीक को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। राहुल गांधी ने इसे व्यवस्थागत विफलता बताया। साथ ही गंभीर समस्या करार देते हुए सभी पार्टियों और सरकारों से मिलकर इसका समाधान खोजने पर जोर दिया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि छह राज्यों में 85 लाख बच्चों का भविष्य खतरे में है। पेपर लीक हमारे युवाओं के लिए सबसे खतरनाक पद्मव्यूह बन गया है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि पेपर लीक मेहनती छात्रों और उनके परिवारों को अनिश्चितता और तनाव में धकेल देता है। उनके परिश्रम का फल उनसे छीन लेता है। साथ ही यह अगली पीढ़ी को गलत संदेश देता है कि बेईमानी, मेहनत से बेहतर हो सकती है, जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि अभी एक साल भी नहीं हुआ जब नीट पेपर लीक ने देश को झकझोर दिया था। हमारे विरोध के बाद मोदी सरकार ने नए कानून के पीछे छिपकर उसे

समाधान बताया, लेकिन इतने सारे हालिया लीक ने उसे भी विफल साबित कर दिया।राहुल गांधी ने दावा किया कि यह गंभीर समस्या एक व्यवस्थागत विफलता है। इसका खात्मा सभी राजनीतिक दलों और सरकारों को मतभेद भुलाकर मिलकर कड़े कदम उठाकर करना होगा। इन परीक्षाओं की गरिमा बनी रहना हमारे बच्चों का अधिकार है और इसे हर हाल में सुरक्षित रखना होगा। राहुल गांधी ने संसद के मानसून सत्र में भी पद्मव्यूह शब्द का जिक्र किया था। राहुल गांधी ने कहा था कि हजारों साल पहले कुरूक्षेत्र में 6 लोगों ने अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसा कर मारा था। मैंने थोड़ा रिसर्च किया और पता चला कि चक्रव्यूह का दूसरा नाम होता है पद्मव्यूह- जिसका अर्थ है कमल निर्माण। चक्रव्यूह कमल के फूल के आकार का है। 21वीं सदी में एक नया चक्रव्यूह रचा गया है- वो भी कमल के फूल के रूप में तैयार हुआ है। इसका चिन्ह प्रधानमंत्री अपने सीने पर लगाकर चलते हैं। अभिमन्यु के साथ जो किया गया, वह भारत के साथ किया जा रहा है - युवा, किसान, महिलाएं, छोटे और मध्यम व्यवसाय के साथ वही किया जा रहा है। आपने जो चक्रव्यूह बनाया है इससे करोड़ों लोगों को नुकसान पहुंच रहा है। हम इस चक्रव्यूह को तोड़ने जा रहे हैं।

दूरदराज के रेलवे प्रोजेक्ट्स को मिलेगी मदद: अश्विनी वैष्णव

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 13 मार्च। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक का भारत में स्वागत किया। इस दौरान वैष्णव ने कहा कि कंपनी से दूरदराज के इलाकों में रेलवे परियोजनाओं को मदद मिलेगी। वैष्णव ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, स्टारलिंक, भारत में आपका स्वागत है! इससे दूरदराज के क्षेत्रों की रेलवे परियोजनाओं को मदद मिलेगी। वैष्णव, जो सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री भी हैं, की यह टिप्पणी मुकेश अंबानी की जियो प्लेटफॉर्म्स और सुनील मित्तल की भारती एयरटेल के साथ समझौतों के बाद आई है। ये समझौते मस्क की कंपनी स्पेसएक्स द्वारा भारत में स्टारलिंक की ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं लाने के लिए किए गए हैं। ये दोनों डील महीनों से इस बात पर चल रही बहस के बाद हुई हैं कि मस्क के उद्यम को स्पेक्ट्रम अधिकार कैसे दिए जाने चाहिए। पिछले कुछ महीनों में, जियो और एयरटेल ने भारत में सैटेलाइट सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम देने के लिए नीलामी की मांग की थी, क्योंकि उन्हें चिंता थी कि प्रशासनिक आवंटन से मस्क को कम कीमत पर एयरवेव मिल जाएगी। जियो रिटेल आउटलेट और ऑनलाइन स्टोर में स्टारलिंक उपकरण पेश करेगा और ग्राहक इंस्टॉलेशन और एक्टिवेशन का समर्थन भी करेगा। जियो और स्पेसएक्स यह भी देखेंगे कि वे एक-दूसरे की पेशकश को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं। बता दें कि स्टारलिंक

स्पेसएक्स द्वारा संचालित दुनिया का सबसे बड़ा लो-अर्थ-ऑर्बिट (स्थ्वह) तारामंडल है। मंगलवार को, भारती एयरटेल ने घोषणा की कि वह गैर-अनन्य आधार पर भारत में स्टारलिंक की हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा लाने के लिए स्पेसएक्स के साथ समझौता कर रही है। एयरटेल पहले से ही दूसरे सबसे बड़े स्थ्वह तारामंडल यूटेलसैट वनवेब के साथ साझेदारी कर रही है। स्टारलिंक भारती और जियो को कम सेवा वाले क्षेत्रों, खासकर उन क्षेत्रों में जहां वर्तमान में सीमित या बिना कवरेज है, कनेक्टिविटी प्रदान करने में मदद कर सकता है। यह डील प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन में मस्क से मुलाकात के कुछ सप्ताह बाद हुई है। मोदी ने अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे मुद्दों पर चर्चा की थी। इसके अलावा, सैटकॉम इंडस्ट्री एसोसिएशन-इंडिया (एसआईए-इंडिया) ने भी एयरटेल और रिलायंस जियो के साथ एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की रणनीतिक साझेदारी का स्वागत किया। एसआईए-इंडिया के महानिदेशक अनिल प्रकाश ने कहा, ये सहयोग ब्रॉडबैंड सेवाओं का विस्तार करने में मदद करेंगे और बंदरगाहों, ग्रामीण उद्यमों, खनन, तेल क्षेत्रों, गांवों और विशेष आर्थिक क्षेत्रों (ईईजेड) जैसे उद्योगों में कनेक्टिविटी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जहां उपग्रह प्रौद्योगिकी काफी लाभ पहुंचा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि ये साझेदारियां मौजूदा नेटवर्क के साथ मिलकर सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगी, डिजिटल समावेशन को प्रोत्साहित करेंगी, और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, ई-गवर्नेंस और कृषि जैसे क्षेत्रों में नए व्यावसायिक अवसर पैदा करेंगी।

संभल में एएसआई की टीम ने की जामा मस्जिद की नापतोल

संभल, 13 मार्च। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जामा मस्जिद में पुताई का आदेश दिया है। इसको लेकर बृहस्पतिवार को एएसआई की टीम मस्जिद की नापतोल करने के लिए पहुंच गई है। जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट ने बताया कि एएसआई जो स्थान पुताई के लिए बताएगी। वहां-वहां पुताई कराई जानी है। यदि आज ही टीम द्वारा स्थान बताए जाते हैं तो पुताई शुरू होगी, यदि टीम नहीं बताती है तो सोमवार से काम शुरू होगा। बताया कि पुताई के बाद सजावट का काम कराया जाएगा। जामा मस्जिद कमेटी सदर ने कहा कि हर वर्ष रमजान के माह में जामा मस्जिद की पुताई और सजावट होती रही है। इसको लेकर इस बार अनुमति मांगी थी, लेकिन अनुमति नहीं मिली तो उच्च न्यायालय में याचिक दायर की थी। याचिका की पहली सुनवाई पर उच्च न्यायालय ने एएसआई को मस्जिद की स्थिति का आकलन करने के लिए भेजा था। जिसमें एएसआई की टीम द्वारा न्यायालय में दाखिल की गई रिपोर्ट में कहा था कि पुताई की जामा मस्जिद में जरूरत नहीं है। सफाई कराई जा सकती है। जामा मस्जिद कमेटी ने अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद उच्च न्यायालय ने पुताई व सजावट का आदेश दिया है।

सुनीता विलियम्स की पृथ्वी पर वापसी फिर टली

नरेश मल्होत्रा

वाशिंगटन, 13 मार्च। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से वापसी एक बार फिर टल गई है। हालांकि, इस बार वजह अंतरिक्ष यान में आई कोई खराबी नहीं है, बल्कि लॉन्च व्हीकल में आए तकनीकी समस्या बना है। इसके चलते आईएसएस पर भेजा जाने वाला स्पेसएक्स का क्रू-10 मिशन लॉन्चिंग से सिर्फ एक घंटे पहले टाल दिया गया। अब इस मिशन को 14 मार्च को एक बार फिर लॉन्च करने की कोशिश की जाएगी। इसके साथ ही सुनीता विलियम्स का अंतरिक्ष में रहने वाला जो मिशन महज 8 दिन में खत्म हो जाना था, उसे अब नौ महीने से ज्यादा हो चुके हैं। हालांकि, सुनीता विलियम्स की वापसी अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर सुनीता विलियम्स को जिस मिशन पर भेजा गया था, उसमें कहां अड़चन आई? उनकी वापसी अब तक पृथ्वी पर क्यों नहीं हो पाई है? कितनी बार उन्हें पृथ्वी पर वापस लाने की तैयारी की गई? और हर बार किन कारणों से उन्हें लाने की कोशिशों को रोका गया? आइये जानते हैं... 5 जून 2024 को नासा का बोइंग क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन लॉन्च किया गया था। इस मिशन के तहत नासा ने अपने दो अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बैरी बुच विल्मोर को आठ दिन की यात्रा पर भेजा। दोनों को स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान के जरिए मिशन पर भेजा गया था। यह अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान की पहली उड़ान थी। जिस मिशन पर सुनीता और बैरी हैं वो नासा के व्यावसायिक क्रू कार्यक्रम का हिस्सा है। दरअसल, नासा का लक्ष्य है कि वह अमेरिका के निजी उद्योग के साथ साझेदारी में अमेरिका से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक सुरक्षित, विश्वसनीय और कम लागत के मानव मिशन भेजे। इसी उद्देश्य से यह टेस्ट मिशन लॉन्च किया गया था। इस मिशन का लक्ष्य अंतरिक्ष स्टेशन पर छह महीने के रोटेशनल मिशन (बारी-बारी से मिशन) को अंजाम देने की स्टारलाइनर की क्षमता को दिखाना था। लंबी अवधि की उड़ानों से पहले तैयारी को परखने और जरूरी परफॉर्मेंस डेटा जुटाने के लिए क्रू उड़ान परीक्षण को बनाया गया था। हालांकि, अंतरिक्ष स्टेशन के लिए स्टारलाइनर की उड़ान के दौरान, अंतरिक्ष यान के कुछ थ्रस्टर्स ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया। थ्रस्टर्स आमतौर पर कम फोर्स वाले रॉकेट मोटर्स को कहा जाता है। थ्रस्टर्स के कमजोर प्रदर्शन के अलावा स्टारलाइनर के हीलियम सिस्टम में कई लीक भी देखे गए। इसके बाद नासा

और बोइंग ने अंतरिक्ष यान के बारे में व्यापक डेटा विश्लेषण के जरिए जानकारी जुटाई। इस जांच में अंतरिक्ष शटल कोलंबिया दुर्घटना के बाद स्थापित हुए संगठन शामिल थे। यह दुर्घटना 1 फरवरी, 2003 को हुई थी। यह दुर्घटना तब हुई थी जब कोलंबिया अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वातावरण में वापस आ रहा था। इस दुर्घटना में सभी सात अंतरिक्ष यात्री मारे गए थे जिसमें भारतीय मूल की कल्पना चावला भी शामिल थीं। 1. नासा ने इसके बाद बोइंग के स्टारलाइनर को वापस पृथ्वी पर लौटाने की संभावनाओं को तलाशा। जांच के बाद यह सामने आया कि स्टारलाइनर में यात्रियों को वापस लाना सुरक्षित नहीं होगा। आखिरकार तीन महीने के इंतजार के बाद नासा ने फैसला किया कि स्टारलाइनर को बिना क्रू के ही वापस धरती पर लाया जाएगा। 6 सितंबर 2024 को स्टारलाइनर बिना क्रू के ही धरती पर लौट आया। 2. इस बीच नासा ने सुनीता और बैरी को वापस लाने के लिए नई योजना पर काम शुरू कर दिया था। बताया जाता है कि स्टारलाइनर के आईएसएस में अटके होने की वजह से अगस्त में आईएसएस भेजा जाने वाला स्पेसएक्स का क्रू-9 मिशन सितंबर तक अटक गया था। ऐसे में नासा ने स्पेसएक्स की तरफ से तय किए गए चार अंतरिक्ष यात्रियों में से सिर्फ दो को ही सितंबर के अंत में भेजने का फैसला किया, ताकि इसकी वापसी में सुनीता और बैरी को खाली पड़े स्लॉट में जगह देकर पृथ्वी पर लौटाया जा सके।

अब मराठी में होंगी एमपीएससी परीक्षाएं: मुख्यमंत्री फडणवीस

मुंबई, 13 मार्च। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य विधान परिषद में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब से महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (स्थ्क्ष्ब्) द्वारा आयोजित सभी प्रतियोगी परीक्षाएं मराठी भाषा में भी आयोजित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस का यह बयान शिवसेना (क्ष्ढ्ढ) के विधायक मिलिंद नार्वेकर के सवाल का जवाब देते हुए आया। नार्वेकर ने उल्लेख किया था कि कृषि और इंजीनियरिंग से संबंधित कुछ परीक्षाएं केवल अंग्रेजी में आयोजित की जाती हैं, और उन्होंने यह सवाल उठाया कि क्यों इंजीनियरिंग से संबंधित स्थ्क्ष्ब् परीक्षाएं मराठी में नहीं ली जातीं। मुख्यमंत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, इन परीक्षाओं को पहले ही मराठी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में आयोजित किया जाता है। हालांकि, कुछ मामलों में अदालत ने यह निर्णय दिया था कि विशेष रूप से कृषि इंजीनियरिंग से संबंधित कुछ परीक्षाएं केवल अंग्रेजी में ही होनी चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि जब यह मामला अदालत में गया था, तो यह पाया गया कि इन विषयों की किताबें मराठी में उपलब्ध नहीं थीं और इसे अदालत के सामने लाया गया था, जिसे अदालत ने स्वीकार किया। राज्य सरकार ने अब यह निर्णय लिया है कि भले ही किताबें अभी उपलब्ध नहीं हैं, नई शिक्षा नीति के तहत हम इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मराठी में आयोजित कर सकते हैं।

सोमाली सुरक्षा बलों ने आतंकियों के कब्जे छुड़ाया होटल

गाजा, 13 मार्च। गाजा में सहायता सामग्री के प्रवेश पर रोक से तिलमिलाए यमन के हूती विद्रोहियों ने पश्चिम एशिया के जल क्षेत्रों से गुजरने वाले इस्राइली पोतों पर हमले की धमकी दी है। हूती के इन चेतवानियों से लाल सागर और अन्य जल क्षेत्रों के जरिये एशिया से यूरोप जाने और आने वाले जहाजों पर हमले की चिंता बढ़ गई है। गाजा युद्ध की शुरुआत के बाद भी हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से गुजरने वाले इस्राइली, अमेरिकी और उनके सहयोगी देशों के जहाजों को लगातार निशाना बनाया था। हूती विद्रोहियों के मानवीय संचालन समन्वय केंद्र ने हालिया बयान उस चार दिवसीय अल्टीमेटम के खत्म होने के बाद जारी किया है, जिसमें इस्राइल से गाजा में सहायता सामग्री औप जरूरी चीजों की आपूर्ति फिर से सुनिश्चित करने को कहा गया था। बयान में कहा गया है, हमें उम्मीद है कि यह समझा जाएगा कि हूती विद्रोहियों की तरफ से की गई कार्रवाई ... उत्पीड़ित फलस्तीनियों के प्रति धार्मिक, मानवीय और नैतिक जिम्मेदारी की गहरी भावना से उपजी है। इसका उद्देश्य इस्राइली हमलावर इकाई पर गाजा पट्टी के क्रॉसिंग को फिर से खोलने और खाद्य व चिकित्सा आपूर्ति सहित सहायता के प्रवेश की अनुमति देने के लिए दबाव डालना है। गत दिनों व्हाइट हाउस में हुई बैठक के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुए विवाद को लेकर जेलेंस्की ने ट्रंप से पत्र लिखकर माफी मांगी है। ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने फॉक्स न्यूज से साक्षात्कार में कहा कि जेलेंस्की ने राष्ट्रपति को एक पत्र भेजा है। उन्होंने ओवल ऑफिस में हुई पूरी घटना के लिए माफी मांगी है। इसके पहले कांग्रेस के संयुक्त सत्र के संबोधन में ट्रंप ने फत्र मिलने की पुष्टि की। इस्राइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार में कृषि मंत्री एमके एवी डिचर से मुलाकात की। भारतीय दूतावास ने बताया कि दोनों के बीच कृषि, जल प्रबंधन, अनुसंधान एवं विकास तथा खाद्य सुरक्षा में द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा हुई। जेपी सिंह ने इस्राइली सरकार के कृषि एवं खाद्य सुरक्षा मंत्री को भारत में वर्ल्ड फूड इंडया 2025 में भाग लेने के लिए आमंत्रित भी किया गया। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा है कि उनका देश अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। पेजेश्कियन ने कहा कि ये बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है कि वे (अमेरिका) हमें आदेश दें और धमकाएं। मैं आपके साथ कोई बातचीत नहीं करूंगा। आपको जो करना है कर लें। इससे पहले ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई ने शनिवार को कहा था कि तेहरान धमकाने वाले देशों के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। ईरान

की तरफ से यह बयान ऐसे वक्त सामने आए हैं, जब हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ परमाणु समझौते पर बातचीत करने की अपील की है। हॉन्ग-कॉन्ग के प्रमुख अखबार रहे एपल डेली के संस्थापक जिमी लाई की जेल में ही मौत हो सकती है। जिमी लाई के बेटे सेबेस्टियन लाई ने यह आशंका व्यक्त की है। सेबेस्टियन ने कहा कि उनके पिता 77 वर्षीय जिमी लाई को जेल में अमानवीय हालात में रखा गया है। वे डायबिटीज से पीड़ित हैं और जेल में उनकी सेहत लगातार गिर रही है। सेबेस्टियन ने कहा कि स्थिति ये है कि उनकी जेल में कभी भी मौत हो सकती है। जिमी लाई बीते पांच साल से जेल में बंद हैं। जिमी लाई की गिरफ्तारी पर पूरी दुनिया में चीन की आलोचना हुई थी और इसे हॉन्ग-कॉन्ग में मीडिया की आजादी के लगातार कम होने के तौर पर देखा गया था। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने ट्वीट कर बताया कि, यार्न एक्सपो स्प्रिंग 2025 में भारतीय पवेलियन आगंतुकों के बीच रुचि पैदा कर रहा है, जिसमें भारतीय प्रदर्शक संदूषण मुक्त कस्तूरी कपास जैसी पहलों का प्रदर्शन कर रहे हैं। महावाणिज्य दूतावास ने भारतीय प्रदर्शकों के साथ बातचीत की और उन्हें क्षेत्र में भारत के कपड़ा निर्यात को बढ़ावा देने में वाणिज्य दूतावास के समर्थन का आश्वासन दिया। जापानी मीडिया ने बताया कि पुलिस ने अपनी नाबालिग बेटियों के साथ यौन उत्पीड़न करने और उनके दुर्व्यवहार के वीडियो ऑनलाइन साझा करने के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अब तक इन रिपोर्टों की पुष्टि करने से इनकार कर दिया है। क्योडो न्यूज एजेंसी, एनएचके टेलीविजन और अन्य संस्थानों का कहना है कि मध्य जापान के एक क्षेत्र, ऐची प्रान्त में पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया है, जिनकी उम्र 30, 40 और 50 के बीच है। उन पर 6-14 साल की अपनी बेटियों या सौतेली बेटियों के साथ बार-बार दुष्कर्म करने, इसे फिल्माने और वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा करने का आरोप है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि उन पर बाल वेश्यावृत्ति और बाल पोर्नोग्राफी का भी आरोप है। उन्होंने कथित तौर पर एक ग्रुप चैट में अपने ऐसे संदेशों और फुटेज का आदान-प्रदान किया। नवंबर में एक व्यक्ति को एक बच्चे के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के बाद इस समूह का पर्दाफाश हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने उसके मोबाइल फोन के डेटा की जांच की, जिसके बाद अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। सोमाली सुरक्षा बलों ने बुधवार को बेलेडविन के केंद्रीय शहर में एक होटल पर 24 घंटे की घेराबंदी खत्म कर दी। अधिकारियों ने बताया कि, इसमें अज्ञात संख्या में लोग मारे गए, जिनमें हमला करने वाले सभी अल-शबाब आतंकवादी शामिल हैं। यह हमला मंगलवार को काहिरा होटल में एक कार बम विस्फोट के साथ शुरू हुआ, जिसमें पारंपरिक बुजुर्ग और सैन्य अधिकारी रहते हैं जो अल-शबाब के खिलाफ सरकार के हमले का समन्वय करने में शामिल थे। बेलेडविन के मेयर उमर अलासो ने बुधवार को कहा कि सुरक्षा बलों ने घेराबंदी को सफलतापूर्वक खत्म कर दिया और छह अल-शबाब आतंकवादी मारे गए। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि हमले में कितने नागरिक मारे गए। अल-कायदा से संबद्ध अल-शबाब ने हमले की जिम्मेदारी ली। राजधानी मोगादिशु से लगभग 335 किलोमीटर उत्तर में बेलेडवेने, हिरन क्षेत्र की राजधानी है और अल-शबाब के खिलाफ चल रहे अभियान में एक रणनीतिक स्थान है। यूएसएड विभाग ने अपने पुराने मुख्यालय में स्थित दस्तावेज को नष्ट करने का फैसला किया है। इनमें कई संवेदनशील दस्तावेज हैं। व्हाइट हाउस ने इसे फेक न्यूज करार दिया है। अमेरिकी दैनिक पोलिटिको की रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए अमेरिकी एजेंसी यूएसएड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बचे हुए कर्मचारियों को स्थानीय समायनुसार मंगलवार को पुराने मुख्यालय भवन में इकट्ठा होने का निर्देश दिया है। पोलिटिको ने यूएसएआईडी की कार्यकारी निदेशक एरिका कार की तरफ से भेजी गई ईमेल का हवाला देते हुए बताया कि जिन सामग्रियों को नष्ट करने के लिए चिन्हित किया गया है

अगर सभी देश ट्रेड वॉर पर उतर जाएंगे तो अपना सब कुछ खो देंगे: ट्रंप

संयुक्त राष्ट्र, 13 मार्च। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति इन दिनों लगातार चर्चा में है। दूसरी ओर ट्रंप की इस नीति के जवाब में दूसरे देश भी ट्रेड वॉर (व्यपार युद्ध) को बढ़ावा दे रहे है। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की बड़ी चेतावनी सामने आई है। उन्होंने कहा कि अगर देशों के बीच ट्रेड वॉर युद्ध बढ़ते हैं, तो सभी देश अपना सब कुछ खो देंगे। गुटेरेस ने कहा कि हम एक वैश्विक अर्थव्यवस्था में रहते हैं, जहां सब कुछ आपस में जुड़ा हुआ है और मुक्त व्यापार से सभी देशों को फायदा होता है। उन्होंने कहा कि व्यापार युद्धों में उतरने से सभी देशों को नुकसान होगा। बता दें कि गुटेरेस का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुरू किए गए टैरिफ नीति के संदर्भ में आया है। जहां ट्रंप प्रशासन ने स्टील और एल्युमीनियम पर वैश्विक टैरिफ लागू किए हैं, जिसके बाद यूरोपीय संघ (ईयू) और कनाडा ने अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क लगाने की घोषणा की। इसके बाद, इन देशों ने भी अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका सैकड़ों अरब डॉलर का टैरिफ लगाएगा। साथ ही इस बात का भी दावा किया कि इससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था को बहुत फायदा होगा, क्योंकि इससे नौकरियां बढ़ेंगी और फैक्ट्रियां खुलेंगी। देखा जाए तो डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर शुरुआत में अपने निशाने पर कनाडा, मेक्सिको और चीन को रखा था और इन देशों पर टैरिफ लगाने की बात कर रहें थे। हालांकि दूसरी ओर ट्रंप ने खास तौर पर भारत पर निशाना साधा और भारत द्वारा अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए उच्च टैरिफ को बहुत अनुचित करार दिया। उन्होंने कहा कि अगले महीने से उन देशों पर पारस्परिक टैरिफ लागू किए जाएंगे, जो अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क लगाते हैं। साथ ही ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका को कई देशों ने दशकों तक धोखा दिया है और अब अमेरिका ऐसे देशों के खिलाफ टैरिफ लगाएगा। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ, चीन, भारत, मैक्सिको, कनाडा और अन्य देशों द्वारा वसूले जाने वाले टैरिफ अमेरिका से ज्यादा हैं, जो अनुचित है।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट हों लोग: प्रचंड

काठमांडो, 13 मार्च। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और मुख्य विपक्षी दल सीपीएन (माओवादी सेंटर) के चेयरमैन पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया है। उन्होंने लोगों से कहा कि उनकी पार्टी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए काठमांडों में विरोध प्रदर्शन करेगी तब लोग उसमें बड़ी संख्या में एकत्र होने के लिए तैयार रहें। प्रचंड ने यह बयान रविवार को पूर्व राजा ज्ञानेंद्र के पोखरा से काठमांडो लौटने पर उनके समर्थकों की ओर

से आयोजित प्रदर्शन की ओर इशारा करते हुए दिया। माओवादी नेता ने कहा कि तरह-तरह के बहानों के तहत भ्रष्ट और अवसरवादी तत्व व्यवस्था को कमजोर करने और लोगों के अधिकारों को छीनने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसी सभी साजिशों को विफल करना और जनता के अधिकारों की रक्षा करना माओवादियों की जिम्मेदारी है और हम इससे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि हमने निष्क्रिय मोर्चों को सक्रिय करके सभी जातीय क्षेत्रीय मोर्चों को मजबूत करने की नीति अपनाई है। हम धीरे-धीरे सभाएं आयोजित करके सभी मोर्चों को सक्रिय बनाएंगे। प्रचंड ने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद लोगों को लोकतांत्रिक अधिकार और संप्रभुता मिली है। इसे उलटने के प्रयास किए जा रहे हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम देश को ऐसी ताकतों के कब्जे में नहीं आने दें। केपी शर्मा ओली की वर्तमान सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार भ्रष्ट लोगों को बचाने और अच्छा काम करने वालों को दंडित करने का प्रयास कर रही है। इससे राजशाही समर्थक ताकतों को संकट का फायदा उठाने का मौका मिल रहा है। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पोखरा से काठमांडो लौटे थे। राजशाही समर्थकों ने हवाईअड्डे पर उनका जोरदार स्वागत किया था। इसमें राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी शामिल थे, जिन्होंने राजा के समर्थन में नारे भी लगाए। लोगों के हाथों में पोस्टर और बैनर थे, जिसमें नेपाल में राजा और राजशाही की वापसी की मांग की गई थी।

जाफर एक्सप्रेस हमले के बाद पाकिस्तान सरकार अलर्ट मोड में

इस्लामाबाद, 13 मार्च। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को अशांत बलूचिस्तान प्रांत का दौरा किया। जहां हाल ही में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन का अपहरण किया गया था। साथ ही 21 नागरिकों और चार सैनिकों की जान गई थी। शहबाज शरीफ ने इस घटना के बाद लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करने और प्रांत में कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने के लिए यह यात्रा की। अशांत बलूचिस्तान में फैले अशांति को लेकर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ उप प्रधानमंत्री मुहम्मद इशाक डार और अन्य मंत्रियों ने इस दुखद घटना के बाद स्थिति का जायजा लिया। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर इस घटना का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि ऐसी घटनाओं पर राष्ट्रीय एकता दिखाने की जरूरत है। इस दौरान, पाकिस्तान की सेना और सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीत का दावा किया और कहा कि इस लड़ाई में देश को

सफलता मिलेगी। बता दें कि यह घटना मंगलवार को हुई थी जब बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाको ने क्वेटा से पेशावर जा रही जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया। साथ ही ट्रेन के यात्रियों को बंधक बना लिया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने दो दिनों तक अभियान चलाया और सभी 33 लड़ाको को मार गिराया। बीएलए के लड़ाको को नियंत्रित करने के लिए पाकिस्तानी सेना ने एक अभियान चलाया। इसमें पाकिस्तान वायु सेना, विशेष सेवा समूह (एसएसजी), सेना और फ्रंटियर कोर (एफसी) ने भाग लिया। साथ ही पाकिस्तान की सेना ने कहा कि लड़ाके अफगानिस्तान में अपने मास्टरमाइंड से संपर्क कर रहे थे। साथ ही पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अब से ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। साथ ही अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन को अगवा करने वाले कुछ लड़ाकों के पास सैटेलाइट फोन भी थे, जिसके जरिये वे अपने हैंडलरों से संपर्क में थे। वहीं, ट्रेन में सवार यात्रियों के परिजनों को सूचना देने के लिए पाकिस्तान रेलवे ने पेशावर और क्वेटा में आपातकालीन डेस्क भी बनाए।

सुदीक्षा कोनांकी के साथ आखिरी बार दिखा था संदिग्ध युवक

वाशिंगटन, 13 मार्च। डोमिनिकन गणराज्य के मशहूर पर्यटक शहर पुंटा काना से लापता हुई भारतवंशी छात्रा की तलाश जारी है। इस बीच अमेरिकी अधिकारियों ने एक 24 वर्षीय संदिग्ध की पहचान की है। पुलिस का कहना है संदिग्ध युवक स्प्रिंग ब्रेक के दौरान गायब हो गया था। अमेरिका के पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली भारतवंशी छात्रा सुदीक्षा कोनांकी को आखिरी बार छह मार्च को पुंटा काना के रियू रिपब्लिका होटल में देखा गया था। वह तीन मार्च को अपने दोस्तो के साथ

गर्मी की छुट्टी मनाने के लिए डोमिनिकन गणराज्य के मशहूर पर्यटक शहर पुंटा काना गईं थी। अमेरिकी संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां उसके लापता होने की जांच में कैरेबियाई देश के अधिकारियों के साथ काम कर रही हैं। कोनांकी के गृहनगर वर्जीनिया के लॉडोन काउंटी शेरिफ ऑफिस (एलसीएसओ) के प्रवक्ता चाड क्विन ने बताया कि लापता होने से पहले जोशुआ रीबे को सुदीक्षा के साथ एक रिसोर्ट में देखा गया था। यह व्यक्ति शायद उसके साथ दिखने वाला आखिरी व्यक्ति था। यह कोई आपराधिक जांच नहीं है। वह एक अमेरिकी नागरिक है जो पुंटा काना में छुट्टियां मना रहा था। वह लापता छात्रा के साथ यात्रा करने वाले समूह का हिस्सा नहीं था। क्विन ने कहा कि रीबे उस समूह का हिस्सा नहीं था जिसके साथ कोनांकी द्वीप पर गया था। वह उनसे पुंटा काना के रिसॉर्ट शहर में मिला था। रीबे मूल रूप से रॉक रैपिड्स, आयोवा से है और वह 2023 से मिनेसोटा में सेंट क्लाउड स्टेट यूनिवर्सिटी में छात्र है। एफबीआई की सहायता से डोमिनिकन नेशनल पुलिस ने कई लोगों से पूछताछ की है। सुदीक्षा के पिता सुब्बारायडू कोनांकी ने कहा कि वह चाहते हैं कि अधिकारी इस धारणा को छोड़ें की सुदीक्षा डूब गई है। वह अपहरण के विकल्प पर काम करें। उसने अपना फोन और बटुआ दोस्तों के पास छोड़ दिया था, जबकि वह हमेशा अपना फोन अपने पास रखती थीं। पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया गया कि उस व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि वह और कोनांकी समुद्र में तैरने गए थे, लेकिन अचानक एक बड़ी लहर की चपेट में आ गए। रिपोर्ट के मुताबिक, वह व्यक्ति किसी तरह समुद्र तट पर लौट आया और उल्टी करने के बाद बीच बेड पर सो गया।

जिन्ना और अंग्रेजों के धोखे से नहीं बन सका अलग देश

लाहौर, 13 मार्च। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित बोलान के पास मंगलवार को एक एक्सप्रेस ट्रेन को हाईजैक कर लिया गया था। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ट्रेन में सवार करीब 450 लोगों को बंधक बना लिया था। 24 घंटे से ज्यादा तक पाकिस्तानी सेना और बीएलए के लड़ाकों के बीच चले संघर्ष के बाद आखिरकार इस ट्रेन को आजाद करा लिया गया। पाकिस्तानी सेना का कहना है कि उसने ट्रेन को अगवा करने वाले बीएलए के सभी लड़ाकों को मार गिराया है। वहीं, बीएलए ने भी इस घटना में कई सैन्य अधिकारियों को मारने की बात कही है। बलूचिस्तान दुनिया के नक्शे पर कहां है? इसका इतिहास क्या है? आजादी से पहले भारत का हिस्सा रहे इस प्रांत के पाकिस्तान में जाने की कहानी क्या है? जिन्ना और ब्रिटिश सरकार के किस धोखे से बलूचिस्तान को पाकिस्तान में शामिल होना पड़ा? आइये जानते हैं... पाकिस्तान के नक्शे पर दक्षिण-पश्चिम में स्थित बलूचिस्तान इस देश का सबसे बड़ा प्रांत है। पाकिस्तान के 8.81 लाख वर्ग किलोमीटर इलाके में करीब 40 फीसदी हिस्सा यानी 3.47 लाख वर्ग किमी अकेले बलूचिस्तान का है। आबादी के लिहाज से पाकिस्तान की 24.75 करोड़ की आबादी में से सिर्फ 1.49 करोड़ लोग बलूचिस्तान में बसे हैं। यानी पूरे पाकिस्तान की महज छह फीसदी आबादी यहां रहती है।

इस क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों खासकर यहां तेल-गैस की काफी मौजूदगी है। इसके अलावा यह क्षेत्र सोना और तांबा का भी भंडार माना जाता है। इसके बावजूद यहां रहने वाले कबायली समुदाय की हालत बेहद खराब है। पाकिस्तान में जारी इसी भेदभाव के चलते बलूचिस्तान में अलग-अलग समय पर आजादी की मांग उठती रही है। इसके लिए बलूचिस्तान में कई संगठनों का भी उदय हुआ। इन्हीं में से एक संगठन है- बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी, जिसने 11 मार्च 2025 को बोलान में एक सुरंग में जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक किया। जब यह साफ हो गया कि ब्रिटिश शासन भारत से जा रहा है, तब बलूचिस्तान में मकरान, लास बेला, खरान और कलात के कबायली प्रमुखों में कलात के प्रमुख सबसे ताकतवर थे। उस वक्त अहमद यार खान कलात के खान यानी प्रमुख थे। भारत की आजादी के वक्त ब्रिटिश साम्राज्य ने यहां की रियासतों को दो विकल्प दिया। पहला- ये रियासतें भारत या पाकिस्तान के साथ मिल जाएं। या फिर दूसरा- स्वतंत्र रहें। उस वक्त अहमद यार खान ने बलूचिस्तान की आजादी की वकालत की। बताया जाता है कि अहमद की इस मांग के पीछे उनकी मोहम्मद अली जिन्ना से निजी दोस्ती थी। उन्हें उम्मीद थी कि जिन्ना बलूचिस्तान को पाकिस्तान में शामिल होने की जगह आजादी दिलाने में समर्थन देंगे। 11 अगस्त 1947 को पाकिस्तान ने उनका भरोसा बढ़ाते हुए अहमद यार खान के साथ दोस्ती की एक संधि की और उन्हें पाकिस्तान में जबरन शामिल कराने के लिए जोर नहीं दिया। भारत के बंटवारे के बाद जब बलूचिस्तान ने आजाद रहने पर जोर दिया तो इससे ब्रिटिश शासन की चिंता बढ़ गई। दरअसल, बीते कुछ वर्षों में ईरान-अफगानिस्तान के आसपास सोवियत संघ का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा था। ऐसे में ब्रिटेन को चिंता थी कि अगर बलूचिस्तान को आजाद छोड़ दिया गया तो वह सोवियत शासन के प्रभाव में जा सकता है। इसी वजह से ब्रिटिश अफसर कलात को पाकिस्तान में ही शामिल कराना चाहते थे। कलात के प्रमुख अहमद यार खान के अंतर्गत बलूचिस्तान के क्षेत्रों को संभाल रहे तीन कबायली नेता पाकिस्तान में मिलने के लिए तैयार हो गए। इस स्थिति को भांपते हुए पाकिस्तान ने अक्तूबर 1947 में ही दोस्ती की संधि को तोड़ते हुए पूरे बलूचिस्तान को शामिल कराने की कोशिशें शुरू कर दीं। 17 मार्च 1948 को पाकिस्तान सरकार ने कलात के अंतर्गत आने वाले तीन सामंती क्षेत्रों को अपने साथ शामिल करा लिया। इससे न सिर्फ कलात के खान की ताकत घट गई, बल्कि यह पूरा क्षेत्र चारों तरफ से जमीनी सीमाओं से भी घिर गया, जबकि पहले यह पूरा इलाका अरब सागर से जुड़ा था। स्टेट एंड नेशन बिल्डिंग इन पाकिस्तान, बियॉन्ड इस्लाम एंड सिक्योरिटी किताब के मुताबिक, जब कलात पर पाकिस्तान में शामिल होने का दबाव बढ़ रहा था, उसी दौरान भारत में ऑल इंडिया रेडियो पर एक खबर चली। इसमें दावा किया गया कि कलात भारत के साथ शामिल होना चाहता है। हालांकि, पाकिस्तान ने इस खबर के प्रसारित होने के ठीक बाद 26 मार्च 1948 को अपनी सेना की एक बड़ी टुकड़ी बलूचिस्तान भेज दी। इसके बाद कलात के खान ने पाकिस्तान के साथ संधि का एलान कर दिया। माना जाता है कि पाकिस्तान के सैन्य अभियानों के डर से अहमद यार खान को यह फैसला लेने पर मजबूर होना पड़ा।

ट्रंप का पत्र लेकर तेहरान पहुंचा यूएई राजनयिक

दुबई, 13 मार्च। अमीराती राजनयिक अनवर गरगाश, जिसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पत्र लेकर आने वाला बताया गया था, ने बुधवार को ईरान के विदेश मंत्री से मुलाकात की। एक ईरानी सरकारी टेलीविजन ने दिखाया कि अमीराती राजनयिक अनवर गरगाश ईरान की राजधानी तेहरान में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात कर रहे हैं। हालांकि इस वीडियो में ट्रंप का पत्र नहीं दिखाया गया, लेकिन ईरान ने पहले कहा था कि अनवर गरगाश यह पत्र लेकर आएंगे। रमजान महीने में हुई इस मुलाकात को लेकर यूएई सरकार या अनवर गरगाश ने इस यात्रा की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की। डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते स्वीकार किया था कि उन्होंने यह पत्र ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को लिखा। इस पत्र का मकसद ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू करना था। अमेरिका और इस्राइल ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकने की बात कर चुके हैं, जिससे सैन्य संघर्ष की आशंका बढ़ रही है। ईरान कहता है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है, लेकिन उसके अधिकारी कई बार परमाणु हथियार बनाने की धमकी दे चुके हैं। अमेरिका और ईरान के बीच पहले से प्रतिबंधों को लेकर तनाव बना हुआ है। वहीं इस्राइल और हमास के बीच गाजा में संघर्ष विराम की नाजुक स्थिति बनी हुई है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है। अमीराती राजनयिक अनवर गरगाश और ईरानी विदेश मंत्री की इस मुलाकात से संकेत मिलता है कि अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता हो सकती है। ईरान की तरफ से अभी तक डोनाल्ड ट्रंप के पत्र पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

भारत लैंगिक भेदभाव को पाटने के अनुभव को साझा करने के लिए तैयार

संयुक्त राष्ट्र, 13 मार्च। संयुक्त राष्ट्र में भारत के महिला सशक्तीकरण के साथ ही डिजिटलीकरण की सराहना हुई है। भारत ने एक बार फिर महिलाओं के नेतृत्व में देश के विकास के साथ आगे बढ़ने पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महिलाओं की स्थिति हो रहे 69वें सत्र में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि भारत लैंगिक डिजिटल बंटवारे को पाटने के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के अपने अनुभव को दुनिया के साथ साझा करना चाहता है। भारत महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत एक ऐसे देश का निर्माण कर रहा है जहां महिलाएं अवधारणा से लेकर डिजाइन, कार्यान्वयन और निगरानी तक में भाग लेकर सक्रिय आर्किटेक्ट के रूप में नेतृत्व करती हैं। जो भारत के विकास पथ को विकसित राष्ट्र की ओर आकार देती है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन और यूएन वूमन द्वारा महिला सशक्तीकरण के लिए डिजिटल और वित्तीय समावेशन और महिला सशक्तीकरण के लिए वित्तपोषण - मुख्य संसाधनों की महत्वपूर्णता पर आयोजित मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में भाग ले रही हैं। महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग का 69वां सत्र 10 मार्च को शुरू

हुआ और 21 मार्च तक चलेगा। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के साथ अपने अनुभव को साझा करने में प्रसन्न है। उन्होंने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए संसाधनों की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में विकसित यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (क्ढ्ढ) ने नियमित लेन-देन की प्रणाली को बदल दिया है। पूर्ण डाटा सुरक्षा के क्षेत्र को पूरी तरह से डिजिटल बना दिया है, जिसमें 87.35 मिलियन लेन-देन हुए हैं। यह 147त्न बढ़ गए हैं। इसमें लिंग, शहरी, ग्रामीण, अमीर और गरीब की बाधाओं को पार कर लिया गया है और महिलाएं तेजी से डिजिटल भुगतान इंटरफेस को अपना रही हैं। राष्ट्रों को सचेत रहना होगा कि महिलाओं के डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देना सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन डाटा और गोपनीयता की रक्षा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज की तकनीकी दुनिया में प्रौद्योगिकी के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के लिए विनियमन को संतुलित करने की आवश्यकता है। भारत सरकार जानती है कि महिलाओं की गरिमा और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी हरीश ने बताया कि कैसे आधार ने भारत की अनूठी आधारभूत पहचान प्रणाली और एकीकृत भुगतान इंटफेस ने सहज लेनदेन के माध्यम से 250 मिलियन से अधिक भारतीय महिलाओं को लाभान्वित किया है। भारत ने जी20 अध्यक्षता के दौरान इस महत्वपूर्ण एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए एक महिला सशक्तीकरण कार्य समूह की भी स्थापना की। यूएन वूमन की कार्यकारी निदेशक सिमा बहौस ने इंडिया स्टैक और यूपीआई विकसित करने में भारत के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमें उन बाधाओं को दूर करना होगा जो महिलाओं को डिजिटल और वित्तीय प्रणालियों से दूर रखती हैं। सरकारों को सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश करना चाहिए जो महिलाओं को प्राथमिकता देता है। भारत स्टैक और एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (क्ढ्ढ) विकसित करने में भारत का नेतृत्व यह साबित करता है कि जब समावेशन नवाचार के मूल में होता है तो क्या संभव है। उन्होंने कहा कि भारत में हमने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के माध्यम से डिजिटल वित्तीय समावेशन की शक्ति देखी है। डिजिटल भुगतान ने महिलाओं के रोजगार और स्वायत्तता को बढ़ाया है। यह एक वैकल्पिक एजेंडा नहीं है। यह एक बेहतर दुनिया का खाका है। आइए हम साहसी बनें। हम ऐसी दुनिया को स्वीकार करने से इनकार करें जहां आधी आबादी को पीछे रखा जाता है। भविष्य डिजिटल है। भविष्य को वित्तीय रूप से समावेशी होना चाहिए। अगर हम इसे सही तरीके से करते हैं, तो भविष्य न केवल समानता का वादा करेगा, बल्कि इसकी गारंटी भी देगा।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बिना फंड और इंफ्रास्ट्रक्चर के एनईपी लागू करना नामुमकिन

नई दिल्ली, 13 मार्च। तीन-भाषा नीति को लेकर जारी विवाद के बीच, तमिलनाडु के मंत्री पत्तानीवेल त्यागराजन ने नई शिक्षा नीति पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इसे लागू करना संभव नहीं है क्योंकि इसके लिए न तो पर्याप्त फंडिंग है और न ही जरूरी बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। हालांकि तीन-भाषा नीति को लेकर उठे विवाद के बीच, तमिलनाडु के मंत्री पत्तानीवेल त्यागराजन ने कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करना असंभव है क्योंकि इसके समर्थन के लिए कोई फंडिंग या बुनियादी ढांचा नहीं है। नई शिक्षा नीति की आलोचना करते हुए, त्यागराजन ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 एक एलकेजी छात्र और एक उच्च शिक्षा छात्र को एक ही तरह से पढ़ाने जैसा है। उन्होंने आगे दावा किया कि 1968 के बाद शुरू की गई शिक्षा नीतियों में दक्षिण भारतीय भाषाएं सीखने की सिफारिश की गई थी। हालांकि, योग्य शिक्षकों की कमी के कारण, यह नीति 20 वर्षों के भीतर हिंदी भाषी राज्यों में विफल हो गई। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए, मंत्री पलानीवेल त्यागराजन ने कहा, 1968 के बाद शुरू की गई शिक्षा नीतियों में दक्षिण भारतीय भाषाओं को सीखने की सिफारिश की गई थी। हालांकि, योग्य शिक्षकों की कमी के कारण, यह नीति 20 वर्षों के भीतर हिंदी भाषी राज्यों में विफल हो गई। यहां तक कि उत्तर प्रदेश में भी वे तीन-भाषा नीति को पूरी तरह से लागू नहीं कर सके। फिर भी, उन्होंने पीएम-श्री निधि को रोक दिया है और उपद्रवियों की तरह आक्रामक तरीके से बोलना जारी रखा है। एनईपी 2020 एक एलकेजी छात्र और एक उच्च शिक्षा छात्र को समान रूप से पढ़ाने जैसा है। नई शिक्षा नीति को लागू करना आज असंभव है क्योंकि इसका समर्थन करने के लिए कोई धन या बुनियादी ढांचा नहीं है। भाजपा तमिलनाडु के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने तीन भाषा नीति पर अपने बयान के लिए मंत्री पत्तानीवेल त्यागराजन की आलोचना की। यह दावा करते हुए कि उनके अपने बेटों ने अंग्रेजी और एक विदेशी भाषा का अध्ययन किया है, अन्नामलाई ने उनसे पूछा कि वे नीति के कार्यान्वयन को रोकने के लिए नाटक क्यों कर रहे हैं। तीन भाषा नीति का बचाव करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि यह राष्ट्रीय नीति सरकारी स्कूल के छात्रों को तमिल और अंग्रेजी के साथ-साथ तीसरी भारतीय भाषा या उच्च स्तर पर एक विदेशी भाषा सीखने का अवसर प्रदान करेगी। मैं यह बताना भूल गया कि वे कौन सी दो भाषाएं थीं। उनके बेटों ने जो दो भाषाएं सीखीं, पहली भाषा: अंग्रेजी दूसरी भाषा: फ्रेंच/स्पैनिश क्या यह आपकी द्विभाषी नीति है? हम एक ऐसी राष्ट्रीय शिक्षा नीति की मांग कर रहे हैं जो हमारे सरकारी स्कूल के छात्रों को

तमिल और अंग्रेज़ी के साथ-साथ तीसरी भारतीय भाषा या उच्च स्तर पर एक विदेशी भाषा सीखने का अवसर प्रदान करे। इसे रोकने के लिए यह सब नाटक क्यों? मैं ईमानदारी से अपने भाई पीटीआर और उनके दोनों बेटों को जीवन में सर्वश्रेष्ठ की कामना करता हूं। हम मांग करते हैं कि उन्हें जो कई भाषाएं सीखने का अवसर मिला है, वह हमारे सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब और जरूरतमंद बच्चों को भी मिलना चाहिए। इससे पहले बुधवार को, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को भारत के विकास के बजाय हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भगवा नीति करार दिया, आरोप लगाया कि नीति तमिलनाडु की शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने की धमकी देती है। हालांकि, केंद्र सरकार का कहना है कि एनईपी का उद्देश्य बहुभाषावाद और भाषा शिक्षा में लचीलेपन को बढ़ावा देना है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने हिंदी थोपने के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि नीति राज्यों को अपनी भाषा चुनने की अनुमति देती है। मंगलवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके सरकार को त्रिभाषा नीति और एनईपी पर चुनौती दी उन्होंने एक्स पर लिखा, मैं संसद में दिए गए अपने बयान पर कायम हूं और तमिलनाडु स्कूल शिक्षा विभाग का 15 मार्च 2024 का सहमति पत्र साझा कर रहा हूं। डीएमके सांसद और माननीय सीएम जितना चाहें झूठ का ढेर लगा सकते हैं, लेकिन जब सच टूटकर गिरता है तो वे खटखटाने की जहमत नहीं उठाते। माननीय सीएम स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार को तमिलनाडु के लोगों को बहुत कुछ जवाब देना है। भाषा के मुद्दे को ध्यान भटकाने की रणनीति के रूप में उठाना और अपनी सुविधा के अनुसार तथ्यों को नकारना उनके शासन और कल्याण घाटे को नहीं बचा पाएगा।

पश्चिमी दर्शन से भिन्न है भारतीय दर्शनः शशांक

नई दिल्ली। पूर्व विदेश सचिव शशांक ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कन्वेंशन सेंटर में फॉरेन स्टूडेंट्स रजिस्ट्री (एफएसआर) विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय छात्र महोत्सव-2025 में कहा कि भारतीय दर्शन पश्चिमी दर्शन से भिन्न है। उन्होंने कहा कि हमारी सोच है कि अपने ज्ञान को आप दूसरों के साथ जितना बांटेंगे उतना आप भी और प्राप्त करेंगे और अन्य लोग भी प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शशांक ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आप में से प्रत्येक विद्यार्थी आपके देश की भारत के साथ साझेदारी को विकसित करने में काम कर सकता है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न देशों के विद्यार्थियों ने अपने-अपने देश की संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर बौद्ध भिक्षुओं ने प्रार्थना प्रस्तुत की। तिब्बत, डिजी, श्रीलंका, कंबोडिया, बेनेज़ुएला, थाईलैंड और साउथ कोरिया आदि के कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डिज़ी के उच्चायुक्त जगन्नाथ सामी ने कहा कि अपने पूर्वजों की मातृभूमि में आना उनके लिए सौभाग्य की बात है। डिज़ी की संस्कृति और इतिहास की जड़ें गहनता से भारत के साथ जुड़ी हैं। डिज़ी अपने आप में लघु भारत है। जब भारतीय लोग डिज़ी गए थे तो अपने साथ रामायण, महाभारत, गीता, कुरान और बाइबल जैसी पवित्र पुस्तकें लेकर गए थे, जिन्होंने उन्हें मानसिक और धार्मिक रूप से गहनता से मजबूत किया। रामलीला, कृष्णलीला और भजनों आदि के माध्यम से उन्होंने अपनी पहचान को बनाए रखा है। इस अवसर पर डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि डीयू में पढ़ने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्र भारत के विभिन्न प्रदेशों का भी भ्रमण करें ताकि वह भारत की समृद्ध संस्कृति का अवलोकन कर के उसे समझ सकें। उन्होंने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय भारत का पहला विश्वविद्यालय था, जिसने 1956 में विदेशी छात्रों के लिए अफ्रीकन स्टडी विभाग में कार्यालय स्थापित किया था। कुलपति ने बताया कि डीयू के डिप्लोमा और डिग्री से लेकर पीएचडी तक सभी कोर्सों में 10 प्रतिशत सुपरन्यूमरेरी सीटों की व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए की गई है। पिछले वर्षों में हमने हजारों विदेशी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी है। उन्होंने डीयू के अनेक पूर्व अंतरराष्ट्रीय छात्रों की उनके देशों में मजबूत उपस्थिति का जिक्र करते हुए बताया कि मॉरीशस के वर्तमान राष्ट्रपति धर्मबीर गोखूल, श्रीलंका की वर्तमान प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या, म्यांमार की नोबल पुरस्कार विजेता आंग सान सू और नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला सहित अनेक ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने दुनिया में डीयू का नाम रोशन किया है। कुलपति ने कहा कि हमें अपने अंतरराष्ट्रीय पूर्व छात्रों पर गर्व है, जो उनके देशों की मजबूती के साथ वैश्विक विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं।

नदी -नालों के पास रहने वाले व्यक्तियों में कैंसर होने का खतरा अधिक - आईसीएमआर

नई दिल्ली। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने 2024 में किए गए एक शोध के आधार पर कहा है कि प्रदूषित नदी-नालों के पास रहने वाले लोगों में कैंसर रोग होने का खतरा बहुत अधिक है। इन क्षेत्रों में किए गए अध्ययन के परिणामों से पता चलता है कि इनके पर्यावरण में शीशा, लोहा और एल्यूमीनियम की मात्रा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमेय सीमा से अधिक थे।

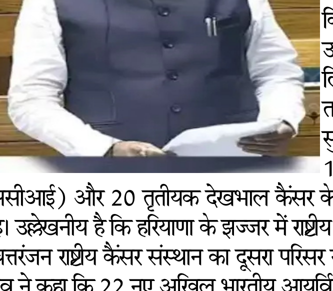

राज्यसभा में राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने एक प्रश्न में लिखित जवाब में यह जानकारी दी। प्रतापराव जाधव ने राज्यसभा में बताया कि केंद्र कैंसर देखभाल और उपचार पहुंच में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल के तहत उन्नत निदान और उपचार सुविधाएं प्रदान करने के लिए 19 राज्य कैंसर संस्थान (एससीआई) और 20 तृतीयक देखभाल कैंसर केंद्र (टीसीसीसी) को मंजूरी दी गई है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान और कोलकाता में चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान का दूसरा परिसर स्थापित किया गया है।प्रतापराव जाधव ने कहा कि 22 नए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स) में कैंसर उपचार सुविधाओं को मंजूरी दी गई है, जो व्यापक निदान, चिकित्सा और शल्य चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेंगे। सरकार यह सुनिश्चित करती है कि इन अस्पतालों में गरीबों और जरूरतमंदों के लिए उपचार या तो मुफ्त हो या अत्यधिक सब्सिडी वाला हो, जिससे सभी को आवश्यक स्वास्थ्य सेवा सुलभ हो सके। कैंसर का इलाज आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत भी कवर किया जाता है, जो माध्यमिक और तृतीयक देखभाल के लिए प्रति परिवार सालाना 5 लाख रुपये तक प्रदान करता है। इस योजना से आबादी के निचले 40 प्रतिशत हिस्से के लगभग 55 करोड़ लोगों (12.37 करोड़ परिवार) को लाभ मिलता है। प्रतापराव जाधव ने कहा कि पीएम-जेएवाई योजना में राष्ट्रीय स्वास्थ्य लाभ पैकेज के भीतर मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी और पैलिएटिव मेडिसिन से संबंधित 500 से अधिक प्रक्रियाओं को शामिल करते हुए 200 से अधिक पैकेज शामिल हैं।

केंद्र और तमिलनाडु में भाषा विवाद गहराया

चेन्नई, 13 मार्च। तमिलनाडु में भाषा विवाद गहराता जा रहा है। अब एमके स्टालिन सरकार ने राज्य सरकार के बजट 2025-26 से रुपये (?) का प्रतीक चिह्न हटा दिया है। इसकी जगह सरकार ने तमिल भाषा का प्रतीक लगाया है। ऐसा माना जा रहा है भाषा विवाद के चलते तमिलनाडु सरकार ने यह कदम उठाया है। लोगो में तमिल शब्द रुबाई का पहला अक्षर रु लिखा है, जो स्थानीय भाषा में भारतीय मुद्रा को दर्शाता है। इसके अलावा लोगो में सबके लिए सब कुछ भी लिखा है। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु शुक्रवार को 2025-26 के लिए बजट पेश करेंगे। केंद्र सरकार और द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम यानी डीएमके के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में प्रस्तावित त्रिभाषा फॉर्मूला राजनीतिक विवाद का केंद्र बना हुआ है। तमिलनाडु सरकार ने एनईपी व त्रिभाषा फॉर्मूले को लागू करने से मना कर दिया है। इसके चलते केंद्र सरकार ने समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत मिलने वाली 573 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता रोक दी है। एसएसए फंडिंग पाने के लिए राज्यों को एनईपी के दिशा-निर्देशों का पालन करना होता है। फंड रोके जाने से सीएम स्टालिन बिफरे हुए हैं। उन्होंने दक्षिणी राज्यों में हिंदी थोपने का आरोप लगाया है। केंद्र के अनुसार शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है व त्रिभाषा फॉर्मूले को लागू करना राज्यों की जिम्मेदारी है। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि केंद्र सरकार तमिलनाडु और पेरियार का अपमान करती है। क्या हम असभ्य हैं? जो लोग हमें असभ्य कहते हैं, वास्तव में वे असभ्य तरीके से व्यवहार कर रहे हैं और हमारे खिलाफ टिप्पणी कर रहे हैं। तमिल लोग बहुत जल्द इसका करारा जवाब देंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) पर त्रिभाषा नीति के विरोध को लेकर निशाना साधा और स्टालिन सरकार पर तमिलनाडु में राजनीतिक गड़बड़ी पैदा करने और बच्चों को उनके सीखने के अधिकार से वंचित करने का आरोप लगाया। लोकसभा में बोलते हुए सीतारमण ने कहा था कि नई शिक्षा नीति वास्तव में कहती है कि कक्षा 5वीं तक अपनी मातृभाषा में सीखें, यदि संभव हो तो 8वीं तक और इंटरमीडिएट तक और भी बेहतर। यही एनईपी कहती है, लेकिन वे (डीएमके) यह कल्पना करना चाहते हैं कि यह हिंदी थोप रही है। गलत तरीके से उन्होंने तमिलनाडु में राजनीतिक गड़बड़ी पैदा की है और बच्चों को उनके सीखने के अधिकार से वंचित किया है।

गंभीर अपराधों में आरोपी चुनाव प्रत्याशियों पर आएगा फैसलाः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 13 मार्च। सुप्रीम कोर्ट 18 मार्च को उस याचिका पर सुनवाई करने वाला है, जिसमें गंभीर अपराधों में आरोपी प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने से रोकने की मांग की गई है। इस याचिका पर न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ सुनवाई करेगी। यह याचिका अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की तरफ से दायर की गई थी, जिसमें अनुरोध किया गया है कि जिन प्रत्याशियों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामलों में आरोप तय हो चुके हैं, उन्हें चुनाव लड़ने से रोका जाए। इसके साथ ही, केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग की गई है कि ऐसे आरोपियों को चुनावी प्रक्रिया से दूर रखा जाए। सितंबर 2022 में सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और चुनाव आयोग से इस याचिका पर जवाब मांगा था, लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। याचिका में कहा गया है कि भारतीय विधि आयोग और अदालत के पहले के निर्देशों के बावजूद केंद्र सरकार और चुनाव आयोग ने इस मुद्दे पर कोई कदम नहीं उठाया। याचिका के अनुसार, 2019 के लोकसभा चुनाव में चुने गए

539 सांसदों में से 233 (लगभग 43त्न) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। यह आंकड़े एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट पर आधारित हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2009 से अब तक गंभीर आपराधिक मामलों वाले सांसदों की संख्या में 109त्न की बढ़ोतरी हुई है। इतना ही नहीं, एक सांसद ने अपने खिलाफ 204 आपराधिक मामले घोषित किए थे, जिनमें गैर इरादतन हत्या, घर में जबरन घुसना, डकैती, आपराधिक धमकी जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। इस याचिका में कहा गया है कि राजनीतिक दल एक-दूसरे से होड़ में अपराधियों को टिकट देने से परहेज नहीं कर रहे हैं, क्योंकि कोई भी पार्टी अकेले यह जोखिम नहीं उठा सकती कि वह अपराधी छवि वाले उम्मीदवारों को नजरअंदाज कर दे और दूसरी पार्टी उन्हें टिकट दे दे। याचिका में यह भी दावा किया गया है कि राजनीति के अपराधीकरण से जनता को भारी नुकसान हो रहा है, लेकिन इसके बावजूद पार्टियां गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट दे रही हैं।

होली से पहले इसरो का देश को तोहफा

नई दिल्ली, 13 मार्च। होली से पहले इसरो ने देश को बड़ा तोहफा दिया है। इसरो ने स्पैडेक्स उपग्रह की सफलतापूर्वक अनडॉकिंग कर ली है। इसके साथ ही चंद्रयान-4 के लिए रास्ता साफ हो गया है। दरअसल, अंतरिक्ष को उपग्रहों को एक साथ जोड़ने की प्रक्रिया को डॉकिंग और अलग करने की प्रक्रिया को अनडॉकिंग कहते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को कहा कि उसने 'स्पेडेक्स' उपग्रहों को 'डी-डॉक' करने (अलग करने) का काम पूरा कर लिया है। इससे चंद्रमा की खोज, मानव अंतरिक्ष उड़ान और अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने जैसे भविष्य के मिशनों के लिए रास्ता साफ हो गया है। स्पेडेक्स मिशन पिछले साल 30 दिसंबर को शुरू किया गया था, जब इसरो ने अंतरिक्ष में 'डॉकिंग' प्रयोग का प्रदर्शन करने के लिए दो उपग्रहों – एसडीएक्स01 और एसडीएक्स02 को कक्षा में स्थापित किया था। 'स्पेस डॉकिंग' अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को जोड़ने की प्रक्रिया को कहते हैं। कई प्रयासों के बाद अंतरिक्ष एजेंसी ने 16 जनवरी को दोनों उपग्रहों को सफलतापूर्वक 'डॉक' किया था। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी; पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने इस कामयाबी के लिए इसरों को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, इसरो टीम को बधाई। यह हर भारतीय के लिए खुशी की बात है। स्पैडेक्स उपग्रहों ने अविश्वसनीय डी-डॉकिंग को पूरा कर लिया गया है। इससे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, चंद्रयान 4 और गगनयान समेत भविष्य के महत्वाकांक्षी मिशनों में काफी मदद मिलेगी। इन मिशनों को आगे बढ़ाने का मार्ग भी इससे प्रशस्त होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निरंतर संरक्षण इस उत्साह को बढ़ाता है। इससे पहले 16 जनवरी को भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और लंबी छलांग लगाकर विश्व के चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया था। इसरो ने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट' (स्पेडेक्स) के तहत उपग्रहों की 'डॉकिंग' सफलतापूर्वक की थी। इसरो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा था, भारत ने अंतरिक्ष इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया है। सुप्रभात भारत, इसरो के स्पेडेक्स मिशन ने 'डॉकिंग' में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। इस क्षण का गवाह बनकर गर्व महसूस हो रहा है। इसके साथ ही अमेरिका, रूस, चीन के बाद भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन गया था। यह प्रौद्योगिकी भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं जैसे चंद्रमा पर भारतीय मिशन, चंद्रमा से नमूने वापस लाना, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) का निर्माण और संचालन आदि के लिए जरूरी है।

ओडिशा में खनन घोटाले में बीजेडी नेता राजा चक्र गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 13 मार्च। ओडिशा से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां ओडिशा पुलिस की अपराध शाखा ने गुरुवार को बीजू युवा जनता दल (बीजेडी) के प्रदेश उपाध्यक्ष सौम्य शंकर चक्र उर्फ राजा चक्र को करोड़ों रुपये के खनन और परिवहन घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी उड़ीसा उच्च न्यायालय द्वारा उनकी गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण की मांग वाली याचिका को खारिज करने के बाद की गई। मामले में अपराध शाखा के अतिरिक्त डीजीपी सीआईडी विनयतोष मिश्रा ने बताया कि चक्र से पूछताछ की गई और उनके द्वारा घोटाले में की गई भूमिका को स्पष्ट करने के लिए कहा गया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा ने फरवरी 2025 में क्योंझर जिले में खनिज से समृद्ध गंधमर्दन लोडिंग (जीएमएल) एजेंसी और एक परिवहन सहकारी समिति लिमिटेड के कामकाज में अनियमितताओं और धन के दुरुपयोग की शिकायत के आधार पर जांच शुरू की थी। यह सहकारी समिति खनन गतिविधियों से प्रभावित ग्रामीणों के कल्याण के लिए बनाई गई थी। वहीं मामले में अधिक जानकारी देते हुए

एडीजीपी ने बताया कि जांच में पता चला कि 2017-18 से लेकर 24 मार्च तक, लोडिंग एजेंसी ने करीब 185 करोड़ रुपये कमाए। साथ ही यह भी पता चला कि सहकारी समिति के अध्यक्ष और सचिव ने कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों की मदद से बड़ी रकम की ठगी की थी। उन्होंने बताया कि इस घोटाले में परिधीय विकास के नाम पर 34 करोड़ रुपये ले लिए गए, लेकिन कोई काम नहीं हुआ। वहीं, 9.1 करोड़ रुपये का भुगतान एक पेट्रोल पंप को किया गया, जो जीएमएल को ईंधन नहीं दे रहा था, बल्कि वह सौम्य शंकर चक्र के वाहनों को ईंधन दे रहा था, जिसके भुगतान का खर्च जीएमएल ने किया। इसके अलावा, जांच में यह भी सामने आया कि लगभग 33 करोड़ रुपये सहकारी समिति के सदस्य माने गए स्थानीय ग्रामीणों को वितरित किए गए थे। क्राइम ब्रांच ने यह भी बताया कि लोडिंग चार्ज और लेबर पेमेंट के रूप में करीब 74 करोड़ रुपये का खर्च दिखाया गया था, लेकिन मस्टर रोल और वाउचर में भारी अंतर पाया गया। इस पूरे मामले का ऑडिट कराने का निर्णय लिया गया है, जिसके बाद और भी गबन का खुलासा हो सकता है। साथ ही जांच के दौरान यह भी पाया गया कि हालांकि राजा चक्र का कागजों में सहकारी समिति से कोई संबंध नहीं था, लेकिन वह अपने सहयोगियों के जरिए इस घोटाले में शर्तें तय कर रहा था। जहां अब तक क्राइम ब्रांच ने राजा चक्र के 42 वाहनों को जब्त कर लिया है और कई बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है।

ईडी के कार्य में बाधा डालने पर कांग्रेस नेता सन्नी समेत 15 से अधिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली/रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर पर छापेमारी के बाद ईडी के अधिकारियों की गाड़ी रोकने और पथराव करने के मामले में पुलिस ने कांग्रेस नेता सन्नी अग्रवाल सहित 15 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इन लोगों पर शासकीय कार्य में बाधा डालने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप है। भिलाई पुलिस ने बताया है कि ईडी और निजी वाहन के चालक की शिकायत पर भिलाई-3 थाना में भिलाई निवासी कर्मकार मंडल के पूर्व अध्यक्ष सुशील उर्फ सन्नी अग्रवाल और 15 से अधिक लोगों के खिलाफ दंगा फैलाने [191(2)], गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने (190), स्वेच्छा से सरकारी कर्मचारी के काम में बाधा डालने (221), सरकारी कर्मचारी पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग (132), गलत तरीके से रोकने [126(2)] और सार्वजनिक संपत्ति विनाश कानून की धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया है।

होली का आध्यात्मिक पहलूः संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

फागुन के मास में हर तरफ फूल खिलते हैं तथा चारों ओर रंग-बिरंगी बहार होती है। होली का त्यौहार इसी फागुन मास में ब? हर्षोल्लास व उत्साह के साथ मनाया जाता है, जिसमें लोग एक-दूसरे से गले लगकर होली की शुभकामनाएं देते हैं। जिस प्रकार होली के त्यौहार का एक बाहरी पहलू है जिसमें कि एक दिन होलिका जलाई जाती है तथा अगले दिन एक-दूसरे पर रंग व गुलाल डालकर इस त्यौहार को पारंपरिक रूप से मनाया जाता है लेकिन उसका एक रूहानी पहलू भी है। दुनिया में हमेशा एक दौर चलता रहता है जिसमें सच और झूठ की ल?ाई होती रहती है। सच को दबाने के लिए झूठ ब?ी कोशिश करता है कि वह किसी न किसी तरह से छुप जाए, मगर सच एक ऐसी ची? है जो कभी भी छुप नहीं सकता क्योंकि पिता-परमेश्वर सृष्टि के शुरूआत में सच थे, आज भी सच हैं और सृष्टि के अंत तक भी सच रहेगें। होली का दिन इस बात का प्रतीक है कि आखिर में सच की विजय और झूठ की हमेशा हार होती है। पूर्ण संतों के अनुसार होली जलाने का आध्यात्मिक महत्त्व यह है कि हम अपने अंदर की बुराईयों को जलाकर सदाचारी जीवन व्यतीत करें तथा जिस प्रकार हम बाहर एक-दूसरे पर रंग व गुलाल डालकर इस त्यौहार को मनाते हैं, उसी प्रकार हम पूर्ण गुरु की सहायता से ध्यान-अभ्यास द्वारा अपने अंतर में प्रभु के विभिन्न रंगों को देखकर सच्ची होली अपने अंतर में खेंले। इस त्यौहार का एक अन्य पहलू एक दूसरे पर रंग लगाना भी है। होली पर लोग सफेद कपड़े पहनते है जिसका एक आध्यात्मिक पहलू भी है। सफेद रंग में अन्य सभी रंग शामिल है। इसी तरह पिता-परमेश्वर हम सबके भीतर हैं। जिस प्रकार सफेद रंग सभी रंगों का स्रोत है उसी प्रकार पिता-परमेश्वर सारी सृष्टि के स्रोत हैं। जिस प्रकार होली में विभिन्न रंग हमारे कप?ें पर बहुरंगी आकृति बनाते हैं और हम उन आकृतियों को बदलने की कोशिश नहीं करते, उसी प्रकार हमें अपने जीवन में एक-दूसरे को प्रेमपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। अगर हम एक देश या समुदाय के सदस्य हैं तो हमें दूसरों को उसी तरह स्वीकार करना चाहिए जिस तरह पिता-परमेश्वर सभी को स्वीकार करते हैं। आओ होली के इस त्यौहार पर हम सब अपने अंदर फैली सभी बुराइयों को जलाकर व एक-दूसरे पर प्रेम व भाईचारे का रंग डालते हुए मनुष्य जीवन के मुख्य उद्देश्य को प्राप्त करें।

NAME CHANGE
I DEEPANJALI SINGH, D/O RAJIV SINGH, R/O D-1/30 B, SANGAM VIHAR, NEW DELHI, Dr. AMBEDKAR NAGAR, DISTRICT SOUTH DELHI, DELHI-110080, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced BUDDHISM and renounced HINDUISM with effect from 20-12-2024. I have changed only my religion not my name.

PUBLIC NOTICE
BE IT KNOW TO ALL CONCERNED THAT MY CLIENTS MR. INDER PAL SINGH MATHARU AND MR. JARNAIL SINGH MATHARU AS PARTNERS OF M/S PARAMOUNT COOLING SYSTEMS HEREBY DECLARE THAT THE PARTNERSHIP HERETOFORE SUBSISTING BETWEEN THEM CARRYING ON THE BUSINESS OF TRADING, SERVICING, INSTALLATION AND REPAIRING OF AIRCONDITIONER MACHINERY AT DELHI UNDER THE NAME AND STYLE OF M/S PARAMOUNT COOLING SYSTEMS IS DISSOLVED BY MUTUAL CONSENT AS FROM THE 08TH DAY OF MARCH, 2025.
ADVOCATE GULSHAN CHANANA
Corporate off: Shop No-1, Flat No-773, Four Storey, Opp. P.S. Rajouri Garden, New Delhi-110027

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि हमारे ग्राहक, मेसर्स एरो स्पीड, एक साझेदारी फर्म, अपने अधिकृत हस्ताक्षरी के माध्यम से प्लॉट संख्या 16-A, क्षेत्रफल 510.33 वर्ग गज, स्थित मोती खान डंप स्कीम, एम.एम. रोड, नई दिल्ली, के स्वामी हैं। यह संपत्ति दिनांक 10.03.2015 को निष्पादित कंवेयंस डीड (दस्तावेज संख्या 4088) के तहत POI के माध्यम से DD द्वारा हस्तांतरित की गई थी। यह उल्लेखनीय है कि मेसर्स एरो शाइन का नाम बदलकर अब मेसर्स एरो स्पीड कर दिया गया है। वर्तमान में, मेसर्स एरो स्पीड उपरोक्त संपत्ति के विरुद्ध ऋण प्राप्त कर रही है, जिसे आरबीएल बैंक (RBL Bank), ओखला शाखा, दिल्ली द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा। निम्नलिखित मूल संपत्ति दस्तावेज़ खो गए हैं- (1) मूल स्थायी पट्टा पत्र (Perpetual Lease Deed) दिनांक 03.10.1963, जो दस्तावेज़ संख्या 9153, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 997, पृष्ठ 297 से 307, दिनांक 09.10.1963, एसआरओ-दिल्ली में पंजीकृत है। (2) मूल सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), एग्रीमेंट टू सेल (ATS) और वसीयत (Will) दिनांक 30.12.1966। (3) मूल सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), एग्रीमेंट टू सेल (ATS) और वसीयत (Will) दिनांक 05.08.1969। (4) मूल सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), एग्रीमेंट टू सेल (ATS) और वसीयत (Will) दिनांक 15.06.1981, जो उपरोक्त संपत्ति से संबंधित है और श्री अवतार सिंह द्वारा निष्पादित की गई थी। इस संबंध में, 13.03.2025 को पी.एस. क्राइम ब्रांच, दिल्ली में ऑनलाइन एफआईआर (LR संख्या- 2665456/2025) दर्ज कराई गई है। यदि किसी व्यक्ति(यों) को विषय संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से और ई-मेल द्वारा अधीनस्थ को भेजी जा सकती है। अन्यथा, उपरोक्त के अनुसार दावा को विषय संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती अपेक्षा गुप्ता, श्रीमती निर्मल कंता से फ्लैट नंबर G-1, अपर ग्राउंड फ्लोर (बिना रूफ राइट्स) का क्रय करने का इरादा रखती हैं। यह फ्लैट 55.74 वर्ग मीटर के सुपर कवर क्षेत्र के साथ प्लॉट नंबर B1/41, ग्राम ब्रह्मपुर @ भौपुरा, डीएलएफ दिलशाद गार्डन एक्सटेंशन-II, परगना लोनी, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है। उक्त फ्लैट मूल रूप से श्रीमती सत्यवती के स्वामित्व में था, जिन्होंने इसे डीएलएफ यूनिवर्सल लिमिटेड से एक बिक्री विलेख (सेल डीड) दिनांक 17.07.1991 के माध्यम से खरीदा था। बाद में, उन्होंने 22.03.1993 को एक वसीयत (Will) के माध्यम से इसे श्री विजय पाल गुप्ता को हस्तांतरित कर दिया। दुर्भाग्यवश, श्रीमती सत्यवती का निधन हो गया। इसके बाद, श्री विजय पाल गुप्ता ने 11.09.2002 को जीपीए, एटीएस और वसीयत के माध्यम से इस संपत्ति को श्री अशोक गर्ग को हस्तांतरित कर दिया। बाद में, श्री अशोक गर्ग ने 12.03.2003 को बिक्री विलेख के माध्यम से इस संपत्ति को श्री विजय गोयल और श्रीमती सरोज देवी को बेच दिया। इसके पश्चात, श्री विजय गोयल और श्रीमती सरोज देवी ने 21.02.2006 को इसे श्री उमेश कुमार जिंदल को बिक्री विलेख के माध्यम से हस्तांतरित कर दिया। श्री उमेश कुमार जिंदल ने 27.02.2009 को इस संपत्ति को श्रीमती चंद्रिमा मुखर्जी को बेच दिया। इसके बाद, श्रीमती चंद्रिमा मुखर्जी ने 11.11.2010 को इसे श्री मोहम्मद आरिफ को बिक्री विलेख के माध्यम से बेच दिया। दुर्भाग्यवश, श्री मोहम्मद आरिफ का निधन हो गया और उनकी कानूनी उत्तराधिकारी श्रीमती सुल्ताना बेगम बनीं। अंततः, श्रीमती सुल्ताना बेगम ने इस संपत्ति को 21.08.2023 को बिक्री विलेख के माध्यम से श्रीमती निर्मल कंता को बेच दिया। उक्त संपत्ति का वित्तपोषण आरबीएल बैंक लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जिसका पता-स्न 19, 20, 21, प्रथम तल, आदित्य मॉल, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश – 201012 है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता है। उक्त आपत्ति कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा और ई-मेल के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी को भेजी जाए। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में दावा शून्य और अमान्य माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, SUKHA BAY Mother of No-16015497H Rank-NK Name-RAJESH SINGH NARVARIYA Presently residing at H NO SECTOR-B/85 DD NAGAR VIJAYLAXMI NAGAR PO DEEN DAYAL NAGAR TEH-MORAR, GWALIOR MADHYA PRADESH-474005, have changed my name from SUKHA BAY to SUKH DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 13/03/2025 before Notary Public, Delhi.

Auction Notice
The Citizen Co-operative Bank Ltd 4/3 (8750) Ist Floor, D.B. Gupta Road, Pahar Ganj, (Near Jindal Hotel) New Delhi-110055
This is bring in to notice of General Public that The Citizen Co-operative Bank Ltd, New Delhi (Secured Creditor) will going to conduct Auction of Shop Bearing No 24 on Ground Floor, South Patel Nagar Market, New Delhi-110008, Measuring 16.94 Sq. Mtrs.
Date & Time of E-auction - 26/03/2025 & 11 AM
For More information kindly contact bank web site www.citizenbankdelhi.com/visit & bank during business hours 10 AM to 4 PM.

NAME CHANGE
I, RAJESH KUMAR Son of JC-287078H Rank-SUB Name-POORAN MAL SAINI Presently residing at VPO-KHADRA, TEH-NEEM KA THANA, DIST-SIKAR, RAJASTHAN-332713, have changed my name from RAJESH KUMAR to RAJESH SAINI for all future purposes vide Affidavit dated 13/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SUMEET KAUR Wife of JC-780840Y Rank-NB/SUB (ATOTEC BV) Name-RAJINDER PAL SINGH Presently residing at VPO-KALDHALI NARANG PUR, TEH-DASUYA, DIST-HOSHIARPUR, PUNJAB-144212, have changed my name from SUMEET KAUR to SUMEET KOUR RAINA for all future purposes vide Affidavit dated 13/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SHALINI D/O BRAJESH PRASAD residing at G-10, TYPE-2, FIRST FLOOR, POLICE COLONY, LODHI COLONY, DELHI-110003 have changed my name to SHALINI SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE
I, BRAJESH S/O NARENDRA PRASAD residing at G-10, TYPE-2, FIRST FLOOR, POLICE COLONY, LODHI COLONY, DELHI-110003 have changed my name to BRAJESH PRASAD for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I KAMLA BHATT W/O RAMESH CHANDRA PERMANENT RESIDENCE- BHETE, PO: CHHANA DISTRICT ALMORA, UTTARAKHAND- 263645, PRESENT RESIDENT- P-15/1, CHITRAL LINE DELHI CANTT, DELHI-110010, declare that name of mine has been wrongly written as KAMLA DEVI in my minor son namely AYUSH BHATT aged 14 years in his school record. The actual name of mine is KAMLA BHATT which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Harbhjan kaur mother of No:19002071L Rank: Nk Daler singh residing at vill- Kheri Shahidan /PO - Ismailabad /teh- Ismailabad/dist- Kurukshetra .state- Haryana .Pin 136129 Have changed my name from Harbhjan kaur to Harbhajan kaur for all future purpose in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 24 April 1968 instead of my correct date of birth as 01 Jan 1957 vide affidavit dated 10 March 2025 before notary public delhi

NAME CHANGE
I, KHAMMA RAM Father of JC-287078H Rank-SUB Name-POORAN MAL SAINI Presently residing at VPO-KHADRA, TEH-NEEM KA THANA, DIST-SIKAR, RAJASTHAN-332713, have changed my name from KHAMMA RAM to KHAMA RAM SAINI for all future purposes vide Affidavit dated 13/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAJ KUMAR S/O JASWANT LAL residing at H NO C-3 KUNDAN NAGAR LAXMI NAGAR SHAKARPUR DELHI-110092 have changed my name to RAJ KHURANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Arpit Grover S/O Gulshan Rai Grover, R/O II-B-99, NEHRU NAGAR, Ghaziabad, Uttar Pradesh -201001,Have changed the name of my minor daughter Kavya Grover aged 5 years and she shall hereafter be known as INAISHA GROVER

NAME CHANGE
I, MANGAL ANIL NALAWADE W/o NALAWADE ANIL GUNDU R/o H NO-4239, 1st CROSS, LAXMI NAGAR MACHHE, BELAGAVI, KARNATAKA-590014, have changed my minor son's name from ASHISH to ASHISH ANIL NALAWADE for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MANGAL ANIL NALAWADE W/o NALAWADE ANIL GUNDU R/o H NO-4239, 1st CROSS, LAXMI NAGAR MACHHE, BELAGAVI, KARNATAKA-590014, have changed my minor son's name from AYUSH to AYUSH ANIL NALAWADE for all future purposes.

संक्षिप्त समाचार

होली पर होगी जमकर बारिश

चंडीगढ। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण दिल्ली के तापमान में तेजी से बदलाव हो रहा है। आने वाले ४८ घंटों के दौरान दिल्ली में बारिश की संभावना है। जल्द ही दिल्ली समेत देश के कई राज्यों के अधिकतम तापमान में २-३ डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट की संभावना है। एनसीआर के मौसम में तेजी से बदलाव हो रहा है। गर्मी का सितम यह है कि दिल्ली में मार्च में ही मई वाली गर्मी का एहसास हो रहा है। हालांकि, मौसम विभाग के मुताबिक अगले ४८ घंटों के दौरान दिल्ली में बारिश की संभावना है। अधिकतम तापमान ३४ और न्यूनतम तापमान १७ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। वहीं, कल होली पर बारिश को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। आने वाले ३ से ४ दिनों के बाद दिल्ली के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में १ से २ डिग्री सेल्सियस गिरावट की संभावना है। १३ से १६ मार्च के दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। १३-१६ मार्च के दौरान पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तथा १४ और १५ मार्च को राजस्थान में गरज के साथ बारिश की संभावना है। एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र पूर्वी बांग्लादेश और निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है तथा एक अन्य चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र पूर्वी असम और उसके आसपास स्थित है, जिसके ऊपर एक द्रोणिका रेखा मोटे तौर पर देशांतर ९३ओ पूर्व से अक्षांश २५ओ उत्तर के उत्तर में मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है। इन प्रणालियों के प्रभाव में १३ से १५ मार्च के दौरान अरुणाचल प्रदेश में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, १३ तारीख यानी आज असम और मेघालय में तेज बारिश हो सकती है। इसी के साथ १३ मार्च को पश्चिम बंगाल और सिक्किम में आंधी, बिजली और तेज हवाएं (गति ३०-४० किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है। अगले ७ दिनों के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में छिटपुट से लेकर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

मेट्रो रेड लाइन की सेवाएं प्रभावित

फरीदाबाद । दिल्ली की रेड लाइन मेट्रों पर सुबह से सेवाएं प्रभावित हैं। इसकी वजह है केबल चोरी की घटना। केबल चोरी की घटनाओं के कारण यात्रियों को बार-बार असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसपर डीएमआरसी ने खेद जताया है। डीएमआरसी बार-बार इस तरह की होने वाली समस्याओं को हल करने के लिए कानूनी मशीनरी के संपर्क में है। नॉन पीक आवर्स के दौरान प्रभावित खंड की मरम्मत करने की कोशिश की जाएगी। हालांकि, अगर ऐसा नहीं हो पाता है, तो आज रात यात्री सेवाएं समाप्त होने के बाद मरम्मत का काम शुरू होगा। डीएमआरसी ने १३ मार्च को यात्रियों को शाहदरा से सीलमपुर तक रेड लाइन पर सेवाओं में देरी की सूचना दी है। इसमें कहा गया है कि अन्य सभी लाइनों पर सेवाएं सामान्य हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डीएमआरसी ने बताया, रेड लाइन अपडेट। शाहदरा से सीलमपुर तक सेवाओं में देरी। अन्य सभी लाइनों पर सेवा सामान्य है। दूसरी ओर, ११ मार्च को डीएमआरसी ने बताया कि होली के मौके पर १४ मार्च को एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन सहित दिल्ली मेट्रो की सभी लाइन पर दोपहर २-३० बजे तक मेट्रो ट्रेन सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। डीएमआरसी ने कहा कि इसके बाद (दोपहर २.३० बजे के बाद) सभी लाइन पर सामान्य सेवाएं शुरू होंगी। दिल्ली मेट्रो ने कहा, होली त्योहार के दिन १४ मार्च को एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन समेत सभी मेट्रो लाइन पर मेट्रो सेवाएं दोपहर २-३० बजे तक उपलब्ध नहीं होंगी। डीएमआरसी ने कहा कि मेट्रो सेवाएं सभी लाइन पर टर्मिनल स्टेशन से दोपहर २-३० बजे शुरू होंगी और इसके बाद सामान्य दिन की तरह जारी रहेंगी।

मेट्रो के बाद अब नमो भारत का भी समय बदला

फरीदाबाद ,। दिल्ली मेट्री के बाद नमो भारत ट्रेन में यात्रा करने वाले लोगों के लिए भी जरूरी खबर है। होली के अवसर पर नमो भारत की भी टाइमिंग बदल दी गई है। न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक संचालित होने वाली नमो भारत रोज की तरह सुबह ६ बजे से शुरू नहीं होगी। होली के दिन इस ट्रेन की सेवाएं शाम ४ बजे से शुरू होंगी। इससे पहले दिल्ली मेट्रो की भी समय सारिणी में बदलाव किया जा चुका है। न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक चलने वाली नमो भारत १४ मार्च यानी होली के दिन सुबह ६-०० बजे से शुरू नहीं होंगी। नमो भारत की सेवायें शाम ४-०० बजे से शुरू होंगी,जो रात १०-०० बजे तक उपलब्ध रहेंगी। यात्रियों को एक दिन पहले इसकी सूचना दे दी गई है। यानी होली वाले दिन यात्रियों को नमो भारत की सेवाएं सिर्फ ६ घंटे के लिए मिलेंगी। दिल्ली मेट्रो ने भी होली वाले दिन अपने समय में बदलाव किया है। डीएमआरसी ने बताया कि १४ मार्च को सभी लाइनों की सेवाएं दोपहर २-३० बजे से शुरू होंगी। उससे पहले मेट्रो सेवाएं बंद रहेंगी। दोपहर २-३० बजे दिल्लीवालों को पहली मेट्रो मिलेगी। एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन वाली मेट्रो भी होली के दिन दोपहर २-३० बजे के बाद मिलेगी।

नाबालिग लड़के के साथ कुकर्म-हत्या के मामले में दोषी को उम्रकैद

चंडीगढ। कोर्ट ने साल २०१८ में १० साल के नाबालिग लड़के के साथ कुकर्म और हत्या के मामले में एक व्यक्ति को दोषी ठहराया है और उसे उम्रकैद की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुशील बाला डागर ने कहा कि दोषी के सुधार की संभावना के चलते फांसी की सजा उपयुक्त नहीं है और यह मामला रेयरेस्ट ऑफ द रेयर की श्रेणी में नहीं आता। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यह मामला ऐसा नहीं है जहां सुधार की कोई संभावना न हो। रोहिणी कोर्ट ने गंभीर अपराध का जिक्र करते हुए कहा, दोषी ने मासूम बच्चे का अपहरण किया, उसकी नृशंस तरीके से कुकर्म किया और फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। ४२ साल के व्यक्ति को दोषी ठहराए जाने के बाद कोर्ट ने उसके खिलाफ सजा पर दलीलें सुनीं। मामले में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया गया। मामले में दिल्ली पुलिस की तरफ से पेश वकील योगिता कौशिक दहिया ने दोषी को अधिकतम सजा देने की मांग करते हुए कहा कि उसने अपनी वासना की पूर्ति करने के बाद २४ मार्च, २०१८ को बच्चे की हत्या कर दी। रोहिणी कोर्ट ने ११ मार्च को दोषी को पोक्सो अधिनियम की धारा ६ के तहत सजा सुनाई, इसके अलावा भारतीय दंड संहिता की धारा ३०२ (हत्या), २०१ (सबूत मिटाने) और ३६३ (अपहरण) के तहत भी दोषी करार दिया गया। उसे हत्या के लिए उम्रकैद की सजा दी गई और रेप के लिए अलग से एक और उम्रकैद कारावास की सजा सुनाई गई। हालांकि सभी सजाओं को एक साथ चलाने का आदेश दिया गया। रोहिणी कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, मृतक का परिवार आर्थिक रूप से वंचित वर्ग से आता है और उन्हें अपने बच्चे की हानि के कारण ही नहीं, बल्कि लगातार सामाजिक कलंक के कारण भी अत्यधिक पीड़ा और कष्ट झेलना पड़ा।

नायब का होली गिफ्ट-14 जिले लॉजिस्टिक हब; 41 नए सेक्टर होंगे विकसित

चंडीगढ़। हरियाणा के शहरी निकाय चुनाव में भारी-भरकम जीत से उत्साहित मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा में करीब दो दर्जन घोषणाएं की। वित्त मंत्री के नाते मुख्यमंत्री नायब सैनी 17 मार्च को राज्य का साल 2025-26 का बजट पेश करेंगे। बजट से पहले ही उन्होंने प्रदेश की जनता को होली के उपहार दिए हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में पड़ने वाले हरियाणा के 14 जिलों को लाजिस्टिक हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए सरकार कार्य योजना बना रही है। उन्होंने राज्य के विभिन्न शहरों में 41 नये सेक्टर विकसित करने का ऐलान करते हुए कहा कि इसके लिए ई-भूमि पोर्टल और लैंड पूलिंग योजना के तहत जमीन खरीदने का काम चल रहा है। राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विधानसभा में कहा कि सोनीपत के बडही में रेल कोच फैक्टरी को विकसित किया जा रहा है। फ्लिपकार्ट द्वारा मानेसर में 140 एकड़ जमीन पर एशिया का सबसे बड़ा आपूर्ति केंद्र बनाया जाएगा। अमेजान गुरुग्राम में अपना सातवां आपूर्ति केंद्र बनाएगा। एम्प्रेक्स को आईएमटी सोहना में 178 एकड़ जमीन आवंटित की गई है, जहां 7 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा। आदित्य बिरला ग्रुप की ओर से पानीपत में मेगा प्रोजेक्ट लाया जा रहा है, जबकि करनाल में 225 एकड़ जमीन पर मेडिकल डिवाइस पार्क स्थापित किया जाएगा।

सांई बाबा की प्रभातफेरी में चढ़ा होली का रंग ; भक्तों ने लगाया बाबा को गुलाल, जमकर खेली होली

पकड़ा गया डॉलर गैंग ४ ठग गिरफ्तार

फरीदाबाद । दिल्ली पुलिस ने सुभाष प्लेस थाने में एक डॉलर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने नकली डॉलर के नोटों का इस्तेमाल कर २ लाख रुपये की ठगी की थी। दिल्ली पुलिस ने सुभाष प्लेस थाना ने डॉलर गैंग के ४ सदस्यों को गिरफ्तार कर मामले का पर्दाफाश किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी बांग्लादेशी निकले है। ये सभी भारत में अवैध रूप से रह रहे थे और लालच देकर लोगों को अपनी ठगी का शिकार बना रहे थे। आरोप बांग्लादेश के रहने वाले हैं, जो अपनी पहचान छिपाकर अवैध तरीके से दिल्ली में रह रहे थे। पुलिस के मुताबिक, १३ फरवरी को शिकायतकर्ता को एक अनजान व्यक्ति ने दिल्ली के धौलाकुआं में रोका और २० अमेरिकी डॉलर का एक नोट दिखाया और उसने बताया कि उसके पास इस तरह के १,०३५ नोट हैं, जिन्हें वो भारतीय रुपए में बदलना चाहता है। बातचीत के दौरान दोनों ने फोन नंबर

एक्सचेंज किए और १६ फरवरी को शकरपुर स्थित सम्राट सिनेमा के पास मिलने की योजना बनाई। गिरोह के सदस्यों ने शिकायतकर्ता को २ लाख रुपए में १,००० डॉलर के नोट देने का वादा किया। लालच में आकर शिकायतकर्ता अपनी पत्नी के साथ पहुंचा और बदले में नकदी दे दी। लेकिन जब बैग खोला तो उसमें डॉलर की जगह अखबार के टुकड़े, रुमाल, साबुन और डिटर्जेंट निकले। जिसके बाद पीड़ित ने अपने साथ हुई इस ठगी की वारदात की जानकारी पुलिस को दी। पीड़ित की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई और जांच शुरू हुई। थाना सुभाष प्लेस पुलिस की टीम ने करीब १९० सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी जांच की मदद से गुरुग्राम के एक गांव में छापेमारी कर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान पश्चिम बंगाल के सलीम खान, अली हसन, कलाम, ढोलू शेख के नाम से हुई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डॉलर गैंग के चार आरोपियों को धर दबोचा गया। जिनकी पहचान सलीम खान, अली हसन और कलाम के रूप में हुई। जिन्होंने अपने आप को पश्चिम बंगाल का बताया जबकि चौथे शख्स की पहचान ढोलू शेख के रूप में हुई जिसने खुद आपको दिल्ली के जहांगीर पुरी का रहने वाला बताया। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि ये सभी बांग्लादेश से आए प्रवासी हैं। भारत में उनकी पहचान का एकमात्र तरीका फर्जी दस्तावेजों के आधार पर तैयार किया गया आधार कार्ड है। आरोपियों के निशानों की पुष्टि करने के लिए एक टीम तुरंत पश्चिम बंगाल भेजी गई। स्थानीय जांच से पता चला कि आरोपियों में से एक ढोलू शेख पिछले १४-१५ सालों से बताए गए पते पर रह रहा था और बांग्लादेश से आया प्रवासी था। इसके अलावा, उसने आधार कार्ड भी बनवा लिया था। पुलिस के मुताबिक, कोलकाता नगर निगम के वार्ड नंबर ३६ के पार्षद सचिन कुमार सिंह से भी एक रिपोर्ट प्राप्त की गई। जिन्होंने जानकारी दी कि आरोपियों के नामों का वार्ड-३६ में कोई पता नहीं है, और न ही उनका अस्तित्व है। आरोपियों द्वारा बताए गए पते का मतदाता सूची और फिजिकल जांच के अनुसार, कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। इसके अलावा, एक टीम पहले से ही पश्चिम बंगाल में है और आगे की जांच कर रही है। थाना सुभाष प्लेस पुलिस की टीम ने करीब १९० सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी जांच की मदद से गुरुग्राम के एक गांव में छापेमारी कर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया।

युवक की चाकू मारकर बेरहमी से हत्या

चंडीगढ। पुराना किला रोड के पास एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने २८ वर्षीय डिलीवरी बॉय को गिरफ्तार किया है। इस पर युवक की हत्या का आरोप लगा है। इस संबंध में एक पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक की पहचान रोहित (२४) के रूप में हुई है, जो हनुमान मंदिर के पास रहता था। मृतक रोहित के गले और कंधों पर धारदार हथियार से चोटों के निशान हैं। पुलिस अधिकारी बताया कि आरोपी की पहचान शेर उर्फ कबीर (२८) के रूप में हुई है। उसे गोवा भागने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक बुधवार दोपहर करीब २-३० बजे मथुरा रोड पर गश्त कर रहे एक पुलिसकर्मी ने पुराना किला रोड के चौराहे पर डिवाइडर के पास भीड़ देखी। उन्होंने बताया कि करीब से निरीक्षण करने पर उन्हें डिवाइडर पर एक घायल व्यक्ति पड़ा मिला, जिसके शरीर पर गंभीर चोटें आई थीं। इसके बाद तुरंत पीसीआर वैन को बुलाया गया और घायल व्यक्ति को आरएमएल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि बीएनएस एक्ट की धारा १०३ के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच के लिए छह टीमें बनाई गई हैं।

हरियाणा-पानी सप्लाई के लिए पीवीसी पाईप खतरनाक, लोगों में बढ़ रही है नपुंसकता; सदन में मुद्दा गूंजा तो स्पीकर गंभीर

चंडीगढ़। गांवों में जलापूर्ति के लिए इस्तेमाल की जा रही पीवीसी पाईप से ट्यूमर, किडनी, लिवर, कैंसर, त्वचा जैसी गंभीर बीमारियों के साथ पशुओं और इंसानों में नपुंसकता भी बढ़ रही है। डबवाली से इनेलो विधायक आदित्य देवीलाल ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस समस्या को सरकार गंभीरता से ले। जन स्वास्थ्य मंत्री रणबीर गंगवा ने अपने जवाब में कहा कि विभाग द्वारा पीवीसी पाईप का इस्तेमाल नहीं किया जाता। उन्होंने माना कि अवैध तरीके से पानी कनेक्शन लेने व पानी का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए फिलहाल कोई कानून नहीं है। सरकार ने कानून बनाने का फैसला लिया है। जल्द ही विभाग ऐसा कानून बनाएगा ताकि ऐसे लोगों से निपटा जा सके।

योजना पर तीन हजार 789 करोड़ रुपये खर्च-गंगवा ने कहा कि सरकार ने जल जीवन मिशन यानी जल से हर घर तक जल के दायरे का भी विस्तार करने का निर्णय लिया है। अभी तक 100 सदस्यों या 20 परिवार तक और इससे अधिक की ढाणियों में ही पानी के कनेक्शन दिए जाने के नियम थे। हरियाणा में इससे कम आबादी वाली ढाणियों तक भी पानी पहुंचाने के लिए सरकार योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि 2019-20 में करवाए गए घरेलू सर्वेक्षण के तहत 6 अप्रैल, 2022 तक 30 लाख 41 हजार घरों को जल जीवन मिशन के तहत कवर किया गया। इस योजना पर सरकार ने तीन हजार 789 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं। बड़ी संख्या में पीवीसी पाईपों का इस्तेमाल

उन्होंने कहा कि हरियाणा में अब प्रदेश गांव और बड़ी ढाणियों में नल से जल पहुंचाया जा रहा है। आदित्य देवीलाल ने कहा कि विभाग खुद तो डीआई पाईप इस्तेमाल करता है, लेकिन बड़ी संख्या में पीवीसी पाईपों का इस्तेमाल हो रहा है।

उन्होंने कहा कि पीवीसी पाईप का इस्तेमाल करने वाली पंचायतों व पंचायत समिति के बिल रोकने चाहिए। स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने आदित्य चौटाला द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दे को गंभीर बताते हुए कहा कि बाद में इस पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए।

रंग गुलाल खेलते निकली नर्मदा परिक्रमा

आम ट्रेनों की तरह अब वंदे भारत में भी मिलेंगे नमकीन और कोलड्रिंक

फरीदाबाद । वंदे भारत ट्रेनों में पैकड फूड आइटम बेचने को रेलवे बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। इससे पहले केवल प्री बुकिंग करने पर यात्रियों को वंदे भारत ट्रेन में नाश्ता और खाना उपलब्ध कराया जाता था। हालांकि, अब आम ट्रेनों के साथ-साथ वंदे भारत ट्रेन में भी यात्री चिप्स, बिस्कुट, नमकीन और कोलड्रिंक जैसी चीजें खरीद सकेंगे। अब आम ट्रेनों की तरह वंदे भारत ट्रेनों में भी यात्री पैक्ट आइटम खरीद सकेंगे। इस संबंध में रेलवे बोर्ड ने परमिशन दे दी है। अब यात्री वंदे भारत में सफर के दौरान फिक्स्ड रेट पर पानी, केक, चॉकलेट नमकीन, कोलड्रिंक, चिप्स और बिस्किट जैसे उत्पाद खरीद सकेंगे। इससे पहले यात्रियों के यह सब सर्व नहीं किया जाता था। इस सुविधा की शुरुआत गोरखपुर-अयोध्या-लखनऊ-प्रयागराज वंदे भारत से हो गई है। अब खानपान के साथ वेंडर ट्रॉलियों में पैक्ड आइटम भी उपलब्ध कराएंगे, जिससे सफर और सुविधाजनक हो जाएगा। अब आम ट्रेनों के साथ वंदे भारत ट्रेनों में भी पैक्ट आइटम बेचने की रेलवे बोर्ड ने अनुमति दे दी है। अब निर्धारित रेट पर यात्रियों पैक्ड खाने-पीने की चीजें सफर के दौरान ट्रेन में ही खरीद सकेंगे। बोर्ड के निर्देशानुसार इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन ने इसकी शुरुआत गोरखपुर-अयोध्या-लखनऊ-प्रयागराज वंदे भारत से कर दी है। रेलवे बोर्ड के इस फैसले से यात्री काफी खुश है। इस नई व्यवस्था से पहले वंदे भारत में टिकट बुक करने के दौरान ही यात्रियों को भोजन और नाश्ता बुक करना पड़ता था। ऐसा नहीं करने पर उन्हें आइआरसीटीसी के वेंडर से आग्रह करने पर केवल चाय, कॉफी और रेडी टू ईट जैसी ही चीजें मिल पाती थी।

एफआईआई का मोह कम होने से टूटा बाजार, निवेशकों के लिए यह खतरे की घंटी या खरीदने का मौका?

नई दिल्ली/मुंबई, 13 मार्च। भारतीय शेयर बाजार में पिछले पांच महीनों से जारी गिरावट ने निवेशकों को झकझोर कर रख दिया है। यह गिरावट इतनी तेज रही कि इसने पिछले 29 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के चलते बाजार में डर का माहौल बन गया है। आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2025 में अब तक विदेशी निवेशक हर दिन औसतन 2,700 करोड़ रुपये की बिकवाली कर चुके हैं। मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2025 में निफ्टी 5.9त्न गिरा, जो मार्च 2020 के बाद की दूसरी सबसे बड़ी मासिक गिरावट है। पिछले साल सितंबर में निफ्टी ने 26,277 का शिखर बनाया था, लेकिन वहां से अब तक यह 4,273 अंक (16त्न) गिर चुका है। इसी तरह, सेंसेक्स 85,978 के उच्चतम स्तर से 13,200 अंक (15त्न) फिसल चुका है। कमजोर आर्थिक आंकड़े- सितंबर और दिसंबर 2024 में जारी त्नष्ठक्क वृद्धि दर उम्मीद से कम रही, जिससे निवेशकों का भरोसा डगमगा गया। घरेलू कंपनियों की सुस्त कमाई- दूसरी और तीसरी तिमाही में कंपनियों की आय उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी, जिससे उनके ऊंचे वैल्यूएशन को सही ठहराना मुश्किल हो गया। वैश्विक अनिश्चितता- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध ने वैश्विक आर्थिक विकास को लेकर चिंता बढ़ा दी है। डॉलर के मुकाबले कमजोर रुपया- विदेशी निवेशक लगातार भारतीय बाजार से पैसे निकाल रहे हैं, जिससे रुपये पर भी दबाव बढ़ रहा है। रुपया लगातार अपने सर्वकालिक निचले स्तर के आसपास कारोबार कर रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि बाजार कब संभलेगा? क्या यह गिरावट निवेश के लिए अवसर है या या निवेशकों को अभी और नुकसान सहना पड़ सकता है? आइए बाजार से जुड़े विशेषज्ञों से समझते हैं। टैरिफ बढ़ाने से भारतीय ही नहीं अन्य विदेशी बाजार भी नीचे की ओर जा रहे हैं। ट्रंप की टैरिफ

बढ़ाने की धमकी का असर सीधा इक्विटी बाजारों में देखा जा रहा है। देशी कंपनियों के नरम तिमाही नतीजे और ट्रंप की चेतावनी ने घरेलू शेयर बाजार को परेशान कर दिया है। बीएनके सिक्योरिटीज के हेड ऑफ रिसर्च एंड एजुकेशन रचित खंडेलवाल कहते हैं, ट्रंप की ओर से टैरिफ बढ़ाए जाने से घरेलू इक्विटी बाजार पर असर होगा लेकिन इससे घबराने की जरूरत नहीं है। इससे भारत को अपने टैरिफ ढांचे में बदलाव का मौका मिल सकता है, साथ ही अपने केच्च माल पर टैरिफ कम करे तो भारतीय उद्योग काफी प्रतिस्पर्धी बन सकता है। ऐसा नहीं है कि भारतीय बाजार पर ही इसका असर है दुनिया भर के सभी उभरते हुए बाजारों से निकासी जारी है और वे नीचे जा रहे हैं। इसलिए घरेलू निवेशकों को इस समय घबराने की जरूरत नहीं है। उन्हें लंबी अवधी के लिए ब्लू चिप स्टॉक और अच्छे स्टॉक के साथ निवेश करने की जरूरत है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली जारी रही तो घरेलू शेयर बाजार में हाल-फिलहाल स्थिरता आने की कम संभावना है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक नागराज शेट्टी कहते हैं बाजार मार्च के कारोबारी सप्ताह में कमजोर खुलने के बाद और भी कमजोर हो गया। निफ्टी लगातार नीचे की ओर कारोबार कर रहा है। बाजार कब तक सामान्य कारोबार करेगा यह कहना मुश्किल है। बाजार में विदेशी निवेशक लगातार आक्रमक तरीके से बिकवाली कर रहे हैं, आगे भी यह बिकवाली होती रही तो बाजार में स्थिरता आने की संभावना कम है। विदेशी निवेशकों ने साल 2025 में औसतन हर दिन 2700 रुपये करोड़ रुपये की बिकवाली की है। खंडेलवाल बताते हैं कि जीडीपी वृद्धि संख्या और कॉर्पोरेट आय से निराशा के कारण एफपीआई ने भारतीय इक्विटी में बिकवाली की है। एफआईआई की बिकवाली इसलिए भी जारी है क्योंकि भारती बाजार काफी महंगा है, रुपये की कमजोरी और वहीं अमेरिका बाजार में उन्हें 4.5 का रिटर्न मिल रहा है जो कि डॉलर में हैं, इसलिए भी भारतीय बाजार से उनका मोह भंग हुआ है। यह बिकवाली कहां और कब रुकेगी यह कहना मुश्किल है। लेकिन बाजार को वापस आने में अभी थोड़ा समय लगेगा। सीएनएन रिसर्च के किशोर ओतस्वाल कहते हैं सरकार ने 2026 के लिए 11.21 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) का लक्ष्य रखा है। साथ ही बजट में खपत को बढ़ाने के लिए दी गई कर राहत का भी असर दूसरी तिमाही में दिखाई देगा। जिसके बाद बाजार में कुछ राहत देखने को मिलेगी। जिनको भारत की ग्रोथ स्टोरी पर विश्वास है, उनके लिए यह बाजार में निवेश करने का अच्छा समय है। घबराने के बजाए निवेशकों को इस समय बड़े स्टॉक को अपने प्रोर्टफोलियों में जोड़ने जरूरत है। हमें आय वृद्धि और शासन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए क्योंकि भारत ने अन्य सभी उभरते बाजारों की तुलना में बेहतर रिटर्न दिया है। हाल ही में मॉर्गन स्टेनली के भारत के प्रबंध निदेशक रिधम देसाई ने अपने एक बयान में कहा कि मौजूदा सुधारों के बावजूद भारत का इक्विटी बाजार उज्जवल स्थिति में है और शेयरों में निवेश करने के लिए यह एक अवसरपूर्ण समय हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि पहले से निवेशकों को मिडकैप और स्मॉल कैप सेगमेंट में बढ़े हुए मूल्यांकन के बारे में चेतावनी दी जा रही है, लेकिन रिटेल निवेशकों ने इसे नजर अंदाज किया। अब बाजार में तेजी से सुधार होने में काफी समय लग सकता है। कैलेंडर वर्ष में अब तक निफ्टी 50 इंडेक्स 1 प्रतिशत से ज्यादा फिसल चुका है। इस अवधि के दौरान निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में क्रमश- 8 प्रतिशत और 11 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है।

2025 केटीएम 390 ड्यूक मोटरसाइकिल हुई लॉन्च

नई दिल्ली, 13 मार्च।चञ्जरू(केटीएम) ने अपनी नई (2025 केटीएम 390 ड्यूक) को भारतीय बाजार में करीब 3 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की कीमत पर लॉन्च कर दिया है। अच्छी खबर यह है कि कंपनी ने इस मॉडल की कीमत नहीं बढ़ाई है। हालांकि, इसमें नया एबोनी ब्लैककलर स्कीम जोड़ा गया है, जिससे यह बाइक और भी स्टाइलिश लगती है। इससे पहले केटीएम इस बाइक को इलेक्ट्रॉनिक ऑरेंज और अटलांटिक ब्लू कलर ऑप्शन में बेच रही थी। अब इस बाइक में क्रूज कंट्रोल भी है जिसका इस्तेमाल बाएं हैंडलबार पर लगे नए स्विचगियर द्वारा किया जा सकता है। 2025 चञ्जरू390 ष्ठह्वद्मद्ग के इंजन में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है। इसमें पहले की तरह 399ष्ष का सिंगल-सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया गया है। यह इंजन 44.25 ड्ढद्धश्च की पावर और 39 द्धद्व

का टॉर्क जनरेट करता है। पहले इस बाइक में 373ष्ष का इंजन आता था, जिसे नए जेनरेशन मॉडल में बढ़ाकर 399ष्ष कर दिया गया। इसमें 6-स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है, जो बाय-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर के साथ आता है, जिससे गियर शिफ्टिंग और भी स्मूद हो जाती है। नई 2025 चञ्जरू390 ष्ठह्वद्मद्ग में कई नए फीचर्स जोड़े गए हैं, जिनमें सबसे खास क्रूज कंट्रोल है। इसे बाइक के बाएं हैंडलबार पर दिए गए नए स्विचगियर से कंट्रोल किया जा सकता है। इसके अलावा, इसमें पहले की तरह 5-इंच ञ्जस्नञ्ज डिस्प्ले दिया गया है, जिसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी मिलती है। इसकी मदद से आप म्यूजिक कंट्रोल, कॉल मैनेजमेंट और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा, इस बाइक में कई और बेहतरीन फीचर्स भी जोड़े गए हैं, केटीएम ने इस बार 390 ष्ठह्वद्मद्ग के फ्रेम में भी सुधार किया है। बाइक को नए स्टील ट्रेलिस फ्रेम पर बनाया गया है, जिसमें डाई-कास्ट एल्युमिनियम से बना नया सब-फ्रेम जोड़ा गया है। साथ ही, इसमें नया कर्व्ड स्विंगआर्म दिया गया है, जिससे बाइक की स्टेबिलिटी पहले से बेहतर हो गई है। 2025 चञ्जरू390 ष्ठह्वद्मद्ग का ब्रेकिंग सिस्टम ऋष्ट 390 से लिया गया है। इसमें हल्के और ज्यादा एफिशिएंट ब्रेकिंग रोटर्स इस्तेमाल किए गए हैं। फ्रंट डिस्क ब्रेक 320द्वद्व और रियर डिस्क ब्रेक 240द्वद्व है। इसके अलावा, बाइक में नए अलॉय व्हील्स दिए गए हैं, जो पहले से हल्के हैं और कम स्पोक्स के साथ आते हैं। ये व्हील्स भी ऋष्ट 390 के डिजाइन से प्रेरित हैं, जिससे बाइक की हैंडलिंग और परफॉर्मेंस और बेहतर हो गई है।

फंड हाउसों ने मामला सामने आने से पहले इंडसइंड बैंक के 1.6 करोड़ शेयर बेचे

नई दिल्ली, 13 मार्च। इंडसइंड बैंक के डेरिवेटिव खातों में गड़बड़ी का मामला सामने आने से पहले ही म्यूचुअल फंड हाउसों ने बैंक के 1.6 करोड़ शेयर बेच दिए थे। फंड हाउसों के पास कुल 20.7 करोड़ शेयर फरवरी में थे। इनका बाजार मूल्य 28 फरवरी तक 19,884 करोड़ रुपये था। जनवरी में 22.3 करोड़ शेयर थे। कुछ ब्रोकरेज हाउसों ने मामला सामना आने से पहले ही बैंक के शेयर को डाउनग्रेड कर दिया था। यह स्टॉक म्यूचुअल फंड उद्योग में सबसे ज्यादा कटौती वाले स्टॉक में से एक था। क्वांट म्यूचुअल फंड ने जिन तीन शेयरों को हाल में खरीदा था, उसमें से एक इंडसइंड बैंक भी था। इसने फरवरी में 300 करोड़ रुपये के 30.77 लाख शेयर खरीदे थे। कोटक म्यूचुअल फंड ने फरवरी में 509 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। बंधन म्यूचुअल फंड के पास 900 करोड़ रुपये के 93.47 लाख शेयर थे और यह फंड हाउस की शीर्ष 10 होल्डिंग्स में से एक था। पीपीएफएएस म्यूचुअल फंड ने फरवरी में 29 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। 28 फरवरी तक इंडसइंड बैंक में करीब 35 फंड हाउसों की 360 स्कीमों का निवेश था। पांच फंड हाउस 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश था। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड का सबसे अधिक 3,778 करोड़ रुपये था। इसके पास 3.81 करोड़ शेयर थे। 19 फंड हाउसों का बैंक में 100 करोड़ से कम निवेश है। सबसे कम 360 वन और टॉरस फंड हाउस का निवेश है जो 48 लाख और 29 लाख रुपये है। बैंक का शेयर मंगलवार को 27 फीसदी गिरने के बाद बुधवार को 4.38 फीसदी तेजी के साथ 684.70 रुपये पर बंद हुआ।

इंडसइंड प्रकरण के बाद दूसरे बैंकों के खाते पर भी आरबीआई की नजर

नई दिल्ली, 13 मार्च। इंडसइंड बैंक की ओर से अपने डेरिवेटिव अकाउंटिंग में चूक का खुलासा करने बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने कुछ निजी और सरकारी बैंकों के डेरिवेटिव एक्सपोजर की जांच करने का मन बनाया है। रायटर्स ने मामले की जानकारी रखने वाले कम से कम तीन सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने ऋणदाताओं से उनके विदेशी उधार और जमा के साथ-साथ उनके विदेशी मुद्रा हेज पोजीशन का विवरण मांगा है। इससे पहले, सोमवार को निजी ऋणदाता इंडसइंड बैंक ने विदेशी मुद्रा लेनदेन से संबंधित हेजिंग लागतों के कम आंकलन के कारण अपने मार्केट कैप 2.35त्न की गिरावट जानकारी दी थी।। सूत्रों में से एक ने कहा, आरबीआई बैंकों के मामले में पुष्टि करना चाहता है कि इंडसइंड का मुद्दा किसी बड़ी समस्या का हिस्सा तो नहीं है। सूत्रों ने अपनी पहचान उजागर नहीं करने को कहा है, क्योंकि उन्हें मीडिया से बात करने की अनुमति नहीं है। रॉयटर्स के अनुसार इस मामले में भेजे गए ईमेल का आरबीआई ने फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है। एक अप्रैल, 2024 से बैंकों के लिए नए निवेश मानदंड लागू होने से पहले, बैंकों के एसेट लायबिलिटी मैनेजमेंट और ट्रेजरी डेस्क को आंतरिक स्वैप में एंट्री लेने की अनुमति थी, जहां एक नकदी प्रवाह को दूसरे के लिए एक्सचेंज किया जाता है। इंडसइंड बैंक के सीईओ सुमंत कथपालिया ने मंगलवार को कहा कि इस तरह के सौदों की समय से पहले समाप्ति के कारण लाभ की जगह नुकसान की स्थिति बन गई। अब, आरबीआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि भारी विदेशी देनदारियों वाले बैंक ऐसी स्थिति में न आएं, जहां पहले किए गए आंतरिक

हेजिंग से होने वाले किसी भी नुकसान का हिसाब न रखा गया हो। इंडसइंड बैंक के शेयर मंगलवार को 27.06त्न गिरकर 656.80 रुपये पर गिरकर बंद हुए। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बड़ी बताई जा रही है। जिससे बैंक के कुल मार्केट कैप को 2.35 प्रतिशत का नुकसान उठाना पड़ा। इससे बैंक पर निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ और लोगों ने घबराकर बैंक के शेयर बेचने शुरू कर दिए। इसी वजह से बैंक के शेयरों में भारी गिरावट आ गई। दरअसल, डेरिवेटिव एक ऐसा वित्तीय सौदा (फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट) होता है, जिसकी कीमत किसी और चीज से तय होती है। यह चीजें शेयर, विदेशी मुद्रा (करेंसी), सोना-चांदी (कमोडिटी) या अन्य संपत्तियां हो सकती हैं। जब कोई बैंक या निवेशक इन अलग-अलग चीजों में पैसा लगाता है और इन्हें एक साथ मैनेज करता है, तो उसे पोर्टफोलियो कहा जाता है। इंडसइंड बैंक के इसी डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बड़ी पाई गई। जब कोई कंपनी या बैंक विदेश से लेन-देन करता है (जैसे डॉलर में उधार लेना या विदेशी सामान खरीदना), तो उसे मुद्रा के बदलते भाव (एक्सचेंज रेट) से नुकसान हो सकता है। इस नुकसान से बचने के लिए वे हेजिंग करते हैं। हेजिंग का मतलब होता है पहले से सुरक्षा इंतजाम करना, ताकि भविष्य में कोई बड़ा नुकसान न उठाना पड़े।

कमजोर मांग के चलते सोना 89 हजार रुपये के नीचे आया

नई दिल्ली, 13 मार्च। दिल्ली में शुक्रवार को सोने की कीमत 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से नीचे गिर गई। यह गिरावट घरेलू मांग में कमी के कारण आई है, जैसा कि ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन ने बताया। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 200 रुपये घटकर 88,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जो कि लगातार दूसरे दिन की गिरावट है। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 200 रुपये घटकर 88,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। व्यापारियों का कहना है कि स्थानीय ज्वैलर्स और खुदरा खरीदारों की मांग कम होने के कारण सोने के भाव में गिरावट आई है। लांकि, चांदी की कीमत 500 रुपये बढ़कर 99,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, और यह लगातार चौथे दिन की वृद्धि है।

आईटी शेयरों के गिरने से लगातार चौथे दिन टूटा बाजार

नई दिल्ली, 13 मार्च। वैश्विक आर्थिक मंदी की बढ़ती चिंताओं के बीच आईटी, दूरसंचार और रियल्टी शेयरों में भारी बिकवाली के दबाव के कारण बुधवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 72.56 अंक या 0.10 प्रतिशत गिरकर 74,029.76 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 504.16 अंक या 0.68 प्रतिशत गिरकर 73,598.16 अंक के निचले स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एनएसई निफ्टी 27.40 अंक या 0.12 फीसदी गिरकर 22,470.50 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 168.35 अंक या 0.74 फीसदी गिरकर 22,329.55 के निचले स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में इंफोसिस, टेक महिंद्रा, नेस्ले इंडिया, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, जोमैटो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारती एयरटेल नुकसान में रहे। दूसरी ओर, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में लाभ रहा। बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 0.48 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि मिडकैप सूचकांक में 0.57 प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई के क्षेत्रीय सूचकांकों में फोकस्ड आईटी, आईटी, टेक, रियल्टी, दूरसंचार, धातु, पूंजीगत वस्तुएं, सेवाएं और औद्योगिक प्रमुख रूप से पिछड़े रहे।

निसान ने इवान एस्पिनोसा को सीईओ बनाया, होंडा के साथ असफल साझेदारी के बाद उठाया कदम

नई दिल्ली, 13 मार्च। (निसान मोटर कंपनी) ने अपने अनुभवी अधिकारी इवान एस्पिनोसा को नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वह माकोतो उचिदा की जगह लेंगे, जो मार्च के आखिर में पद छोड़ रहे हैं। एस्पिनोसा, जो 2003 से निसान के साथ जुड़े हुए हैं और वर्तमान में मुख्य योजना अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं, 1 अप्रैल से पदभार संभालेंगे। 46 वर्षीय एस्पिनोसा को ऐसे समय में यह जिम्मेदारी मिली है जब निसान कई कठिनाइयों का सामना कर रहा है। हाल ही में होंडा मोटर कंपनी के साथ उसकी साझेदारी नाकाम हो गई थी, जिससे कंपनी की स्थिति और कमजोर हो गई। 2018 में कार्लोस घोसन की विदाई के बाद से ही निसान लगातार संकटों में घिरा रहा है। उचिदा के नेतृत्व पर पिछले साल नवंबर से ही सवाल उठने लगे थे, जब कंपनी ने बताया कि उसकी छमाही आय में 94 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। इसके साथ ही निसान ने 9,000 नौकरियों में कटौती और उत्पादन क्षमता में 20 प्रतिशत की कमी की योजना का एलान किया था। मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उचिदा ने

स्वीकार किया कि कंपनी के भीतर भी उनके नेतृत्व को लेकर संदेह बढ़ रहा था। उन्होंने कहा, इस तरह से पद छोड़ना मेरे लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। निसान की सबसे बड़ी प्राथमिकता अब खुद को इस स्थिति से निकालकर स्थिरता हासिल करना है। जब से उचिदा 2019 में सीईओ बने थे, तब से निसान का बाजार मूल्य 40 प्रतिशत से अधिक घट चुका है। दिसंबर 2019 में कंपनी की वैल्यू 2.91 ट्रिलियन जापानी येन थी, जो अब घटकर 1.63 ट्रिलियन जापानी येन (11 अरब डॉलर) रह गई है। जब एस्पिनोसा से कंपनी के भविष्य और संभावित साझेदारियों पर सवाल किए गए, तो उन्होंने कहा, मुझे अभी-अभी इस पद के बारे में बताया गया है, इसलिए मुझे इस पर सोचने के लिए कुछ समय चाहिए। मैं फिलहाल किसी अटकल पर टिप्पणी नहीं करूंगा। मूल रूप से मैकेनिकल इंजीनियर रहे एस्पिनोसा वर्तमान में निसान और इनफिनिटी ब्रांड्स की भविष्य की उत्पाद और सेवा रणनीतियों की देखरेख कर रहे हैं। उनकी प्रोफेशनल प्रोफाइल के अनुसार, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री की तीन सबसे बड़ी चुनौतियां - इलेक्ट्रिफिकेशन (इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर रुझान), कनेक्टिविटी और ऑटोनॉमस ड्राइविंग टेक्नोलॉजी हैं, जिनमें निसान पिछड़ता हुआ नजर आ रहा है। सीईओ बनने के बाद एस्पिनोसा के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी निसान को वित्तीय रूप से मजबूती देना। हाल ही में होंडा के साथ उसकी साझेदारी टूट गई, जिससे उसे बड़ी क्षति पहुंची। इस डील के सफल होने पर निसान को टोयोटा मोटर कॉर्प और चीन की कंपनी जैसी कंपनियों के खिलाफ मजबूती से खड़ा होने का मौका मिलता। लेकिन दोनों कंपनियों के बीच पावर बैलेंस को लेकर मतभेद थे, जिसके चलते फरवरी में साझेदारी खत्म हो गई। अब निसान एक नई साझेदारी की तलाश में है। फरवरी में ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, निसान किसी अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनी के साथ गठजोड़ करने की योजना बना रहा है। होंडा डील के विफल होने के बाद, फॉक्सकॉन (आईफोन निर्माता कंपनी) के साथ संभावित बातचीत के संकेत मिले हैं, जो इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण में उतरना चाहती है।

टेस्ला का लक्ष्य 2027 तक अमेरिका में ईवी उत्पादन दोगुना करना

नई दिल्ली, 13 मार्च। कभी इनोवेशन की मिसाल मानी जाने वाली ञ्जद्गह्यद्यड्ड (टेस्ला) अब मुश्किल दौर से गुजर रही है। पिछले पांच वर्षों में कंपनी के शेयर वैल्यू में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई है। हालांकि, अब इसमें सुधार के संकेत मिलने लगे हैं। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एलान किया है कि कंपनी अगले दो वर्षों में अमेरिका में अपनी उत्पानद क्षमता को दोगुना करने की योजना बना रही है। हालांकि, इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने की उनकी रणनीति अभी तक सामने नहीं आई है। इसके अलावा, मस्क की पुरानी घोषणाओं के पूरा न होने का इतिहास देखते हुए इस बार भी उनके दावे पर संदेह जताया जा रहा है। इस घोषणा में सबसे खास बात यह है कि यह ऐसे समय में आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टेस्ला को खुलकर समर्थन दिया है। ट्रंप ने मस्क का समर्थन तब किया जब उनकी नेट वर्थ घटकर 23 अरब डॉलर रह गई। ट्रंप ने यहां तक कहा कि वह टेस्ला की इलेक्ट्रिक कार खरीदना चाहते हैं। ट्रंप ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा, मैंने कहा कि मैं एक टेस्ला खरीदना चाहता हूं, और हम आगे गए। वहां चार खूबसूरत टेस्ला कारें थीं, और मैंने प्रेस के सामने उनमें से एक खरीद ली। ये गाड़ियां शानदार हैं और बेहतरीन काम करती हैं। ट्रंप प्रशासन की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री को बढ़ावा देने की नीति का समर्थन करते हुए मस्क ने एलान किया कि टेस्ला अगले दो वर्षों में अमेरिका में अपनी उत्पादन क्षमता को दोगुना करेगी। उन्होंने यह बयान व्हाइट हाउस के बाहर चार टेस्ला ईवी की प्रदर्शनी के दौरान दिया, जहां ट्रंप ने अपनी पसंद की इलेक्ट्रिक कार भी चुनी। मस्क ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी प्रशासन की बेहतरीन नीतियों के चलते और अमेरिका में हमारा विश्वास जताने के लिए, टेस्ला अगले दो वर्षों में अमेरिका में अपनी वाहन उत्पादन क्षमता को दोगुना करेगी। इस घोषणा के बाद टेस्ला के शेयरों में तेजी देखने को मिली, जो कुछ हफ्तों पहले तक गिरावट में थे। इस समय टेस्ला हर वर्ष लगभग 11 लाख गाड़ियां बनाती है। हालांकि, यह संख्या कंपनी की असल उत्पादन क्षमता से कम है। टेस्ला के उत्पादन को दोगुना करने का लक्ष्य महत्वाकांक्षी तो है, लेकिन इसे हासिल करना इतना आसान नहीं होगा। कंपनी को सप्लाई चेन, उत्पादन लागत, और बाजार की मांग जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, ट्रंप के समर्थन से मस्क को अमेरिका में और सरकारी मदद मिल सकती है, जिससे टेस्ला अपने नए लक्ष्य को हासिल कर सके।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में 26 फीसदी घटा निवेश, 10 महीने में सबसे कम

नई दिल्ली, 13 मार्च। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश मासिक आधार पर 26.16 फीसदी घटकर फरवरी, 2025 में 10 महीने के निचले स्तर 29,303 करोड़ रुपये पर आ गया। यह अप्रैल, 2024 के बाद इस श्रेणी में सबसे कम निवेश है। घरेलू शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच स्मॉल और मिडकैप शेयरों में निवेश में उल्लेखनीय कमी से यह गिरावट आई है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, यह लगातार दूसरा महीना है, जब इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश में गिरावट आई है। दिसंबर, 2024 में निवेशकों ने इक्विटी म्यूचुअल फंड में 41,156 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो जनवरी, 2025 में घटकर 39,688 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि, फरवरी लगातार

48वां महीना है, जब निवेशकों ने इस श्रेणी में निवेश करना जारी रखा है। म्यूचुअल फंड कंपनियों की प्रबंधन के तहत संपत्तियां (एयूएम) फरवरी अंत में 2.72 लाख करोड़ घटकर 64.53 लाख करोड़ रुपये रह गईं, जबकि जनवरी में यह 67.25 लाख करोड़ थीं। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश मासिक आधार पर 1.51 फीसदी घटकर फरवरी में 25,999 करोड़ रुपये रह गया। यह इसका तीन महीने का निचला स्तर है। जनवरी में एसआईपी में 26,400 करोड़ और दिसंबर, 2024 में 26,459 करोड़ का निवेश आया था। आंकड़ों के मुताबिक, स्मॉलकैप फंड में निवेश जनवरी के 5,720 करोड़ से 34.93 फीसदी घटकर फरवरी में 3,722 करोड़ रुपये रह गया। मिडकैप में पिछले महीने 3,406 करोड़ का निवेश आया, जो जनवरी के 5,147 करोड़ से 33.82 फीसदी कम है।

महंगाई के नरम आंकड़ों ने बदला बाजार का मूड

नई दिल्ली, 13 मार्च। मजबूत घरेलू आर्थिक आंकड़ों के बाद आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीदारी से गुरुवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी रही। सुबह के कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 192.32 अंक या 0.26 प्रतिशत चढ़कर 74,222.08 अंक पर पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी 21.75 अंक या 0.1 प्रतिशत बढ़कर 22,492.25 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, जोमैटो, भारती एयरटेल, पावरग्रिड, एनटीपीसी और टाइटन शामिल थे। इसके विपरीत, इंडसइंड बैंक, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और नेस्ले इंडिया पिछड़ गए। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, गुरुवार को बाजार घरेलू अनुकूल परिस्थितियों और वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच आगे बढ़ेगा। घरेलू वृहद आर्थिक हालात बेहद सकारात्मक हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में घटकर सात महीने के निचले स्तर 3.61 प्रतिशत पर आ गई, जो इसका मुख्य कारण सब्जियों, अंडों और अन्य प्रोटीन युक्त वस्तुओं की कीमतों में कमी है, जिससे आरबीआई के लिए अगले महीने ब्याज दरों में एक और कटौती करने की गुंजाइश बन गई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के दूसरे सेट से पता चला है कि उद्योगों के प्रदर्शन का एक माप, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वृद्धि जनवरी 2025 में 5 प्रतिशत तक बढ़ गई, जो विनिर्माण गतिविधि में तेजी से प्रेरित थी। विजयकुमार ने आगे कहा, इस मैक्रो डेटा से शेयर बाजार को बढ़ावा मिला होगा, जहां मूल्यांकन उचित है और कुछ जगहों पर आकर्षक भी है। ट्रंप द्वारा शुरू किया गया व्यापार युद्ध और भी बदतर होता जा रहा है।

एशियाई बाजारों में टोक्यो, शंघाई, हांगकांग और सियोल में मिश्रित रुख के साथ कारोबार हो रहा था। बुधवार को रात भर के सौदों में वॉल स्ट्रीट बढ़त के साथ बंद हुआ। विजयकुमार ने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से अमेरिका में इस्पात आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले का यूरोपीय संघ (ईयू) ने भी तुरंत जवाब दिया है। उसने अमेरिका से आयातित 28 अरब डॉलर के इस्पात पर टैरिफ लगा दिया है, जबकि कनाडा ने कनाडा को 20 अरब डॉलर के अमेरिकी निर्यात पर टैरिफ लगा दिया है। जानकारों के अनुसार, चीन ने भी अमेरिका को इसी ढंग से जवाब देने का मन बनाया है। यह वैश्विक पृष्ठभूमि भारतीय बाजार में तेजी को बाधित करेगी। ऐसे में निवेशकों को घरेलू खपत थीम पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इस बीच, वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 70.97 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर कारोबार कर रहा था। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 1,627.61 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,510.35 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी। बुधवार को 30 शेयरों वाला बीएसई

सम्पादकीय

पोर्ट लुई टू पटना इलेक्शन केम्पेन

भारतीय जनता पार्टी चुनावों के लिए किसी भी हद को पार कर सकती है ,इसीलिए मैं भाजपा का अनन्य प्रशंसक हूँ हमारे प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी यदि अमेरिका में जाकर डोनाल्ड ट्रम्प का प्रचार कर सकते हैं तो मॉरीशस जाकर बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए भी चुनाव प्रचार का श्रीगणेश कर सकते हैं। उन्होंने ऐसा कर दिखाया भी। मोदी जी को इस दूरदर्शिता और दुस्साहस के लिए हार्दिक बधाई।

हमारे प्रधानमंत्री जी मॉरीशस गए तो थे मॉरीशस के ५७वें राष्ट्रीय दिवस समारोह के मुख्य अतिथि बनकर लेकिन वहां जैसे ही उन्हें भारतीय समाज के बीच जाने का मौक़ा मिला उन्होंने अनौपचारिक रूप से बिहार विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव अभियान शुरू कर दिया । मोदी जी ने बिहार में नालंदा विश्विद्यालय के उन्नयन के लिए केंद्र सरकार के काम के साथ ही बिहार में मखाना उद्योग के लिए हाल के बजट में किये गए प्रावधानों का भी उल्लेख कर दिया। आपको पता ही है की मॉरीशस में कोई दो सदी पहले अंग्रेज जिन गिरमिटिया भारतीय मजदूरों को भरकर ले गए थे उनमें बहुत से बिहारी थे। मोदी जी ने पोर्ट लुई में भारतीय मूल के लोगों के बीच हिंदी ,अंग्रेजी के अलावा भोजपुरी भाषा में भी अपने प्रवचन दिए। प्रधानमंत्री मोदी के दो दिवसीय मॉरीशस के आधिकारिक दौरे पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का सर्वोच्च सम्मान द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन देने की घोषणा की. मोदी मॉरीशस का सर्वोच्च सम्मान पाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं. रामगुलाम ने पोर्ट लुईस में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में ये घोषणा की। इसी कार्यक्रम में मोदी जी ने भारतीय मूल के लोगों के बीच अपनी पार्टी के एजेंडे में शामिल राम जी का भी उल्लेख किया और महाकुम्भ का भी। मोदी जी मॉरीशस के भारतियों के लिए त्रिवेणी का गंगाजल भी आपने साथ लेकर गए है। इस गंगाजल को पोर्ट लुई के गंगा तालाब में डाला जाएगा ताकि लोग इसमें स्नान,आचमनकर कुम्भ का पुण्य लाभ उठा सकें। मोदी जी का अनुशरण भाजपा वाले योगी जी कर रहे हैं या योगी जी का अनुशरण मोदी जी,ये पता नहीं चल रहा / क्योंकि गंगाजल का परिवहन योगी जी ने शुरूकराया है । उन्होंने उत्तर प्रदेश की तमाम जेलों में गंगाजल भिजवाकर कैदियों को कुम्भ लाभ दिलवाया । हमारे मध्यप्रदेश में तो अनेक मंत्री-संतरी टेंकरों में भरकर त्रिवेणी से गंगाजल लेकर आये और घर-घर बटवा रहे हैं ठीक उसी तर्ज पर जिस तरह कोविड के दिनों में नेता ऑक्सीजन सिलेंडर बंटवाया करते थे। वोट और समर्थन हासिल करने के लिए हमारे मोदी जी कुछ भी कर सकते हैं। मोदी जी को राम राज्य के विस्तार और बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के श्रीगणेश के साथ ही उन्हें मॉरीशस का सर्वोच्छ नागरिक सम्मान मिलने की बहुत -बहुत बधाई। चुनाव कैसे लड़ा जाता है ,चुनाव प्रचार कैसे किया जाता है ये विपक्ष को माननीय मोदी जी सीखना चाहिए। नहीं सीख रहा इसीलिए ११ साल से सत्ता से दूर है और २०४७ तक उसे इसी तरह सत्ता से दूर रहना पडेगा।

आओ रे ! आओ !! खेलें मसाने में होली

भारत में चाहे कुम्भ हो या होली उसे हमारे ज्योतिषी आजकल विशेष बना देते हैं। जैसे कुम्भ को १४४ साल के अद्भुद संयोगों का महाकुम्भ बना दिया था वैसे ही होली को भी १०० साल के अद्भुद संयोगों की होली बता दिया गया है। मुझे भी लगता है कि हमारे ज्योतिषी जो कहते हैं वो साबित भी करा देते हैं। जैसे कुम्भको महाकुम्भ बनाकर ज्योतिषियों ने आधे देश को गंगा में डुबकी लगवा दी, उसी तरह अब पूरे देश को इस बार मसान में होली खेलने के लिए तैयार कर दिया गया है।

हिन्दू धर्म की तरह होली भी सनातन ही है। होली की अपनी कहानी है ,अपनी किम्वदंतियां हैं। अपना रंग है ,अपना स्वाद है। अपना आनंद है। लेकिन पहली बार ये आँखें होली का स्वाद, बेस्वाद होते देख रहीं है। पहली बार होली के रंग खतरनाक बनाये जा रहे है। पहली बार होली की मस्ती से देश की एक चौथाई आबादी को अलग करने या अलग रहने के लिए कहा जा रहा है। धर्म के ठेकेदार,सियासत के हाथों की कठपुतली बनकर होली को सचमुच मसान में खेलने की तैयारी कर रहे हैं। मसान की होली अभी तक काशी की मशहूर थी। मशहूर था होली का होली [पवित्र] गीत। होली खेलें मसाने में छन्नू लाल मिसुर या मालिनी अवस्थी जब ये गीत गातीं हैं तो मन मछँदर हो जाता है। ये गीत भगवान शिव के साथ होली खेलने का भव्य दर्शन कराता है। लेकिन अब न जाने क्या हुआ है कि हमारी सियासत काशी के मसाने की होली ,पूरे देश में खिलवाना चाहती है। फतवे जारी कर दिए गए हैं कि होली पर विधर्मी अपने घरों से बाहर न निकलें। क्योंकि इससे होली में खलल पड़ सकती है। अरे मिया ! जब महाकुम्भ में खलल नहीं पड़ी तो होली में खलल कैसे पड़ सकती है ?लेकिन यदि सत्ता प्रतिष्ठान चाहे तो कुछ भी मुमकिन है। होली का संदर्भ क्या है ,सन्देश क्या है ? ये विद्वान बता सकते हैं। हम जैसे कूढ़ मगज तो सिर्फ इतना जानते हैं कि होली का एकमात्र सन्देश ये है कि- प्रेम को ,भक्ति को दुनिया की कोई आग नहीं जला सकती। होलिका भी नहीं ,जिसे आग में सब कुछ भस्म करने का वरदान हासिल था /होलिका प्रेम और भक्ति के प्रतीक प्रह्लाद को नहीं जला पायी और खुद जलकर राख हो गयी। ख़ाक में मिल गयी। इसी तरह मेरा दृढ विश्वास है की सत्ता की होलिका सद्भाव के प्रह्लाद को जलाकर न राख कर सकती है और न खाक में मिला सकती है।

नदियों को विवाद नहीं, विकास का माध्यम बनाये

(नदियों के लिये अन्तर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस- 14 मार्च, 2025)

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो ?शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के ?बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों के समक्ष आने वाले खतरों, जैसे प्रदूषण, आवास की क्षति और जल संसाधनों के अत्यधिक दोहन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये हर साल १४ मार्च को, 'नदियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस' मनाया जाता है, जो नदियों और उनके संरक्षण के लिए एक वैश्विक मंच है, ताकि नदियों और समुदायों की एकजुटता बढ़ाई जा सके और नदियों के महत्व के बारे में जागरूकता लाई जा सके। इस दिवस की २०२५ की थीम 'हमारी नदियाँ, हमारा भविष्य' है। इस दिवस की शुरुआत १४ मार्च १९९७ को कुर्टिबा, ब्राजील में बांधों से प्रभावित लोगों की पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक में हुई थी। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। बढ़ते नदियों के प्रदूषण को रोकने के लिये उनमें को अपशिष्ट या सीवेज, कारखानों से निकलने वाले तेल, कैमिकल, धुंआ,

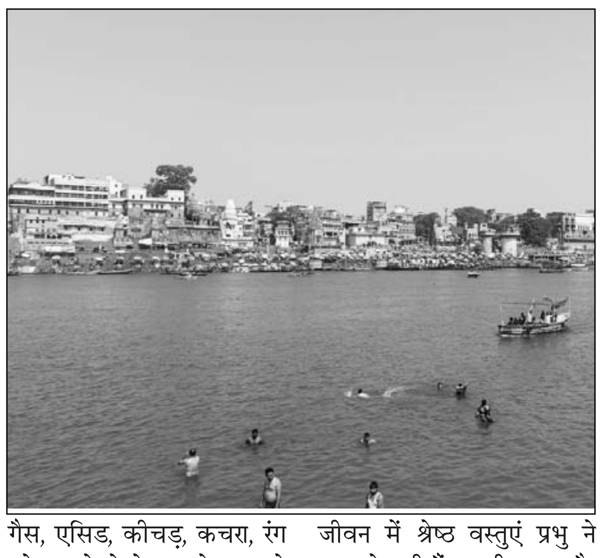

गैस, एसिड, कीचड़, कचरा, रंग को डालने से रोकना होना, हमने जीवनदायिनी नदियों को अपने लोभ, स्वार्थ, लापरवाही के कारण जहरीला बना दिया है। दुनियाभर में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश एवं दुनिया के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। जीवन में श्रेष्ठ वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त दे रखी हैं- पानी, हवा और प्यार। और आज वे ही विवादग्रस्त, दूषित और झूठी हो गईं।

नदियों के लिए २८वें अंतर्राष्ट्रीय कार्य दिवस पर ताजा पानी उपलब्ध कराने, जैव विविधता को बढ़ावा देने से लेकर जलवायु को नियंत्रित करने और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने तक स्वस्थ, निर्मल एवं पवित्र मुक्त बहने वाली नदियाँ इंसानी जीवन के साथ प्रकृति, कृषि के लिये महत्वपूर्ण हैं। यह दिन व्यक्तियों और संगठनों को नदी संरक्षण की दिशा में कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करता है। वर्तमान में भारत सहित दुनिया की तमाम नदियां संकट के दौर से गुजर रही हैं। नदियों के सामने जहां प्रदूषण व अतिक्रमण जैसी भयावह चुनौतियां खड़ी हैं, वहीं उनमें निरंतर घट रही पानी की मात्रा भी गंभीर चिंता में डालने वाला है। कस्बों व शहरों के घरेलू, औद्योगिक कचरे एवं गन्दगी के बहिस्राव के कारण नदियों ने गंदे नाले का रूप लेना प्रारंभ कर दिया है। सैकड़ों बरसाती नदियां बहुत पहले ही अपना अस्तित्व खो चुकी हैं। आज जब नदियां प्रदूषित हो रही हैं तो किनारे बसा समाज भी उस प्रदूषण के असर से बच नहीं पा रहा है। हमारी कृषि व्यवस्था का कुछ हिस्सा भी उससे प्रभावित हो रहा है। आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है।

समूची दुनिया में पीने का शुद्ध पानी एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। पानी अत्यधिक जहरीला हो चुका है। इस कारण पीने के पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों को संबोधित करके विश्व स्तर पर लोगों को नदियों को बचाने के बारे में बात करने के लिए अग्रसर करना एवं उनमें जागरूकता पैदा करना है। नदियाँ भी अत्यधिक ख़तरे में हैं, विश्व की १० प्रतिशत से भी कम नदियां सुरक्षित हैं। इस दिवस की उपयोगिता एवं सार्थकता तभी है जब हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करें। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल दे। विनाशकारी परियोजनाओं का पर्दाफाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये। इस दिवस के माध्यम से एक ऐसी दृष्टि विकसित करना जो नदियों और उन पर निर्भर समुदायों की रक्षा करे। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सस्ता और कुशल अंतर्देशीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है।

भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है लेकिन दुर्भाग्य से प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन २०४७ प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके।

होली के संदेश को समझें, त्यौहार की परिपाटी को हमने अपनी सुविधा के अनुसार बदल दिया है

भारत भूमि के संस्कार वास्तव में एक ऐसी अनमोल विरासत है, जो सदियों से एक परंपरा के रूप में प्रचलित है। जो समाज में ऐक्य भाव की स्थापना करने का मार्ग प्रशस्त करता है। वर्तमान में जहां परिवार टूट रहे हैं, वहीं समाज में अलगाव की भावना भी विकसित होती जा रही है। इस भाव को समाप्त करने के लिए हमारे त्यौहार हर वर्ष पथ प्रदर्शक बनकर आते हैं, लेकिन विसंगति यह है कि हम इन त्यौहारों को भूलते जा रहे हैं। त्यौहार की परिपाटी को हमने अपनी सुविधा के अनुसार बदल दिया है। ऐसे में यही कहा जा सकता है कि हम अपनी जड़ों से या तो कट चुके हैं या फिर कटने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। जो व्यक्ति या समाज अपनी जड़ों से कट जाता है वह निश्चित ही पतन की ओर ही जाता है। भारत के त्यौहार हम सभी को जड़ों से जुड़े रहने का प्रेरणीय संदेश देते हैं। यह प्रकृति से जुड़ा है, इसलिए मनुष्य को प्राकृतिक करने में भी हमारे त्यौहार सहायक होते हैं।

भारत के प्रमुख त्यौहारों में शामिल होली को पूरा भारत देश मनाता है। होली के त्यौहार का सांस्कृतिक आधार देखा जाए तो यह परस्पर मनमुटाव को समाप्त करने का एक माध्यम है। भारत की संस्कृति अत्यंत श्रेष्ठ भी इसीलिए ही कही जाती है कि यहां सामाजिक सामंजस्य का बोध है। यहां के सभी त्यौहार आपासी सामंजस्य को बढ़ावा देने वाले होते हैं। इसी प्रकार रंगों का पर्व होली का त्यौहार भी सामंजस्य को बढ़ावा देता है। जिस प्रकार से होली के अवसर पर सभी रंग आपस में घुल मिल जाते हैं, उसी प्रकार से व्यक्तियों के मिलने की भी कल्पना की गई है। सब एक रंग में रंगे हुए ही दिखाई देते हैं। होली के त्यौहार पर दुश्मनों के भी भाव बदल जाते हैं, और सारे देश में दोस्ती का वातावरण निर्मित होता हुआ दिखाई देता है।

वर्तमान में होली के बारे में हम कहते हैं कि पहले जैसी होली अब नहीं होती। यह सत्य है कि कि इसमें परिवर्तन आया है, लेकिन क्या हमने सोचा कि ऐसा परिवर्तन आने के पीछे कारण क्या हैं। वास्तव में इसके लिए हम ही दोषी हैं। पांच दिन के इस त्यौहार की मस्ती को हमने समेट कर रख दिया है और मात्र एक या दो घंटे में पूरा त्यौहार मना लिया जाता है। ऐसे में मात्र एक घंटे में होली का वह भाई चारा वाला स्वरूप कैसे दिखाई देगा। हम व्यक्ति केंद्रित होकर त्यौहार मनाते हैं, जबकि भारतीय त्यौहार का स्वरूप व्यक्ति केंद्रित न होकर समाज केंद्रित है। होली के त्यौहार को इसी रूप में मनाएंगे तब ही हमें वही होली दिखेगी, जो वास्तविक है। वर्तमान में होली के इस पावन पर्व पर हमारे समाज के कई लोग दुश्मनी मिटाना तो दूर, दुश्मनी पालने की कवायद करते हुए दिखाई देते हैं। पिछले कई वर्षों से देश के कई भागों में होली के अवसर पर लड़ाई झगड़े होते हुए भी दिखाई देने लगे हैं। इससे सवाल यह उठता है कि क्या हम होली को वास्तविक अर्थों में मनाने का मन बना पा रहे हैं। अगर नहीं तो तो हमें यह कहने का भी अधिकार भी नहीं है कि होली का स्वरूप पहले जैसा नहीं रहा। पौराणिक मान्यताओं के आधार पर होली के पावन पर्व का निष्कर्ष निकाला जाए तो यही परिलक्षित होता हुआ दिखाई देता है कि जिसके मन में विकार होता है, उसे समाप्त करने का होली का त्यौहार सबसे अच्छा अवसर है, अगर हमने अपने अंदर पैदा हुए विकार को समाप्त करने का प्रयास नहीं किया तो भगवान उस विकार को समाप्त करने का काम कर देंगे। हम जानते हैं कि भगवान नरसिंह ने राक्षस हिरणाकश्यप को इसलिए मार दिया कि उसके अंदर कई प्रकार के विकार समाहित हो गए थे। भगवान के भक्त प्रहलाद ने कई बार चेताया भी, लेकिन उसने अपने अंदर के अहम को समाप्त नहीं किया। विकार को समाप्त करने का पर्व होली है। बुराई पर विजय का प्रतीक होली है।

रंगों का पर्व होली हिन्दुओं का पवित्र त्यौहार है। यह मौज-मस्ती व मनोरंजन का त्योहार है। सभी हिंदू जन इसे बड़े ही उत्साह व सौहार्दपूर्वक मनाते हैं। यह त्यौहार लोगों में प्रेम और भाईचारे की भावना उत्पन्न करता है। जिस प्रकार बसंत के मौसम में रंग बिखरते हैं, उसी प्रकार से होली के अवसर पर भी रंग बिखरते हुए दिखाई देते हैं। रंगों का अर्थ है, मन में बसंत की बहार का उल्लास। अगर होली के अवसर पर हमारे मन में उल्लास नहीं है तो फिर होली के मायने ही क्या है? इसलिए होली पर मन की प्रफुल्लता बहुल जरूरी है। प्राकृतिक रूप से फाल्गुन की पूर्णिमा ही नहीं अपितु पूरा फाल्गुन मास होली के रंगों से सराबोर हो जाता है। होली का त्योहार ज्यों-ज्यों निकट आता जाता है, त्यों-त्यों हम नए उत्साह से ओत-प्रोत होने लगते हैं ।

होली का पर्व प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस पर्व का विशेष धार्मिक, पौराणिक व सामाजिक महत्व है। इस त्योहार को मनाने के पीछे एक पौराणिक कथा प्रसिद्ध है। प्राचीनकाल में हिरण्यकश्यप नामक असुर राजा ने ब्रह्मा के वरदान तथा अपनी शक्ति से मृत्युलोक पर विजय प्राप्त कर ली थी। अभिमानवश वह स्वयं को अजेय समझने लगा। सभी उसके भय के कारण उसे ईश्वर के रूप मे पूजते थे, परंतु उसका पुत्र प्रहलाद ईश्वर पर आस्था रखने वाला था। जब उसकी ईश्वर भक्ति को खंडित करने के सभी प्रयास असफल हो गए तब हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को यह आदेश दिया कि वह प्रहलाद को गोद में लेकर जलती हुई आग की लपटों में बैठ जाए, क्योंकि होलिका को आग में न जलने का वरदान प्राप्त था, परंतु प्रहलाद के ईश्वर पर दृढ़-विश्वास के चलते उसका बाल भी बांका न हुआ, बल्कि स्वयं होलिका ही जलकर राख हो गई। तभी से होलिका दहन परंपरागत रूप से हर फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस बात से कहा जा सकता है कि कुटिलता पूर्वक चली गई चाल कभी सफल नहीं हो सकती है। भगवान की भक्ति के समक्ष सारी कुटिलता धरी की धरी रह जाती है। हम सभी को भगवान की भक्ति के समक्ष कुछ भी नहीं हैं। व्यक्ति चाहे कितना भी सामर्थ्यवान हो जाए, लेकिन जिन लोगों पर भगवान का आशीर्वाद है, उनका कभी कोई बिगाड़ नहीं सकता।

होली का त्योहार प्रेम और सद्भावना का त्योहार है, परंतु कुछ असामाजिक तत्व प्रायः अपनी कुत्सित भावनाओं से इसे दूषित करने की चेष्टा करते हैं। ऐसे लोग होली के मूल और सांस्कृतिक स्वभाव को बिगाड़ने का प्रयास करते हुए दिखाई देते हैं। वास्तव में ऐसे लोगों को होली से कोई मतलब नहीं है।

होली पर नशा करना भी एक शौक होता जा रहा है। आवश्यकता है कि हम सभी एकजुट होकर इसका विरोध करें ताकि त्योहार की पवित्रता नष्ट न होने पाए। ऐसे लोगों से हम यही कहना चाहते हैं कि उन्हें होली की पवित्रता को ध्यान में रखकर ही होली मनाना चाहिए। जिस प्रकार से भगवान नरसिंह ने धरती से बुराई का नाश किया, उसी प्रकार से हम भी अपने समाज में फैली बुराइयों का अंत करने में सहयोग करें।

बलई चचा की गोबर वाली होली

हमारे पूर्वांचल के गांवों में होली का पर्व बड़े उत्साह से मनाया जाता है। यहाँ होली आज भी थोड़ी बहुत जिंदा है। होली का त्यौहार हो और बलई काका उसमें न शामिल हों तो होली का कोई मतलब ही नहीं निकलता। होलियारों की टोली बलई काका के बगैर निकलती ही नहीं। यकीन मानिए गाँव में जो सबसे सरीफ लड़का होगा, वह भी होली में उदंड हो जाता है। बलई काका पूरे सत्तर साल के हो गए हैं, लेकिन होली में सत्रह बरस के लगते हैं। होली के दिन वे गाँव के बिगड़े लौंड़ों के सरदार बन जाते हैं। होली के दिन उन्हीं की टोली में मिलकर खूब मस्ती करते हैं। बुढ़ौती में होली के दिन उनका बचपन जाग जाता है। वे भी उन्हीं बदमाश लड़कों की टोली में शामिल होकर रंगभरे गुब्बारे और कीचड लोगों पर डालते हैं और खींसें निपोर कर हँसते हैं। उस समय उनके चेहरे की रंगत ठीक चूसे हुए आम जैसी लगती है। बसंत के आगमन के बाद खेत -खलिहान भी धानी और पीले हो जाते हैं, लेकिन इतनी उमर गुजरने के बाद भी बलई काका के हाथ पीले नहीं हुए। वह कुंवारे के कुंवारे ही रह गए। सिर के बाल पूरे झड़ गए हैं जिसकी वजह से उनका सिर पका कद्दू जैसा लगता है। मुँह के दाँत तो खैनी रानी के प्रेम में इतने दीवाने हुए कि समय से पहले ही एक-एक कर साथ छोड़ दिया। दोनों गाल में इतने बड़े गड्ढे हो गए जैसे हमारे यहाँ की सड़कों में होते हैं। नाक का लम्बा छेद रेलवे की लम्बी सुरंग जैसा लगता है। लेकिन होली में इतने दीवाने हो जाते हैं कि गाँव -जवार के लौंडों को भी पीछे पछाड़ देते हैं। हर गुजरने वाली महिला को शोले की बसंती और अपने को गब्बर सिंह समझने की भूल कर बैठते हैं। बसंत का मौसम आते ही बलई काका के चेहरे का हाव -भाव बदलने लगता है। वह खेतों में फूली सरसों की तरह झूमने लगते हैं। अलसाई तीसी सरीखे उनके बदन में गुदगुदी होने लगती है। फूली मटर जैसे आसमान की तरफ बढ़ती है वैसे ही उनकी ख़ुशी का ठिकाना आकाश नापने लगता है। वह होली आते-आते खिले टेंशू और बाद में मुरझाए गुलाब हो जाते हैं। ढलती शाम पनवाड़ी बाँकेलाल की दुकान से भाँग की बूटी लेने के बाद उनके जीवन का आनंद और बदल जाता है। ऊपर से पान की गिलौरी उन्हें कुंवारा आशिक और आवारा प्रेमी बना देती है। भाँग के नशे में उनके अगल -बगल से गुजरने वाली हर गाँव की दुल्हिन उनकी भौजाई लगने लगती है। बस! उनके दिमाग में जवानी के दिनों का यह गीत गूंजने लगता है... आज न छोडेंगे बस रंग डालेंगे, बस, होली है होली। होली आते ही बलई काका का यह गीत...फागुन में ददा देवर लागई फागुन में...ठेका बन जाता है। वह गाँव की गली और चौपाल से गुजरते हुए इसे गुनगुनाने लगते हैं। होली में बलई काका किसी भी महिला को नहीं छोड़ते। कच्चे मकान में अगर महिलाएं गोबरी लगा रहीं होती हैं तो उधर से गुजरते बलई काका यह गीत जरूर उन्हें सुनाते। फिर भला महिलाएं भी उन्हें कब छोड़ने वाली थीं, वह भी पीछे से गोबर का घोल या फिर नाबदान की सड़ी गाज और पानी पीछे से उनपर उड़ेल देती। फागुन में गाँव की महिलाओं का इस तरह अनूठा प्यार पाकर बलई काका का कुंवारापन कुचालें मारने लगता। मन ही मन उनके मन में लड्डू फूटने लगते। वे सोचते हैं चलो होली के बहाने ही भला इस नाचीज पर महिलाओं का प्रेम उमड़ा तो, भले ही वह नाबदान की सड़ी गाज और पानी हो। लेकिन इसमें उन्हें सास्वत प्रेम की अनुभूति होती और सत्तर साल का कुंवारापन मंडप में सात फेरे की सुखद और अलौकिक आनंद की सुख प्राप्ति में खो जाता है। बसंत की शुरुआत से ही बलई काका गाँव की महिलाओं के देवर बन जाते। दिन हो या रात बलई काका कबीरा बोल कर महिलाओं को खूब चिढ़ाते। इधर गाँव की दुल्हिनें भी उन्हें छेड़ने से बाज नहीं आती। घर के सामने से गुरते वक्त उन पर जला मोबिल या फिर बैटरी की कालिख घोलकर उड़ेल देती।

त्यौहार ही नहीं देश के विकास के लिए भी जरूरी है सौहार्द और भाईचारा

इस बार वसंतोत्सव होली और पाक माह रमजान का जुमा एक साथ आया है, जिसे लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इस त्योहारी सीजन में हिंदू-मुस्लिम एकता और भाईचारा बनाए रखने और पर्व को पंरपरागत और शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील भी जनता से की गई है। संवेदनशील शहरों व विभिन्न इलाकों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने भी पूरी मुस्तैदी दिखाई है। पुलिस वाहनों के साथ पैदल मार्च कर उत्पातियों व असामाजिक तत्वों को सीधा संदेश दिया गया है कि कोई भी गुस्ताखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, गफलत हुई कि कार्रवाई सख्त होगी। वैसे कहा यही जाता है कि जहां पुलिस ईमानदारी के साथ अपनी ड्यूटी पूरी करती है, वहां क्राइम रेट खुद-ब-खुद गिर जाता है। बहरहाल यहां बात इस समय होली और रमजान पर भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने की हो रही है। इस कारण याद आ जाता है वो वक्त जबकि त्यौहार और पर्व के आने की खुशियां बहुत पहले से घर-आंगन से लेकर गलियों और चौक-चौराहों तक में अपनी खुशबू बिखेरने लगती थी। त्यौहार आने के एक पखवाड़ा पहले से ही तैयारियों का दौर शुरु हो जाता था। क्या हिंदू और और क्या मुसलमान सभी धर्मों के मानने वाले एक साथ त्यौहार मनाते और एक-दूसरे को बधाई देते नजर आते थे। यह सच है कि अमीर खुसरो और रसखान के जमाने की होली से लेकर मुंशी प्रेमचंद की ईदगाह तक के यादगार पलों को गुजरे हुए वर्षों गुजर गए। अब वो बीते जमाने की बात हो गई। कहने में हिचक नहीं कि वोट बैंक की खातिर गंदी राजनीति ने समाज को बांटने और धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाने का जो काम किया अब वो अपने चरम पर पहुंच चुका है। विभाजनकारी ताकतें अपने मंसूबों पर सफल होती हुई नजर आ रही हैं। यही वजह है कि आज त्यौहार और पर्व आने का नाम सुनते ही शांतिप्रिय लोगों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ उभर आती हैं। एक अनजाना डर और भय का वातावरण निर्मित होता है, जिससे लोग स्वंय घरों में कैद हो इस पल के किसी तरह गुजर जाने की प्रार्थना करते नजर आ जाते हैं। इसी के साथ त्यौहार व पर्व का उत्साह समाप्त प्रायः हो जाता है और जो सामने आता भी है तो वह महज दिखावा होता है या फिर एक दूसरे को उकसाने वाली उपद्रवी प्रवत्ति नजर आती है। अब बहुतायत में आपसी भाईचारा और सौहार्द की बातें तो कहानियों में जमा इबारत की बात हो गई हैं। इससे जहां भाईचारे में पड़ी दरार और चौड़ी होती चली जा रही है वहीं समाज से खुशहाली धीरे-धीरे गायब होने लगी है। इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है, इससे पहले कि स्थिति और भयावह हो जाए और दुनियां हम विश्वगुरुओं पर हंसने लगे। हमें अपनी भाईचारे वाली भारतीय संस्कृति और सांझा चूल्हा वाली परंपरा की ओर लौट जाना होगा। इसके बिना तो देश का विकास भी संभव नहीं है। इसका जीता-जागता उदाहरण हमारे पड़ोसी देश हैं जिनके हालात आज इस कदर बदतर हो चले हैं कि कभी भी उनके तुकड़े होने का अंदेशा सताए जा रहा है। अस्थिर सरकारें और उस पर सड़कों पर जनता का विरोध बताता है कि जब बीज बबूल का बोया गया तो आम कहां से होगा।

यहां यह भी नहीं भूलना चाहिए कि हिंदुस्तान में मनाए जाने वाले त्यौहार आज और कल की परंपरा का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि इनकी अपनी एक ऐतिहासिक पहचान है। होली को ही ले लें इसे वसंत ऋतु में हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने के कारण वसंतोत्सव और काम-महोत्सव भी कहा जाता है। इतिहासकार बताते हैं कि आर्यों के काल में भी होली पर्व मनाया जाता रहा है।

जानवरों की दुनिया में भी होते हैं आलसी

दोस्तों, तुम 6-8 घंटे जरूर सोते होगे, जिसके बाद फ्रेश होकर अपने काम में जुट जाते होगे। तुमने अपने पेट्स और आसपास रहने वाले जानवरों को भी रात भर सोते हुए देखा होगा। यही नहीं, अगर मौका मिले तो वे दिन में भी सो जाते हैं, ऊंघते रहते हैं या आलसी बनकर पड़े रहते हैं। लेकिन क्या तुम दुनिया के ऐसे जानवरों के बारे में जानते हो, जो पूरे दिन का 60-80 प्रतिशत से भी अधिक समय सोने में खर्च करते हैं। यानी कई जानवर दिन भर में 16-22 घंटे सोते रहते हैं। इनमें कुछेक को छोड़ कर सभी आलसी होते हैं। वे खाते-पीते हैं और अपने जरूरी काम धीरे-धीरे निपटाकर दोबारा सो जाते हैं। तुम ऐसे जानवरों को लेजी, सोतूराम या आलसीराम नहीं कहोगे क्या? लेकिन ऐसा कर ये जानवर एक तो शिकारियों से अपना बचाव करते हैं, साथ ही लंबे समय तक अपनी एनर्जी भी बचाए रखते हैं।

कोआला

ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले कोआला आलसी जानवरों में पहले स्थान पर हैं। ये ज्यादातर नीलगिरी के पेड़ों पर समूह में रहते हैं और आसानी से उपलब्ध नीलगिरी के पत्ते, फल-फूल, पेड़ की छाल खाकर पेट भरते हैं। खाना ढूंढ़ने के लिए उन्हें कहीं जाने की भी जरूरत नहीं पड़ती। फाइबर से भरपूर ये पत्ते कोआला को ऊर्जा प्रदान करते हैं। कोआला नीलगिरी के पेड़ों पर बैठे-बैठे दिन में 22 घंटे सोते रहते हैं।

शेर

तुम्हें यह अटपटा जरूर लगेगा कि ताकतवर और जंगल का राजा शेर भी अधिक सोने वाले जानवरों की क्षेणी में आता है। यह अलग बात है कि नर शेर आलसी या कमजोर बिल्कुल नहीं हैं। ताकत से भरपूर और एक्टिव होने के कारण ही ये जंगल के दूसरे जानवरों पर अपना दबदबा बनाए रखते हैं। शिकार करके नर शेर के खाने-पीने का इंतजाम करने का जिम्मा भी जब मादा शेरनी का होता है तो ये दिन में 18-22 घंटे ऊंघने के अलावा करते ही क्या हैं। कभी-कभी तो ये नर शेर दिन में 24 घंटे सोते रहते हैं।

आर्मडीलो

ये एक दिन में 18-20 घंटे तक सोते हैं। अकेले रहने वाले आर्मडीलो रात के समय एक्टिव होते हैं और दिन में अपने बिल के अंदर जहां तक होता है, क्रॉल करते रहते हैं। ये कमजोर नजर वाले होते हैं। सूंघ कर अपने भोजन की तलाश करते हैं।

स्लोथ

दक्षिण और मध्य अमेरिका में पाए जाने वाले स्लोथ बहुत धीमी गति से अपने काम करते हैं। जमीन पर चलते और पेड़ पर चढ़ते वक्त ये एक मिनट में सिर्फ 15-20 सेमी ही आगे बढ़ पाते हैं। ये इतने आलसी होते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। स्लोथ दिन में अपने हाथों से पेड़ों की शाखाओं को घेरकर उलटे लटके रहते हैं। ऐसे ही ये लटके हुए 20 घंटे तक सोते रहते हैं।

ब्राउन बैट

ये उत्तरी अमेरिका में पाए जाते हैं। उलटे लटकने वाले ब्राउन बैट दिन में 20 घंटे सोते रहते है और रात को एक्टिव होते हैं।

गिलहरी

गिलहरी कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा से भरपूर खाना खाती है, जिससे इसे नींद ज्यादा आती है। ये टहनियों, पत्तों, फर और पंखों जैसी नरम चीजों से बनाए घोंसले में रहती है और दिन में करीब 14 घंटे सोती है।

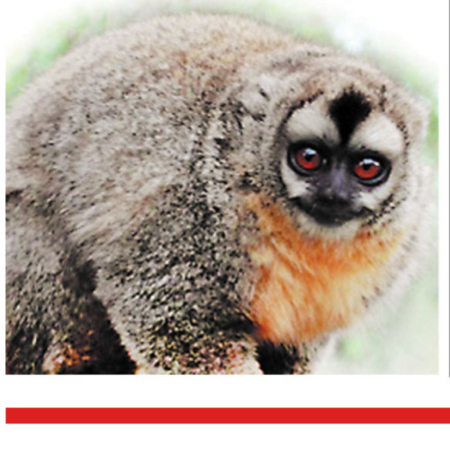

आउल मंकी

ये दक्षिण और मध्य अमेरिका के जंगलों में पाए जाते हैं और समूह में रहते हैं। आउल मंकी एक दिन में 17 घंटे सोते रहते हैं। ये रात के समय एक्टिव रहकर अपने सारे काम निपटा लेते हैं।

दरियाई घोड़े

अफ्रीका में पाए जाने वाले हिप्पो ऊंघने में मास्टर होते हैं। समूह में रहने वाले हिप्पो दिन के समय गर्मी से बचने के लिए पानी के नीचे या जमीन पर, जहां भी मौका मिलता है, झपकी ले लेते हैं। अपने समूह के साथ हिप्पो बेखौफ होकर दिन में 18-20 घंटे सोते हैं।

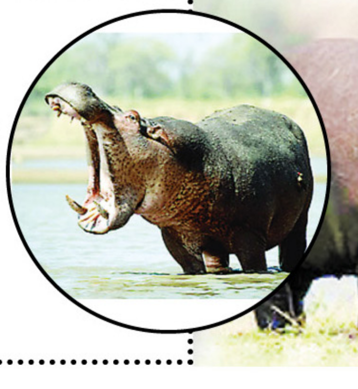

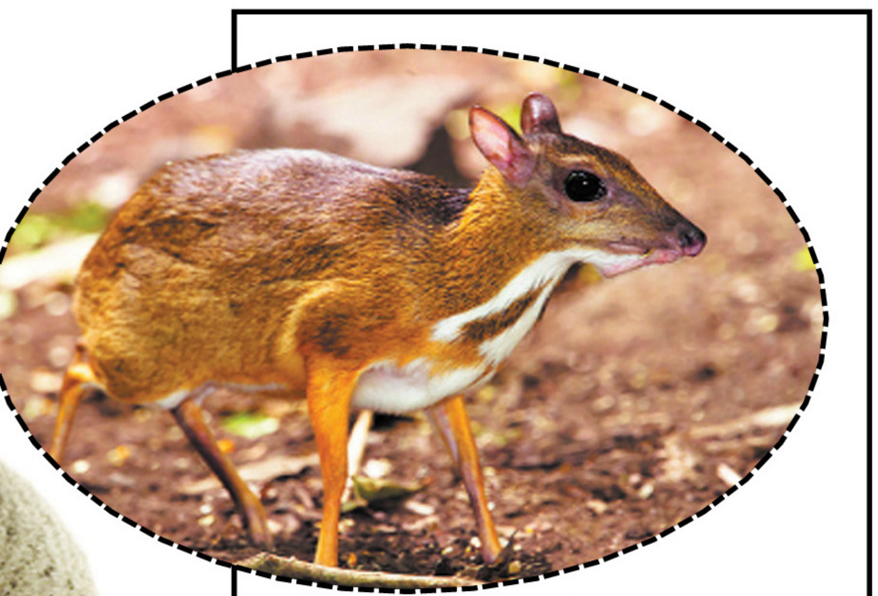

प्यारा और अनूठा माउस डियर

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है।

शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं। वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर (मरीज से)- कमजोरी है फल खाया करो छिलके सहित।
एक घंटे बाद..
मरीज- डॉक्टर साहब मेरा पेट दर्द हो रहा है।
डॉक्टर- क्या खाया था?
मरीज- नारियल छिलके सहित।

डॉक्टर मरीज के पीछे भाग रहा था।
एक आदमी ने पूछा क्या हुआ?
डॉक्टर- 4 बार ऐसा ही हुआ है ये आदमी ब्रेन का ऑपरेशन करवाने आता है और बाल कटवाकर भाग जाता है।

डॉक्टर- ये मर चुका है..
तभी मरीज बोल पड़ा- मैं जिंदा हूं..!
मरीज की पत्नी- तुम चुप रहो जी, हमेशा अपनी चलाते हो, इतना बड़ा डॉक्टर क्या झूठ बोलेगा?

रामू (डॉक्टर से)- डाक्टर साहब, ये फूलों की माला किस लिए है?
डॉक्टर (रामू से)- यह मेरा पहला ऑपरेशन है सफल हुआ तो मेरे लिए नहीं तो, तुम्हारे लिए।

दैनिक पंचांग

14 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.15 बजे से
चंद्र	सिंह में	मेष	07.46 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.26 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.24 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	13.37 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.53 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.05 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.16 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.31 ब.से
राहुकाल		धनु	00.47 बजे से
10.30 से		मकर	02.52 बजे से
12.00 बजे तक		कुंभ	04.38 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 73 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 12.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 06.20 बजे को समाप्त। **योग** शूल 13.24 बजे को समाप्त। **करण** बव 12.25 बजे तदनन्तर बालव 01.27 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 02° 31' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872283 **जूलियन दिन** 2460748.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रमजान **तारीख** 13 **विशेष** होली, चंद्र ग्रहण, फाल्गुन पूर्णिमा, मीना संक्रांति, लक्ष्मी जयंती, करादैयन नोम्बू।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

होली में राशि के अनुसार करें रंगों का प्रयोग

सनातन धर्म में होली को रंगों का पर्व माना जाता है जो जीवन मंश उत्साह का संचार करता है। मान्यता है कि रंग भी राशि से जुड़े होते हैं। ऐसे में होली में अगर हर कोई व्यक्ति अपनी राशि के अनुसार रंग का प्रयोग करता है तो वह उसे लिए अधिक लाभदायक रहता है। इससे पता चलता है कि कि कौन सा रंग उनके जीवन में खुशियों को लायेगा। राशि के अनुसार रंग के प्रयोग से जीवन में सकारात्मक रुख बनता है। ज्योतिष शास्त के अनुसार ऐसे में जातकों को अपनी अपनी राषियों के अनुरुप रंग का प्रयोग करना चाहिये।

लाल-मेष राशि के लोग साहसी और उत्साही होते हैं। होली में लाल रंग आपके लिए शुभ रहेगा। यह रंग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और आपके कार्यक्षेत्र में सफलता की नई ऊंचाइयां छूने में मदद करेगा। लाल रंग आपके जीवन में ऊर्जा और जोश भरने का काम करेगा, जिससे आपके रिश्ते भी मजबूत होंगे।

वृषभ

हरा-वृषभ राशि के लोग शांत, स्थिर और प्रेमपूर्ण होते हैं। हरे रंग का प्रभाव आपके जीवन में शांति और समृद्धि लेकर आएगा। यह रंग आपको मानसिक संतुलन देगा और आपकी वित्तीय स्थिति को भी मजबूत बनाएगा। हरा रंग आपके जीवन में प्रगति और संतोष का संचार करेगा।

मिथुन

पीला-मिथुन राशि के लोग परिवर्तनशील और जिज्ञासु होते हैं। पीला रंग आपके लिए उत्तम रहेगा क्योंकि यह आपके जीवन में नई संभावनाओं और अवसरों का रास्ता खोलेगा। यह रंग आपके मानसिक स्पष्टता को बढ़ाएगा और आपकी रचनात्मकता को जागृत करेगा। पीला रंग आपके जीवन में सकारात्मक विचारों और नई शुरुआत को आकर्षित करेगा।

कर्क

सफेद-कर्क राशि के लोग भावनात्मक और परिवारिक होते हैं। सफेद रंग आपके लिए बहुत शुभ रहेगा क्योंकि यह शांति, सफाई और प्यार का प्रतीक है। सफेद रंग आपके जीवन में शांति और स्थिरता लाएगा। यह रंग आपके रिश्तों में सामंजस्य और प्यार को बढ़ाएगा।

सिंह

सुनहरा-सिंह राशि के लोग आत्मविश्वासी और शाही होते हैं। सुनहरा रंग आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगा, क्योंकि यह सफलता, संपत्ति और सम्मान का प्रतीक है। यह रंग आपके जीवन में सफलता और प्रसन्नता लाएगा और आपको जीवन के हर क्षेत्र में चमकने का अवसर मिलेगा।

कन्या

नीला-कन्या राशि के लोग व्यावहारिक और शांति पसंद होते हैं। नीला रंग आपके लिए बहुत फायदेमंद रहेगा क्योंकि यह शांति, संतुलन और मानसिक शांति का प्रतीक है। नीला रंग आपके जीवन में खुशी और मानसिक संतुलन लाएगा। यह रंग आपके रिश्तों में भी स्थिरता और सुख बढ़ाएगा।

तुला

गुलाबी-तुला राशि के लोग सौम्य और संतुलित होते हैं। गुलाबी रंग आपके लिए खुशियों और प्रेम का प्रतीक है। यह रंग आपके जीवन में प्यार और खुशी लाएगा। गुलाबी रंग आपके रिश्तों में ताजगी और रोमांस का संचार करेगा, साथ ही आपके भीतर खुशी और संतुलन बनाए रखेगा।

वृश्चिक

बैगनी-वृश्चिक राशि के लोग शक्तिशाली और रहस्यमय होते हैं। बैगनी रंग आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगा क्योंकि यह रंग आपकी शक्ति, आकर्षण और आत्मविश्वास को बढ़ाता है। यह रंग आपके जीवन में नयापन और ऊर्जा लेकर आएगा, जिससे आप नए अवसरों का सामना बेहतर तरीके से कर सकेंगे।

धनु

नारंगी-धनु राशि के लोग स्वतंत्रता पसंद और रोमांचक होते हैं। नारंगी रंग आपके लिए बेहतरीन रहेगा क्योंकि यह ऊर्जा, उत्साह और साहस का प्रतीक है। नारंगी रंग आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा और आपकी कार्यक्षमता को बढ़ाएगा। यह रंग आपके भीतर नई ऊर्जा का संचार करेगा और आपकी यात्रा को सफलता की ओर ले जाएगा।

मकर

भूरा-मकर राशि के लोग मेहनती और व्यवस्थित होते हैं। भूरा रंग आपके लिए उत्तम रहेगा क्योंकि यह स्थिरता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। यह रंग आपके जीवन में मानसिक और वित्तीय संतुलन लाएगा। भूरा रंग आपके कार्य क्षेत्र में सफलता और आपकी मेहनत का फल देगा।

कुंभ

आसमानी नीला-कुंभ राशि के लोग स्वतंत्र विचारों वाले और सामाजिक होते हैं। आसमानी नीला रंग आपके जीवन में शांति और सृजनात्मकता लाएगा। यह रंग आपके कार्यक्षेत्र में नई और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देगा। आसमानी नीला रंग आपके व्यक्तित्व में सुधार लाएगा और आपको नए अवसरों का सामना करने में मदद करेगा।

मीन

हरा और नीला मिश्रित-मीन राशि के लोग संवेदनशील और सपने देखने वाले होते हैं। हरे और नीले रंगों का मिश्रण आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगा, क्योंकि यह रंग आपके जीवन में मानसिक शांति और संतुलन लाएगा। यह रंग आपके रिश्तों में सौहार्द और समझ को बढ़ाएगा, साथ ही आपको अपने सपनों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

होली को लेकर नई दुल्हन के लिए क्या हैं नियम

होली हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो खुशियों, रंगों और भाईचारे का प्रतीक है। इस दिन का इंतजार सभी लोग को रहता है। हिंदू धर्म में सभी त्यौहारों से जुड़ी बहुत सी मान्यताएं और परंपराएं होती। इसी तरह होली की एक मान्यता नई-नवेली दुल्हन से भी जुड़ी हुई है। हिंदु मान्यता के अनुसार, शादी के बाद नई दुल्हन की पहली होली अपने ससुराल में नहीं मानना चाहिए, बल्कि अपने मायके में ही मनानी चाहिए। ऐसा क्यों किया जाता हैं, हम आपकों इस रिपोर्ट में दे रहे जानकारी।

होली या होलिका दहन के समय सास-बहू का साथ में रहना सही नहीं माना जाता है। बताया जाता हैं कि नई दुल्हन को हमेशा अपनी पहली होली अपने मायका में बनाना चाहिए। मान्यता के अनुसार जब सास -बहू साथ में होलिका दहन देखती हैं या होली के दिन साथ में रंग खेलती है, तब घर में लड़ाई झगड़े की शुरुआत होती है। इससे घर का माहौल बहुत खराब हो सकता है और घर में हमेशा अशांति रहती है।

जब नई दुल्हन अपने मायका होली मनाती है, तब पति भी उनके साथ उनके घरवालों को होली की शुभकामनाएं देने जाता है। जिसके कारण पति पत्नी के बीच और प्यार बढ़ जाता हैं और सबके साथ रिश्ते भी मजबूत होते है।

कुछ लोगों का मानना है कि जब नई दुल्हन अपनी पहली होली अपने घर मनाने जाती है, तब उनकी संतान बहुत सुंदर और सुशील होती है। जो उनके भविष्य के लिए बहुत अच्छा है।

नई दुल्हन को पहली होली अपने मायका में इसलिए भी खेलनी चाहिए क्योंकि,वे अपने ससुराल में सास-ससुर और रिश्तेदार के साथ होली खेलने में थोड़ा झिझकती है। जिसके कारण वह होली नहीं खेल पाती है। इसलिए वह अपनी पहली होली अपने परिवार में खेलना पसंद करती है।

छत्रप सत्ता में पहुंचने के बाद कांग्रेस को कमजोर करते हैं

तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनी। सरकार बनने के बाद वहां पर तीन सीटों पर विधान परिषद के चुनाव हुए। कांग्रेस पार्टी इन तीनों सीटों पर चुनाव हार गई। कांग्रेस का जो भी मुख्यमंत्री बनता है। वह अपने कार्यकाल में संगठन को मजबूत करने के लिए कोई काम नहीं करता है। केंद्र को कमजोर करने के लिए राज्य में कांग्रेस को कमजोर करता है। सौदेबाजी करके ज्यादा समय तक सत्ता में बने रहने के लिए कांग्रेस के छत्रप कांग्रेस को दांव पर लगाते हैं। अपनी निजी हैसियत को बढ़ाते हैं। बाद में क्षेत्रीय पार्टी बनाकर कांग्रेस के लिए चुनौती बनते हैं। यही कांग्रेस का इतिहास कई दशकों से देखने को मिल रहा है। तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल में यही हो रहा है। संगठन कमजोर है। सत्ता में बैठे हुए कांग्रेस के मंत्री संत्री मजबूत हैं। राहुल गांधी की लोकप्रियता का लाभ उठाना सभी चाहते हैं। लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस को कमजोर करने का कोई मौका छत्रप नहीं छोड़ते हैं। हाईकमान मजबूत होगा, तो छत्रप कमजोर होंगे।

पाकिस्तान सरकार को पसीना क्यों आया

पाकिस्तान सरकार इन दिनों अपने ही देश के लोगों से खासी परेशान होती नजर आ रही है। एक तरफ इमरान खान जैसी विपक्षी परेशान करे हुए हैं तो दूसरी तरफ बलूचिस्तान के सक्रिय बीएलए गुट सरकार को न रात में चैन लेने दे रहा और दिन में ही सुकून से रहने दे रहा है।

बलूचिस्तान में ट्रेन हाईजैक के बाद तो पाकिस्तान सरकार से कुछ भी बोलते नहीं बन रहा है। ऐसे में पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि जाफर एक्सप्रेस का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के सभी 33 विद्रोहियों को मार गिराया गया और 122 बंधकों को सुरक्षित छुड़ा लिया गया। इससे पहले बीएलए ने 21 यात्रियों की हत्या कर दी थी, जिसमें 4 सैनिक भी शामिल थे। वैसे इस कार्रवाई से पहले 200 ताबूत भी भेजे जाने की बात सामने आई थी, इसलिए इस मामले में अभी सच्चाई आना बाकी है। जानकार बताते हैं कि जाफर एक्सप्रेस में 440 यात्री थे बाकी का क्या हुआ, सरकार को जवाब तो देना ही होगा। इसलिए अब पाकिस्तान सरकार को पसीना आ रहा है।

रान्या मामले में कर्नाटक सरकार की पलटी

अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोना तस्करी मामले में कर्नाटक सरकार ने सीआईडी जांच के आदेश को वापस लेने की बात कही है। सरकार के इस तरह फैसला पलटने से एक नया विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल सवाल किया जा रहा है कि दो दिन पहले ही सरकार ने पुलिस प्रोटोकॉल उल्लंघन का हवाला देकर सीआईडी जांच का निर्देश दिया था, फिर अचानक ऐसा क्या हुआ कि सरकार ने अपने ही आदेश को पलट दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एयरपोर्ट पर पुलिसकर्मियों द्वारा लापरवाही बरतने और रान्या राव को प्रोटोकॉल सुविधाओं का अनुचित लाभ देने के आरोप लगे थे। इसके बाद सरकार ने सीआईडी जांच के आदेश जारी किए थे। अब जबकि कर्नाटक सरकार ने अपने नए आदेश में कहा है कि रान्या राव की विदेश यात्राओं से जुड़ी पुलिस की चूक की जांच अब सीआईडी नहीं करेगी। इसके बजाय, अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्हें डीजीपी (पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन) के. रामचंद्र राव की संलिप्तता की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी के साथ कहा गया है कि जांच रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर सौंपनी होगी। सवाल यह भी है कि सरकार को पहले ही ऐसा करने से कौन रोक रहा था, जो कि सीआईडी जांच के आदेश दे दिए थे, जिसे पलटना पड़ गया।

अभिनेत्री को किया परेशान इसलिए अब ये आईपीएस अधिकारी हो रहे हलाकान

वॉलिबुड अभिनेत्री और मॉडल कादंबरी नरेंद्र कुमार जेठवानी को परेशान करने के आरोप में 03 आईपीएस अधिकारियों के निलंबन की अवधि को बढ़ा दिया गया है। आंध्र प्रदेश सरकार ने विशाल गुन्नी, कांति रतन टाटा और पी. सीताराम अंजनेयुलु का निलंबन 06 माह के लिए और बढ़ा दिया है। दरअसल अभिनेत्री कादंबरी के खिलाफ दर्ज एक मामले में तीनों आईपीएस अधिकारियों ने समुचित जांच में जल्दबाजी दिखाते हुए उन्हें गिरफ्तार किया था। इसके बाद 15 सितंबर 2024 को सरकार ने इन तीनों अधिकारियों को निलंबित कर दिया। अब सरकार ने इनका निलंबन 180 दिन (9 सितंबर 2025 तक) या अगले आदेश तक के लिए बढ़ा दिया है। आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव के. विजय आनंद ने आदेश जारी कर दिया है, जिससे इन अधिकारियों की परेशानी और बढ़ने जा रही है।

होलिका दहन पर किये गये उपायों से होती है जीवन की बाधाएं दूर

सनातन धर्म में होली के त्योहार का विशेष महत्व है। होली का पर्व फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। मान्यता है कि होली पर किए गए उपाय जल्द सिद्ध हो जाते हैं। इससे जातक को जल्दी फल की प्राप्ति होती है। ज्योतिष शास्त्र में भी बताया गया है कि होली के दिन कुछ छोटे-छोटे उपाय करने से व्यक्ति के जीवन में खुशियां आती हैं।

होलिका दहन के समय अपने घर की नजर उतारकर शरीर पर उबटन लगाएं। फिर इसको होलिका में जलाने से नकारात्मक उर्जा दूर होती है। वहीं घर, दुकान, कार्यालय की नज़र उतार कर होलिका की आग में जलाने से लाभ मिलता है।

वहीं अगर आप कर्ज या फिर किसी तरह के अज्ञात भय के परेशान हैं, तो होलिका दहन के दिन नरसिंह स्त्रोत का पाठ करें। यह लाभकारी होगा। रात के समय होलिका में नारियल दहन करें। इस उपाय को करने नौकरी में आने वाली बाधाएं दूर हो जाएंगी।

अगर कोई व्यक्ति लंबे समय से किसी बीमारी से परेशान है, तो होलिका दहन के बाद बची हुई राख को मरीज के सोने वाली जगह पर छिड़ने से जल्द लाभ मिलेगा। किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए होलिका दहन में पानी वाला नारियल और सुपारी अर्पित करें। इससे आपके कार्य सफलतापूर्वक होने लगेंगे। अगर आप अनावश्यक खर्चों से परेशान हो गए हैं, तो होलिका दहन के दूसरे दिन होलिका की राख को लाल रंग के रूमाल बांध दें। फिर इस रुमाल को अपने घर के धन स्थान पर रख दें। इस उपाय को करने से अनावश्यक खर्च रुक जाएंगे। इसके अलावा होलिका दहन के दिन शिवलिंग पर गोमती चक्र अर्पित करने से व्यापार में लाभ प्राप्त होता है।

संक्षिप्त समाचार

भारत में 78% एम्प्लॉयर ब्लू-कॉलर रोल्स के लिए अधिक महिलाओं को नियुक्तकरने की योजना बना रहे

नई दिल्ली । भारत में लगभग ७८ प्रतिशत एम्प्लॉयर २०२५ में ब्लू-कॉलर रोल्स के लिए अधिक महिलाओं को नियुक्त करने की योजना बना रहे हैं, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या ७३ प्रतिशत थी। गुरुवार को जारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

जॉब प्लेटफॉर्म इनडीड की रिपोर्ट के अनुसार, देश में ब्लू-कॉलर जॉब्स में २० प्रतिशत महिलाएं हैं। रिटेल और हेल्थकेयर में महिलाओं का प्रतिनिधित्व ३२ प्रतिशत है, जो कि सबसे ज्यादा है। जबकि बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस (बीएफएसआई), इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) और टेलीकम्युनिकेशन जैसी इंडस्ट्री में महिलाओं की संख्या १० प्रतिशत से भी कम है। महिलाओं द्वारा अधिक ब्लू-कॉलर नौकरियों की तलाश करने का एक प्रमुख कारण फाइनेंशियल स्वतंत्रता है रिपोर्ट के अनुसार, कुछ सेक्टर ने बेहतर प्रगति की है क्योंकि एम्प्लॉयर (नियोक्ता) देश के ब्लू-कॉलर वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी को बदलने के लिए एक मजबूत इरादा दिखा सकते हैं। अधिक महिलाओं द्वारा ब्लू-कॉलर नौकरियों की तलाश करने का एक प्रमुख कारण फाइनेंशियल स्वतंत्रता है। करीब ७० प्रतिशत महिलाओं ने माना कि ये उन्हें भविष्य के लिए प्रेरित करेगा।

होली पर कोटा में विराट नगर संकीर्तन परिक्रमा निकाली गई

कोटा । कोचिंग नगरी कोटा शहर के रंगबाड़ी स्थित बांके बिहारी मंदिर में फागोत्सव की धूम है। गुरुवार को होली पर राधा कृष्ण मंदिर तलवंडी से बांके बिहारी मंदिर रंगबाड़ी धाम तक फाग उत्सव व विराट नगर संकीर्तन परिक्रमा निकाली गई। करीब ६ किलोमीटर की परिक्रमा में भक्त डीजे व बैंडबाजे की धुन पर नाचते गाते चले। भजन मंडलियां भी कीर्तन करते हुए निकली। विराट नगर संकीर्तन परिक्रमा का जगह जगह स्वागत हुआ।

इसके पहले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला सुबह तलवंडी स्थित राधा कृष्ण मंदिर पहुंचे। पूजा अर्चना के बाद नगर संकीर्तन में शामिल हुए। नगर संकीर्तन में मंत्री मदन दिलावर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा भी मौजूद रहे। परिक्रमा मार्ग पर १५० से अधिक स्वागत द्वार लगाए गए। जहां अलग अलग संस्थाओं व संगठनों ने भक्तों का फूलों की वर्षा कर स्वागत किया। वहीं पानी की बौछार की।

महाकुंभ में अनियमितताओं की जांच कराने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित

प्रयागराज,। इलाहाबाद होईकोर्ट ने हाल ही में खत्म हुए महाकुंभ में कथित अनियमितताओं की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग करने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

इस जनहित याचिका में संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट तलब करने की मांग की गई है। होईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने केशर सिंह और अन्य लोगों की ओर से दायर जनहित याचिका पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया।

स्टारलिंक का रेल मंत्री ने किया स्वागत कहा- रेल परियोजनाओं में मिलेगी मदद

नई दिल्ली,। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक का भारत में स्वागत किया है और कहा कि इससे दूरदराज के इलाकों में रेलवे परियोजनाओं को मदद मिलेगी। रेल मंत्री वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि स्टारलिंक, भारत में आपका स्वागत है। इससे दूरदराज के क्षेत्रों की रेलवे परियोजनाओं को मदद मिलेगी। वैष्णव सूचना एवं प्रसारण के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री भी हैं उनकी यह टिप्पणी उद्योगपति मुकेश अंबानी की 'जियो प्लेटफॉर्म्स' और सुनील मित्तल की 'भारती एयरटेल' के साथ दो अलग-अलग समझौते के बाद आई है। ये समझौते एलन मस्क के नेतृत्व वाली कंपनी स्पेसएक्स द्वारा भारत में स्टारलिंक की ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं देने के लिए किए गए हैं। स्टारलिंक के भारत में आने से गांवों और दूर दराज में रहने वाले लोगों का इंटरनेट सुविधा मिलने में आसानी होगी।

यूपी पुलिस सिपाही अभ्यर्थियों को होली गिफ्ट, ६०,२४४ पदों पर भर्ती की मैरिट सूची जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने होली के मौके पर सिपाही भर्ती परीक्षा २०२३ के अभ्यर्थियों को बड़ी खुशखबरी दी है। ६०,२४४ पदों पर हुई सिपाही भर्ती की मैरिट सूची जारी की गई है। चयनित उम्मीदवार अब आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी मैरिट देख सकते हैं।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जारी लिस्ट के अनुसार, सामान्य कैटेगरी में २४१०२ उम्मीदवारों का चयन हुआ है। इस तरह ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में ६०२४, ओबीसी में १६२६४, एससी में १२६५० और एसटी कैटेगरी में १२०४ उम्मीदवारों का चयन हुआ है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष राजीव कृष्ण ने सभी सफल अभ्यर्थियों को होली की शुभकामनाओं के साथ बधाई देकर कहा कि यह भर्ती प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई है।

राम मंदिर परिसर की सुरक्षा होगी और पुख्ता, चार किलोमीटर लंबी दीवार और गिलहरी की मूर्ति होगी स्थापित

अयोध्या । राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। परिसर की चार किलोमीटर लंबी परिधि में १४ से १६ फीट ऊंची दीवार बनाई जाएगी, जिसके ऊपर तीन फीट का स्टील वायर भी लगाया जाएगा। यह दीवार परिसर की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करेगी, खासकर आतंकी धमकियों और हमलों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

इस दीवार के निर्माण से परिसर को जल, थल और नभ से सुरक्षित किया जाएगा।

मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि यह दीवार सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण होगी और इसके निर्माण में लगभग एक साल का समय लग सकता है। इसके अलावा राम जन्मभूमि परिसर में अंगद टीला के पास गिलहरी की मूर्ति भी स्थापित की जाएगी। रामचरितमानस के अनुसार, त्रेतायुग में गिलहरी ने भी राम के काज में अपना योगदान दिया था। उसी भावना को सम्मानित करते हुए यह मूर्ति स्थापित की जाएगी। मंदिर निर्माण समिति ने इस परियोजना को लेकर ट्रस्ट की अगली बैठक में सहमति की योजना बनाई है। सुरक्षा और श्रद्धा के प्रतीक के रूप में इन महत्वपूर्ण बदलावों के साथ, राम मंदिर परिसर अब और भी सुरक्षा-पूर्ण स्थल बनेगा।

(देहरादून) मुख्यमंत्री आवास में होली मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन

सीएम योगी ने लाउडस्पीकरों के इस्तेमाल को लेकर स्थायी समाधान निकालने के निर्देश दिए

वाराणसी,। वाराणसी में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों के इस्तेमाल को लेकर स्थायी समाधान निकलने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, उन्होंने होली पर डीजे की तेज आवाज पर भी सख्त दिखाने की बात कही हैं।

बता दें कि योगी सरकार द्वारा धार्मिक स्थलों से अनावश्यक लाउडस्पीकरों को हटाने की मुहिम जारी है। अप्रैल २०२२ से यूपी में व्यापक अभियान चलाकर लाउडस्पीकर उतारे जा रहे हैं। लखनऊ मेरठ, मुरादाबाद, रामपुर, वाराणसी, गोरखपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में यह कार्रवाई की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी ने वाराणसी में बैठक के दौरान होली जैसे त्यौहारों पर डीजे के तेज शोर पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि धार्मिक और सार्वजनिक आयोजनों में ध्वनि स्तर को तय मानकों के अनुरूप रखा जाए, ताकि किसी को असुविधा न हो और कानून व्यवस्था बनी रहे। मुख्यमंत्री योगी ने वाराणसी में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक के दौरान होली और होलिका दहन को लेकर विशेष सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शोभायात्राओं, सार्वजनिक कार्यक्रमों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर पूरी सतर्कता रखे। सीएम योगी ने बेहतर ट्रैफिक और क्राउड मैनेजमेंट के भी निर्देश दिए हैं, ताकि होलिकोत्सव के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। उन्होंने पुलिस प्रशासन से जनता, श्रद्धालुओं और दर्शनार्थियों के साथ शालीन व्यवहार करने को कहा है।

मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए थाना-स्तर पर टॉप-१० अपराधियों की सूची तैयार कर उन पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। उन्होंने नियमित पुलिस पेट्रोलिंग और फुट पेट्रोलिंग को अनिवार्य करने पर भी जोर दिया। योगी ने निर्देश दिया कि पुलिस बूथों और पिंक बूथों पर हर समय पुलिस बल की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

दिल्ली से दो नाबालिगों समेत २४ अवैध बांग्लादेशी प्रवासी हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली,। दिल्ली पुलिस ने एक सप्ताह तक चले अभियान में दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली से दो नाबालिगों समेत २४ अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दक्षिण दिल्ली से १३ बांग्लादेशी नागरिकों और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली से दो नाबालिगों समेत ११ अवैध प्रवासियों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि अभियान ६ मार्च को शुरू किया गया था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिल्ली की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के निर्देश के कुछ दिनों बाद यह कार्रवाई की गई। संयुक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिणी रेंज) ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों के पास बांग्लादेश सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय पहचान पत्र मिले हैं। उन्होंने बताया कि भारत में प्रवेश करने के बाद अवैध प्रवासियों ने स्थानीय संपर्कों का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से भारतीय पहचान दस्तावेज हासिल किए हैं। जाली दस्तावेजों को अब रद्द करने के लिए संबंधित अधिकारियों को भेजा जा रहा है।

अधिकारी ने बताया कि भारतीय पहचान पत्र हासिल करने में अवैध प्रवासियों की मदद करने वाले स्थानीय लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। हिरासत में लिए गए लोगों को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के जरिए से निर्वासित करने की प्रक्रिया जारी है। अधिकारी ने बताया कि प्रवासी पश्चिम बंगाल में बेनापोल और हकीमपुर सीमा के रास्ते भारत में घुसे और फिर ट्रेन से दिल्ली पहुंचे। बांग्लादेशियों के अवैध प्रवेश और ठहरने में मदद करने वाले लोगों और नेटवर्क का पता लगाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि हिरासत में ली गई महिलाएं दक्षिण दिल्ली के सीआर पार्क जैसे बंगाली बहुल इलाकों में घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती थीं, जबकि पुरुष मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र में काम करते थे।

हमने खेल के लिए संघर्ष किया, सरकार ने फिर उन्हीं हाथों में खेल को सौंप दिया

विनेश फोगाट ने विधानसभा में कहा- मैं यहां पर दुख और गर्व दोनों से भरी हूं

नई दिल्ली,। कुश्ती संघ से प्रतिबंध हट गया जिससे खेल मंत्रालय के फैसले पर अब राजनीति होने लगी है। कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने इस फैसले को षड्यंत्रों के खत्म होने से जोड़ा है तो वहीं आंदोलन करने वालीं विनेश फोगाट फिर हमलावर हो गई हैं। फोगाट का कहना है कि हमने खेल को बचाने के लिए संघर्ष किया था, लेकिन सरकार ने फिर से खेल को बृजभूषण जैसे इंसान के हवाले कर दिया।

पहलवान से नेता बनीं विनेश फोगाट ने हरियाणा विधानसभा में कहा कि मैं यहां पर दुख और गर्व दोनों से भरी हुई हूं। कई विधायकों और मंत्रियों का कहना है कि उनकी सरकार ने खेल के लिए बहुत कुछ किया। मैं दुख के साथ कहती हूं कि हमने दो साल तक सड़कों पर संघर्ष किया। हम कुश्ती के खेल को बचाने के लिए लड़े, लेकिन अब दो साल पहले आपकी पार्टी ने खेल को फिर से उन्हीं के हाथों में सौंप दिया।

जुलाना सीट से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने सीधे तौर पर बृजभूषण शरण सिंह का नाम नहीं लिया, लेकिन इशारा उनकी ओर ही था। दरअसल कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह हैं, जो बृजभूषण के करीबी हैं।

फोगाट ने विधानसभा से निकलकर भी इस पर बात की। उन्होंने कहा कि संजय सिंह तो कुश्ती महासंघ में एक डमी है। असली कमान तो अब भी बृजभूषण के पास ही है। करीब दो साल से कुश्ती महासंघ पर बैन लगा था, जिसे इसी सप्ताह हटा दिया गया है। मंत्रालय ने गवर्नेंस का मसला बताते हुए महासंघ को २४ दिसंबर, २०२३ को निलंबित कर दिया था। इसके बाद चुनाव हुए तो बृजभूषण पर रोक लगा दी गई। यह भी कहा गया है कि बृजभूषण और उनका कोई करीबी फेडरेशन के इलेक्शन से दूर रहेगा। बृजभूषण और उनके परिवार के लोग इस इलेक्शन से दूर रहे, लेकिन उनके करीबी संजय सिंह उतरे। उन्हें कुश्ती संघ का अध्यक्ष चुना गया।

बता दें बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए दिल्ली में धरना दिया था। इस मामले में बीजेपी के पूर्व सांसद के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज है और ट्रायल चल रहा है। हालांकि बृजभूषण अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज करते रहे हैं। उनका कहना है कि खेल में उनकी ताकत और ईमानदारी को देखते हुए कुछ लोगों ने उनके खिलाफ साजिश रची है।

संसदीय कार्य मंत्री महीपाल ढांडा ने विनेश फोगाट से कहा कि हम आपका किसी पार्टी की नेता के तौर पर सम्मान नहीं करते। आपके सम्मान की वजह है कि देश का मान आपने बढ़ाया है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि आप कुछ भी कहें। इस पर विनेश फोगाट ने कहा कि हमने किसी पार्टी के चलते बृजभूषण के खिलाफ संघर्ष नहीं किया। हमारी कोशिश थी कि खिलाड़ियों की आवाज उठाएं और खेल की रक्षा की जाए, लेकिन आज उस खेल को उन्हीं के हाथों में सौंप दिया गया है, जिनसे खेल को खतरा है। इस दौरान विनेश फोगाट ने हरियाणा सरकार से अपील की कि वे खिलाड़ियों के लिए कदम उठाएं।

राज्यव्यापी भूमि सर्वेक्षण प्रकिया जुलाई से बढ़ाकर दिसंबर २०२६ की गई

पटना,। बिहार सरकार ने राज्यव्यापी भूमि सर्वेक्षण को पूरा करने की समय सीमा जुलाई से बढ़ाकर दिसंबर २०२६ कर दी है। सर्वेक्षण प्रक्रिया के दौरान लोगों को होने वाली असुविधाओं को कम करने और भूमि संबंधी कार्यों का सुचारू और अधिक सटीक निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए निर्णय लिया है। बिहार राज्य के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि राज्यव्यापी भूमि सर्वेक्षण की समय सीमा दिसंबर २०२६ तक बढ़ा दी है। उन्होंने राजस्व और भूमि सुधार विभाग के लिए १,९५५.९८ करोड़ के बजट प्रस्तावों पर चर्चा समाप्त कर यह बयान दिया।

मंत्री सरावगी ने कहा कि विभाग ने राज्य भर में भूमि के सर्वेक्षण और बंदोबस्त के चल रहे काम को पूरा करने के लिए जुलाई २०२६ की समय सीमा को पांच माह बढ़ाने का फैसला हुआ है। अब यह कवायद दिसंबर २०२६ तक पूरी होगी। यह निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए है कि लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो और इस कवायद में पारदर्शिता भी बनी रहे। नीतिश के मंत्री ने कहा कि भूमि सर्वेक्षण कवायद का उद्देश्य डिजिटल भूमि रिकॉर्ड उपलब्ध कराकर वास्तविक भूमि मालिकों की सहायता करना है, इससे भूमि विवादों का स्थायी समाधान होगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, कवायद से सरकार को राज्य भर में फैली अपनी जमीन के बारे में जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि नीतिश सरकार को भूमिहीनों को देने और कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए भी जमीन की जरूरत है।

मंत्री ने विधानसभा में कहा कि भूमि मालिकों के लिए अपनी ज़मीन से संबंधित स्व-घोषणा दस्तावेज़ अपलोड करने की समय सीमा ३१ मार्च, २०२५ है। उन्होंने कहा, सर्वर में कुछ तकनीकी गड़बड़ियाँ थीं... विभाग यह तय करेगा कि स्व-घोषणा दस्तावेज अपलोड करने की ३१ मार्च, २०२५ की समय सीमा बढ़ाई जानी चाहिए या नहीं। राज्य सरकार द्वारा भूमिहीन लोगों को भूमि वितरण में कथित देरी को लेकर विपक्ष ने सदन से वॉकआउट किया।

लीलावती हॉस्पिटल में होता था काला जादू, हड्डियों और बाल से भरे ८ कलश मिले

मुंबई । मुंबई के मशहूर लीलावती हॉस्पिटल के मौजूदा ट्रस्टी ने पूर्व ट्रस्टियों पर १५०० करोड़ की हेराफेरी का आरोप लगा दिया है। अस्पताल का मैनेजमेंट लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट के हाथों में है। ट्रस्ट का दावा है कि अस्पताल परिसर में काला जादू होता था। उन्हें हड्डियों और बाल से भरे ८ कलश मिले हैं। अस्पताल के वित्तीय रिपोर्ट में ये बातें सामने आईं हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रस्ट ने बांद्रा मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद पूर्व ट्रस्टियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करावा दी है।

दरअसल लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट के संस्थापक किशोरी मेहता २००२ में बीमार चल रहे थे। इलाज के लिए वे विदेश गए। इस दौरान उनके भाई विजय मेहता ने ट्रस्ट का कार्यभार संभाला। आरोप है कि विजय ने दस्तावेजों की जालसाजी करके अपने बेटे और भतीजों को ट्रस्टी बनाकर किशोरी मेहता को स्थायी ट्रस्टी से हटा दिया।

२०१६ में किशोरी मेहता फिर ट्रस्टी बने। ८ साल तक उन्होंने इसकी जिम्मेदारी संभाली। २०२४ में किशोरी मेहता की मृत्यु के बाद उनके बेटे प्रशांत मेहता स्थायी ट्रस्टी बने और उन्होंने अस्पताल के वित्तीय रिकॉर्ड का ऑडिट करवाया। जिसके बाद ये पूरा घोटाला सामने आया। ट्रस्टी प्रशांत ने बताया कि हमारे दवारा चेतन दलाल इन्वेस्टिगेशन एंड मैनेजमेंट सर्विसेज और एडीबी एंड एसोसिएट्स को फोरेंसिक ऑडिटर नियुक्त किया। ऑडिटर्स ने पांच से ज्यादा रिपोर्ट तैयार कीं। इसमें सामने आया कि पूर्व ट्रस्टियों ने १५०० करोड़ रुसे ज्यादा की हेराफेरी की। यह पैसा पूर्व ट्रस्टियों ने गबन किया है, जिनमें से ज्यादातर एनआरआई दुबई और बेल्जियम के रहने वाले हैं। अस्पताल में काला जादू होने की बात दिसंबर २०२४ में सामने आई थी। प्रशांत ने बताया कि कुछ पूर्व कर्मचारियों ने उन्हें इसके बारे में बताया। इसके बाद कैंपस में फर्श तोड़ा गया। फर्श के अंदर ८ कलश मिले। इसमें इंसान की हड्डियां, खोपड़ी, बाल और चावल के दाने मिले। प्रशांत ने कहा, इस तरह का काला जादू पूर्व ट्रस्टियों के कार्यकाल के दौरान हुआ था।

अजब-गजब जीव-जंतु

दुनिया में बहुत सारे ऐसे जीव-जन्तु हैं, जो अलग हैं। किसी में सूंघने की गजब की क्षमता होती है तो कुछ काफी समय तक बर्फ के अन्दर जीवित रह सकते हैं। इन्हीं खूबसूरत और आकर्षक प्राणियों की दुनिया में चलते हैं...

स्नोई आउल

बर्फ जैसे सफेद रंग में रंगे इस आउल को इसी रंग की वजह से स्नोई आउल कहा जाता है। यह हमेशा बर्फीले इलाके और टुंड्रा प्रदेश में पाया जाता है। खासतौर से आर्कटिक, कनाडा, उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया में यह मिलता है।

स्नोई आउल है खास

- सामान्य रूप से इसका आकार 52 से 71 सेमी का होता है।
- मादा स्नोई आउल की अपेक्षा नर अधिक सफेद और सुंदर दिखता है।
- सामान्य तौर पर उल्लू दिन में सोता है और रात को जागता है, लेकिन स्नोई आउल को दिन में भी आसानी से दिखाई देता है और यह पूरे दिन आसानी से अपना सभी काम करता है।
- यह अपनी एक्सलेंट आईसाइट (देखने की क्षमता) की वजह से एक अलग पहचान रखता है।

अंगोरा रैबिट

अंगोरा रैबिट सबसे पुराने पालतू खरगोशों में से एक है। इसके शरीर पर सफेद रंग के काफी बड़े-बड़े घने मुलायम और सिल्की रोएं होते हैं। रोएं इतने बड़े और घने होते हैं, जिनकी वजह से इसका पूरा शरीर उन्हीं से ढंका रहता है।

अंगोरा है सबसे प्यारा

- इसकी कई प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें से जिआंट, सैटिया, इंग्लिश और फ्रेंच अंगोरा रैबिट सबसे अधिक पाए जाते हैं।
- अंगोरा रैबिट का वजन 2 से 5.5 कि.ग्रा. तक होता है।
- इसके रोएं से सिल्की कपड़े और शॉल बनाए जाते हैं।
- घने और बड़े रोएं की वजह से अंगोरा रैबिट टैडी बियर के जैसा दिखता है।
- अंकारा में ये सबसे पहले मिले। अंकारा को पहले अंगोरा नाम से जाना जाता था, इसी वजह से इसे अंगोरा कहा जाता है।

मैंडरिन फिश

मछलियों की खूबसूरत और आकर्षक प्रजातियों में से एक है मैंडरिन फिश। दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया में इसकी उत्पत्ति का स्थान है। नीले और हरे रंग की मछली के ऊपर नारंगी रंग की धारी से सजी खूबसूरती और चमकीले लाल रंग की पूंछ को देखकर कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल बन जाता है।

क्यों है मैंडरिन अलग

- मैंडरिन फिश में नर फिश मादा से बड़ी होती है।
- यह जोड़े या समूह में पाई जाती है।
- इसका आकार काफी छोटा होता है। सामान्य रूप से 6 से.मी. के आकार की मछली पाई जाती है।
- इस खूबसूरत मछली को कम ही देखा जाता है। पानी की गहराइयों में रहने की वजह से यह कम ही दिखाई पड़ती है।
- अपनी खूबसूरती और अलग रंग की वजह से यह समुद्र में अन्य मछलियों के साथ होते हुए भी आसानी से पहचान में आ जाती है।

स्नो लेपर्ड

यह लेपर्ड बर्फीले इलाके में पाया जाता है। वैसे तो यह बर्फीले इलाके में रहना पसंद करता है, लेकिन ठंड के दिनों में बर्फीले इलाके से सटे जंगलों की ओर भी रुख कर लेता है। वैसे तो यह मांसाहारी प्राणी है और अपने शिकार के रूप में जीव-जंतुओं को खाता है, लेकिन कभी-कभी जरूरत पड़ने पर यह घास को भी अपना भोजन बनाता है।

यह इसलिए है खास

- सामान्य तौर पर इसका वजन 27 से 55 किग्रा तक होता है। कुछ गिने-चुने स्नो लेपर्ड का वजन 75 किग्रा तक होता है। इसकी पूंछ 75 से 130 सेमी लंबी होती है।
- सामान्य तेंदुआ या बाघ दहाड़ के लिए जाने जाते हैं, लेकिन स्नो लेपर्ड दहाड़ नहीं सकता है।

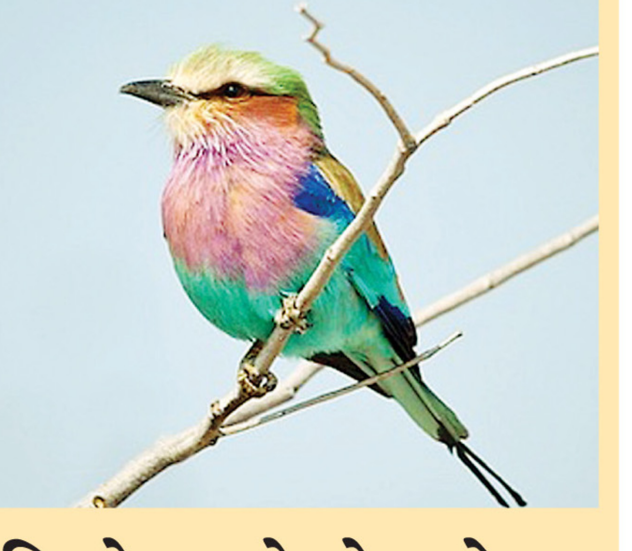

लिलेक-ब्रेस्टेड रोलर

दुनिया की सबसे खूबसूरत चिड़ियों में से एक है लिलेक-ब्रेस्टेड रोलर। यह रोलर फैमिली ऑफ बड्र्स की सदस्य है। अफ्रीका, पूर्वी और दक्षिणी अरब, इथोपिया, उत्तर पश्चिमी सोमालिया में यह काफी संख्या में पाई जाती है। रोल-रोल डांस करने की वजह से ही इसे लिलैक-ब्रेस्टेड रोलर बर्ड कहा जाता है। सूखे पेड़ों की ऊंचाई पर रहना इसे पसंद है। हरे और पीले रंगों में रंगे इस पक्षी के स्कल्पचर और पीठ का रंग भूरा और बैंगनी होता है।

लिलेक की खूबियां

- सामान्य आकार में यह 14.5 इंच की पाई जाती है। इसका सिर बड़ा, गर्दन और पैर छोटे होते हैं।
- यह उड़ते हुए बेहद खास तरीके से घूम-घूमकर (रोल-रोल) बेले डांस करती है।
- बोत्सवाना और केन्या की राष्ट्रीय पक्षी है यह। यह अपना घोंसला खुद नहीं बनाती। या तो सूखे पेड़ की कोटरों में रहती है या किंगफिशर और कठफोड़वे द्वारा बनाए हुए घोंसले में रहती है।

भोजन साफ करने के बाद ही खाता है रैकून

पनामा तथा दक्षिण कनाडा में पानी के समीप जंगलों, झीलों व झरनों के किनारों पर पाए जाने वाले जानवर 'रैकून' में कई ऐसी विशेषताएं देखने को मिलती हैं, जो इसे दूसरे जानवरों से अलग श्रेणी में रखती हैं। विश्वभर में इस अनोखे जानवर पर अब तक अनेक शोध हो चुके हैं और वैज्ञानिक आज भी इस पर लगातार शोध कर रहे हैं किन्तु अभी तक वैज्ञानिक रैकून के बारे में ज्यादा कुछ पता लगाने में सक्षम नहीं हो पाए हैं। रैकून नामक इस जानवर की एक खासियत तो यह है कि यह रात के समय जागता है और दिन में सोता है लेकिन इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका भोजन करने का सभ्य तरीका है। यह अपने भोजन को पटक-पटक कर साफ करने के बाद ही खाता है। रैकून के आगे के पैर इंसानों के पैरों की भांति ही होते हैं और अपने इन्हीं पैरों का प्रयोग रैकून भोजन को साफ करने के लिए करते हैं। रैकून का पसंदीदा भोजन मछली तथा मेंढक हैं किन्तु पसंदीदा भोजन उपलब्ध न होने पर यह छोटे स्तनधारी पक्षी, उनके अंडों तथा जंगल में पाए जाने वाले फल-फूलों को भी अपना आहार बना लेता है।

इसकी एक और खासियत यह है कि आप इस जानवर को पालतू बना सकते हैं। आप कहेंगे कि इसमें भला विशेषता कैसी क्योंकि इंसान ने तो शेर-चीते जैसे खूंखार जानवरों तक को पालतू बना डाला लेकिन रैकून की खासियत है कि पालतू बनाने के बाद इसकी देखभाल बिल्कुल एक छोटे बच्चे की तरह करनी पड़ती है क्योंकि अगर आपका व्यवहार इसके प्रति ठीक न हो तो समझ लीजिए कि आपकी खैर नहीं! दरअसल रैकून जितना शांत दिखता है, यह उतना ही गुस्सैल भी है। रैकून की नाक तीखी तथा कान छोटे होते हैं। ज्यादातर स्थानों पर प्रायः भूरे रंग के रैकून ही मिलते हैं, पर कहीं-कहीं काले रंग के रैकून भी पाए जाते हैं किन्तु यह प्रजाति दुर्लभ है। रैकून की पूंछ करीब 25 सेंटीमीटर लम्बी होती है जिस पर एक बहुत ही सुंदर निशान होता है। पूंछ सहित रैकून की लंबाई करीब 1 मीटर होती है और इसका वजन करीब 15 किलोग्राम होता है। इतनी विचित्र खूबियों वाले इस अनोखे जानवर का जीवनकाल ज्यादा लम्बा नहीं है। रैकून की औसत आयु 5 से 8 साल के बीच ही होती है।

सीधा ऊपर क्यों जाता है रॉकेट

रॉकेट में पंख नहीं होते और इसलिए उन्हें ऊपर उठने के लिए जरूरी धक्का उनके इंजन से ही मिलता है। प्लेन ज्यादा भारी होता है और उसे ऊपर उठने के लिए हवा को बहुत तेज गति से पीछे छोड़ना पड़ता है। इसलिए वह पहले रनवे पर कुछ दूर चलकर पंखों से हवा को ठेलने जितना बल प्राप्त करता है। रॉकेट को जमीन पर दौड़ाने और फिर आसमान में धक्का देने के बजाय उसे सीधे हवा में उठा देने का काम इंजन आसानी से कर पाता है। रॉकेट और एरोप्लेन दोनों एक ही सिद्धांत पर काम करते हैं। दोनों गैसें पीछे छोड़ते हैं और उससे उन्हें आगे जाने का धक्का मिलता है।

किसी भी विमान को ऊपर उठने के लिए धक्के की जरूरत पड़ती है। एरोप्लेन, पक्षी और उड़ने वाले कीट के पंखों से जब हवा टकराती है तो इस हवा को पंखों से पीछे ठेलकर वे ऊपर उठते हैं।

दूर का दिखाने वालीदूरबीन

चिड़िया देखना हो या फिर तारे। एक दूरबीन से दो काम बहुत अच्छे से हो सकते हैं। अपनी पॉकेट मनी बचाकर अगर ऐसी कोई चीज खरीदते हो तो वह जिंदगीभर काम आएगी। दूरबीन दूर की दुनिया को तुम्हारे पास ले आएगी। जाड़े के दिनों में तो प्रकृति को, पंछियों और तारों को दूरबीन से घंटों देखा जा सकता है। जन्मदिन पर तुम पापा-मम्मी से कोई बड़ी चीज मांगने के बजाय दूरबीन की जिद भी कर सकते हो। उन्हें भी दूरबीन दिलाने में कोई परेशानी नहीं होगी। दूरबीन से देखने पर नई दुनिया खुल जाती है। दूर की कौड़ी को पास लाने वाली दूरबीन अगर तुम्हारी दोस्त बन जाए तो क्या बात है। तो ले आओ दूर की चीजों को पास, एक दूरबीन के साथ।

रोहित शर्मा के वनडे विश्व कप 2027 में खेलने को लेकर आया पोंटिंग का बयान

नई दिल्ली, 13 मार्च। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की खिताबी जीत के बाद यह चर्चा जोरों पर है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 2027 में होने वाले वनडे

विश्व कप का हिस्सा होंगे या नहीं। रोहित ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराने के बाद 50 ओवर के प्रारूप से संन्यास लेने की खबरों को खारिज कर दिया था और इसे अफवाह बताया था। अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भी रोहित के वनडे विश्व कप में खेलने को लेकर राय रखी है। पोंटिंग का मानना है कि रोहित का लक्ष्य होगा 2027 वनडे विश्व कप में खेलना। रोहित ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 76 रन बनाए थे। पोंटिंग का कहना है कि भारतीय कप्तान ने यह पारी इसलिए खेली जिससे संन्यास की खबरें धूमिल हो जाएं और उन्होंने दिखाया कि वह अभी भी अच्छा खेल रहे हैं और भारत का नेतृत्व कर रहे हैं। रोहित की कप्तानी में भारत ने वनडे विश्व कप को छोड़कर आईसीसी के बाकी सीमित ओवर के टूर्नामेंट जीते हैं। उनकी अगुआई में भारतीय टीम 2023 में घरेलू धरती पर खेले गए वनडे विश्व कप को जीतने के करीब पहुंची थी, लेकिन फाइनल में उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा कि रोहित अपने भविष्य के लक्ष्यों को लेकर काफी हद तक स्पष्ट हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, जब आप अपने करियर के इस पड़ाव के करीब पहुंचते हैं तो हर कोई आपके संन्यास लेने का इंतजार कर रहा होता है। मैं नहीं जानता कि ऐसा क्यों होता है। वह भी तब जब आप अच्छा खेल रहे हो जैसा कि उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में अच्छी पारी खेली थी। मुझे लगता है कि वह उन सवालों को हमेशा के लिए खत्म करने की कोशिश कर रहे थे और कह रहे थे, नहीं, मैं अब भी काफी अच्छा खेल रहा हूं। मुझे इस टीम में खेलना पसंद है। मुझे इस टीम का नेतृत्व करना पसंद है। मेरे लिए इसका मतलब यह है कि उनके मन में 2027 में होने वाले अगले वनडे विश्व कप में खेलना लक्ष्य होना चाहिए। रोहित ने 2021 में 34 वर्ष की उम्र में भारतीय टीम की कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में भारत ने रविवार को दुबई में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इससे पहले भारत ने पिछले साल रोहित की कप्तानी में ही वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में 252 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित की 83 गेंद पर खेली गई 76 रन की पारी की मदद से आसन जीत हासिल की थी। पोंटिंग ने कहा कि रोहित के दिमाग में अपने करियर को जारी रखने के पीछे वनडे विश्व कप जीतने की चाहत हो सकती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उनके दिमाग में यह बात होगी कि भारत उनकी कप्तानी में पिछले वनडे विश्व कप के फाइनल में हार गया था। वह वनडे विश्व कप जीतने के लिए एक और कोशिश करना चाहते होंगे। जिस तरह से उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में शानदार पारी खेली उससे आप यह नहीं कह सकते हैं कि वह चुक गए हैं।

खिताबी जीत के बाद गिल को मिला एक और तोहफा

दुबई, 13 मार्च। चैंपियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद शुभमन गिल को एक और तोहफा मिला है। गिल फरवरी महीने के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने गए हैं। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू सीरीज के मैचों में बल्ले से यादगार प्रदर्शन करने वाले गिल ने ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को पछाड़ते हुए बुधवार को यह पुरस्कार जीता। गिल ने फरवरी में पांच वनडे मैचों में 101.50 की औसत और 94.19 के स्ट्राइक रेट से 406 रन बनाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में दो अर्धशतक और एक शतक जड़कर भारत को 3-0 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। गिल ने नागपुर में खेले गए पहले वनडे में 87, कटक में खेले गए दूसरे वनडे में 60 और फिर अहमदाबाद में खेले गए तीसरे वनडे में 112 रन बनाए। अहमदाबाद में 102 गेंद की पारी में 14 चौके और तीन छक्के जड़कर गिल प्लेयर ऑफ द मैच के साथ सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने में सफल रहे। उन्होंने इस शानदार लय को चैंपियंस ट्रॉफी में भी जारी रखा। दुबई में भारत के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 101 रन की पारी खेलने के बाद उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 46 रन बनाए। भारत यह दोनों मैच आसानी से जीतने में सफल रहा। गिल के लिए यह तीसरा आईसीसी महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का सम्मान है। उन्होंने इससे पहले 2023 में दो बार (जनवरी और सितंबर) में इसे जीता था।

बाबर-रिजवान और नसीम ने लिया इस लीग को छोड़ने का फैसला

कराची, 13 मार्च। न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 मार्च से शुरू होने जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान की टीम में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और नसीम शाह को शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, इन तीनों को वनडे टीम में रखा गया है। टीम की घोषणा करते हुए बोर्ड की तरफ से संकेत दिए गए थे कि तीनों खिलाड़ी इस सप्ताह फैसलाबाद में शुरू होने वाली राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप में खेलते दिखेंगे। हालांकि, अब खबर आई है कि बाबर-रिजवान और नसीम ने इस टूर्नामेंट

से नाम वापस ले लिया है। बाबर और नसीम ने हालांकि कार्यभार प्रबंधन और आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने कहा कि अप्रैल के मध्य में पाकिस्तान सुपर लीग शुरू होने वाली है, इसलिए यह स्पष्ट है कि वे फ्रेंचाइजी लीग को प्राथमिकता दे रहे हैं। सूत्र ने कहा, राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की असंगत नीतियों को देखते हुए ये खिलाड़ी जानते हैं कि अगर वे पीएसएल में कुछ अच्छे प्रदर्शन करते हैं तो वे राष्ट्रीय टी20 टीम में वापस आ जाएंगे, जिससे सोशल मीडिया पर भी उनकी चर्चा होगी। बाबर ने 2020 के बाद से कोई घरेलू प्रथम श्रेणी मैच नहीं खेला है।

अफरीदी ने मुझ पर धर्म बदलने का दबाव बनाया: कनेरिया

नई दिल्ली, 13 मार्च। पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि अफरीदी ने उनसे कई बार धर्म परिवर्तन के लिए कहा। कनेरिया ने 2000 से 2010 तक पाकिस्तान के लिए 66 टेस्ट मैच खेले और वह अनिल दलपत के बाद पाकिस्तान के लिए खेलने वाले दूसरे हिंदू क्रिकेटर थे। इस लेग स्पिनर ने कहा कि पाकिस्तान में सम्मान नहीं मिलने के बाद वह अमेरिका चले गए। कनेरिया ने अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, हम यहां इकट्ठा हुए हैं और पाकिस्तान में हमारे साथ किस तरह का व्यवहार किया गया उसका अनुभव साझा कर रहे हैं।

पंत की बहन की शादी में धोनी का दिखा कूल अंदाज

देहरादून, 13 मार्च। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इन दिनों मसूरी में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की बहन की शादी में जमकर मजे कर रहे हैं। बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह पंत और सुरेश रैना के साथ डांस करते हुए नजर आए थे। अब एक और वीडियो सामने आया है जिसमें धोनी पत्नी साक्षी के साथ तू जाने ना... गाना गाते नजर आ रहे हैं। पंत की बहन शादी में क्रिकेट जगत के तमाम दिग्गजों का जमावड़ा लगा हुआ है। मंगलवार को धोनी और दिग्गज क्रिकेटर सुरेश रैना देहरादून पहुंचे थे। मंगलवार को हल्दी की रस्म अदा की गई थी। इस दौरान दिग्गजों ने जमकर मस्ती की। लखनऊ सुपरजाएंट्स के नए कप्तान ऋषभ पंत की बहन साक्षी उद्योगपति अंकित चौधरी के साथ सात फेरे लेंगी। वह लंदन की एक निजी कंपनी के बोर्ड ऑफ डॉयरेक्टर हैं। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं और पिछले साल जनवरी में अंकित और साक्षी की सगाई हुई थी। इस शादी में करीबी रिश्तेदारों और खास दोस्तों को

ही आमंत्रित किया गया है। धोनी इस शादी समारोह का विशेष आकर्षण केंद्र बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें धोनी और साक्षी पूरे जोश के साथ गाना गाते दिख रहे हैं। वहीं, भारतीय टीम के मुख्य कोच और 2011 वनडे विश्व कप टीम का हिस्सा रहे गौतम गंभीर भी इस शादी में शामिल होने के लिए बुधवार को पहुंचे थे। धोनी और गंभीर ने पंत के साथ फोटो खिंचवाई जिसमें उनकी बहन और उनके होने वाले पति भी मौजूद हैं। गंभीर के नेतृत्व में हाल ही में भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया था। भारतीय खिलाड़ी अब आईपीएल 2025 की तैयारियों में व्यस्त हैं। धोनी चेन्नई सुपर किंग्स के साथ जुड़ेंगे। दूसरे ओर, गंभीर अब अपने करीबियों के साथ समय बिताएंगे। बताया जा रहा है कि भारत के इंग्लैंड दौरे से पहले गंभीर इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड जाएंगे जिससे वहां की पिच और बेंच स्ट्रेंग्थ को समझ सकें। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज होनी है।

नॉकआउट मैच में मुंबई के सामने गुजरात की चुनौती

मुंबई, 13 मार्च। महिला प्रीमियर लीग का तीसरा संस्करण नॉकआउट स्टेज पर पहुंच चुका है। दिल्ली कैपिटल्स अंक तालिका में शीर्ष रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी है जबकि सभी को दूसरी फाइनलिस्ट टीम का इंतजार है। मुंबई इंडियंस और गुजरात जाएंट्स के बीच एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाना है। यह मैच गुरुवार को मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में शाम 7ः30 बजे से खेला जाएगा। इस मुकाबले की विजेता टीम दिल्ली के खिलाफ 15 मार्च को फाइनल खेलेगी। एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस घरेलू परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाने की कोशिश करेगी। मुंबई ने सोमवार को इसी मैदान पर लीग चरण के मैच में गुजरात को नौ रन से हराया था। इस मैच में हरमनप्रीत ने 33 गेंद पर 54 रन की तूफानी पारी खेली थी। मुंबई इंडियंस के अपनी टीम में किसी तरह का बदलाव करने की संभावना नहीं है। हीली मैथ्यूज ने उन्हें अच्छी शुरुआत दी है और साथ ही अपनी ऑफ स्पिन से विरोधी टीम को परेशान भी किया है। वेस्टइंडीज की इस ऑलराउंडर ने गुजरात के खिलाफ लीग चरण के दोनों मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था और वह फिर से मैच विजेता बन सकती है। गुजरात के खिलाफ पिछले दोनों मैच में उन्होंने तीन-तीन विकेट लिए। मुंबई इंडियंस के लिए बल्लेबाजी में नेट सिवर-ब्रंट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आठ मैच में 416 रन बनाए हैं और वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज है। गुजरात के गेंदबाजों को उन पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। उन्होंने अपनी गेंदबाजी से भी अच्छा योगदान दिया है। मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत इस सत्र में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है लेकिन गुजरात के खिलाफ सोमवार को खेले गए मैच में अर्धशतक बनाने से उनका मनोबल बढ़ा होगा। गुजरात जाएंट्स की कप्तान एश्ले गार्डनर इस बात को अच्छी तरह से समझती हैं कि मुंबई को हराना आसान नहीं होगा और उसके लिए उनके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। गार्डनर के लिए यह सत्र अभी तक उतार चढ़ाव वाला रहा है। इसके बावजूद वह 235 रन बनाने में सफल रही। मुंबई के खिलाफ पिछले मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाई थी और अब उन पर बड़ा स्कोर बनाने का दबाव होगा। गुजरात की तरफ से बल्लेबाजी में हरलीन देओल ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने विषम परिस्थितियों में अच्छी पारियां खेलकर अपनी टीम को इस मुकाम पर पंहुचाने में अहम भूमिका निभाई है। मुंबई इंडियंस- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नादिन डी क्लार्क, संस्कृति गुप्ता, साइका इशाक, शबनम इस्माइल, जिन्तिमनी कलिता, जी कमालिनी, अमनदीप कौर, अमनजोत कौर, एस. कीर्तन, अमेलिया कर, अक्षिता माहेश्वरी, हीली मैथ्यूज, सजीवन सजना, नेट सिवर-ब्रंट, परुनिका सिसोदिया, क्लो ट्राइटन। गुजरात जाएंट्स- एश्ले गार्डनर (कप्तान), हरलीन देओल, डिएंड्रा डॉटिन, भारती फुलमाली, काशवी गौतम, डेनिएल गिब्सन, दयालन हेमलता, तनुजा कंवर, मन्नत कश्यप, फीबी लीचफील्ड, मेघना सिंह, बेथ मूनी, प्रकाशिका नाइक, प्रिया मिश्रा, सायली सतघरे, शबनम शकील, सिमरन शेख, लाउरा वोल्वार्ड्ट।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत के नहीं पहुंच पाने से राजस्व का होगा नुकसान?

लंदन, 13 मार्च। भारतीय टीम लगातार तीसरी बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह बनाने से चूक गई थी। भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था जिससे उसकी फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं समाप्त हो गई थी। डब्ल्यूटीसी 2023-25 चक्र का फाइनल मुकाबला दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा। अब खबर सामने आ रही है कि भारत के डब्ल्यूटीसी के फाइनल में नहीं पहुंच पाने से लॉर्ड्स को जून में होने वाले इस खिताबी मुकाबले की मेजबानी करते वक्त करोड़ों का नुकसान हो सकता है। द टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के क्वालिफाई करने में विफल रहने के कारण आगामी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए लॉर्ड्स को लगभग चार मिलियन पाउंड (करीब 45 करोड़ रुपये) कम राजस्व प्राप्त होगा। भारत की अनुपस्थिति ने मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) द्वारा अपेक्षित वित्तीय लाभ को काफी हद तक कम कर दिया है, जो वैश्विक खेल में भारतीय क्रिकेट के वित्तीय प्रभाव को दर्शाता है। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पिछले साल के अधिकांश समय तालिका में शीर्ष दो में रहने के बाद रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम न्यूजीलैंड से घरेलू सीरीज 0-3 से हारने के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई थी। इसके बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। टीम इन दोनों हार के कारण फाइनल से जगह बनाने से चूक गई थी। एमसीसी ने फाइनल में भारत के पहुंचने के अनुमान के साथ मूल रूप से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए टिकट की अधिक कीमत निर्धारित की थीं। जब यह स्पष्ट हो गया कि भारत फाइनल में नहीं पहुंचेगा, तो एमसीसी ने अपनी रणनीति में संशोधन किया और टिकट की कीमत कम कर दीं। रिपोर्ट में कहा गया, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए कीमतों में लचीलापन लाने का निर्णय इस वर्ष लिया गया था। अब टिकटें 40 से 90 पाउंड के बीच बेची जा रही हैं। यह मूल कीमत से लगभग 50 पाउंड सस्ती हैं। इससे राजस्व में कमी आई है। पिछले वर्ष श्रीलंका और इंग्लैंड की टेस्ट सीरीज के दौरान मैच के चौथे दिन सिर्फ नौ हजार दर्शकों के आने के कारण एमसीसी को आलोचना का सामना करना पड़ा था।

रोहित शर्मा को संन्यास लेने की जरूरत नहीं: एबी डिविलियर्स

नई दिल्ली, 13 मार्च। रोहित शर्मा के वनडे से संन्यास को लेकर चर्चा थमने का नाम नहीं ले रही है। भारतीय कप्तान रोहित ने चैंपियंस ट्रॉफी के बाद स्पष्ट किया था कि उनकी योजना अभी इस प्रारूप को छोड़ने की नहीं

है। हालांकि, रोहित को संन्यास लेना चाहिए या नहीं इसे लेकर चर्चा जारी है। इसी कड़ी में अब दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का नाम भी जुड़ गया है। डिविलियर्स ने साफ कहा है कि रोहित को संन्यास लेने की जरूरत नहीं है। डिविलियर्स ने साथ ही कहा कि रोहित वनडे क्रिकेट के महानतम कप्तानों में से एक होंगे। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, दूसरे कप्तानों की तुलना में रोहित का जीत का प्रतिशत देखिए, करीब 74 प्रतिशत है जो अतीत के बाकी कप्तानों से बेहतर है। अगर वह खेलता रहा तो सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ वनडे कप्तानों में से एक होगा। वह संन्यास क्यों ले? उसका बतौर कप्तान ही नहीं बल्कि बल्लेबाज के तौर पर भी शानदार रिकॉर्ड है। चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में उसने 76 रन बनाकर भारत को शानदार शुरुआत दी और जीत की नींव रखा। जब दबाव चरम पर था तब उसने मोर्चे से अगुआई की। डिविलियर्स ने कहा, रोहित शर्मा को संन्यास लेने की कोई जरूरत नहीं है। उसे किसी आलोचना को सुनने की भी जरूरत नहीं है। उसका रिकॉर्ड ही उसके लिए बोलता है। उसने अपने खेल को भी बदल दिया है। पावरप्ले में बतौर सलामी बल्लेबाज उसका स्ट्राइक रेट उतना ज्यादा नहीं था, लेकिन 2022 के बाद से पहले पावरप्ले में यह 115 हो गया है। यही महान और अच्छे में फर्क होता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के बाद रोहित ने संन्यास की खबरों को खारिज किया था। रोहित ने संन्यास की अफवाह फैलाने वाले आलोचकों से कहा था, मैं वनडे प्रारूप से संन्यास लेने नहीं जा रहा हूं। कृपया अफवाहें मत फैलाइए। कोई फ्यूचर प्लान नहीं है।

पाकिस्तानी अधिकारी फाइनल में शिरकत करने के नहीं थे हकदार: कामरान अकमल

कराची, 13 मार्च। पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी कामरान अकमल ने कहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में पुरस्कार समारोह के दौरान पाकिस्तानी अधिकारी को शिरकत करने का हक नहीं था। पुरस्कार गेते समय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का कोई प्रतिनिधि मंच पर मौजूद नहीं था जिसे लेकर विवाद उठा था। पीसीबी ने आईसीसी से इस बारे में शिकायत की है और स्पष्टीकरण मांगा है। हाल ही में कामरान ने इस विवाद पर अपनी राय रखी और कहा कि आईसीसी ने पीसीबी को आईना दिखाया है। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि पाकिस्तान से कोई भी फाइनल के पुरस्कार समारोह का हिस्सा बनने का हकदार नहीं था क्योंकि उनकी क्रिकेट टीम ने बेहतर प्रदर्शन नहीं किया था। अकमल ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर कहा, आईसीसी ने हमें आईना दिखाया है। टूर्नामेंट के निदेशक सुमैर वहां मौजूद थे। वह उपलब्ध भी थे, लेकिन उन्हें क्यों समारोह के लिए नहीं बुलाया गया? यह इसलिए कि हम वहां पर होने के हकदार नहीं थे। हमने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। किसी ने इस बात पर चर्चा नहीं की है कि पाकिस्तान

ने किस तरह टूर्नामेंट की मेजबानी की। अगर हम ऐसे ही खेलते रहे तो इसी तरह ट्रीट किए जाएंगे। अगर आप अपने लिए खेलेंगे तो सम्मान नहीं मिलेगा। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था और 12 साल बाद खिताब अपने नाम किया था। पीसीबी इस टूर्नामेंट का मेजबान था, लेकिन भारत के पाकिस्तान जाने से इन्कार करने के बाद आईसीसी ने भारत के सभी मैच दुबई में कराने का फैसला किया था जिसमें फाइनल भी शामिल था। विजेता टीम को ट्रॉफी आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने दी थी और इस दौरान पीसीबी का कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। पुरस्कार वितरण समारोह में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने भारतीय खिलाड़ियों को सफेद कोट और मैच अधिकारियों को पदक प्रदान किए। मंच पर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया और न्यूजीलैंड क्रिकेट के सीईओ रोजर टूसे भी उपस्थित थे। पाकिस्तान भले ही चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान था, लेकिन भारत ने इस आईसीसी टूर्नामेंट के लिए पड़ोसी देश की यात्रा करने से इन्कार कर दिया था। भारत के मना करने के बाद आईसीसी ने भारत के मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में कराने का फैसला किया था। भारत ने फाइनल सहित सभी मैच एक ही स्थान पर खेले थे।

संजू सैमसन ने की आईपीएल के इस नियम को खत्म करने की वकालत

नई दिल्ली, 13 मार्च। आईपीएल 2025 सीजन की शुरुआत अब होने ही वाली है, लेकिन इससे पहले ही राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने खिलाड़ियों को रिलीज करने का नियम खत्म करने की वकालत की है। दरअसल, सैमसन लंबे समय तक राजस्थान फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे जोस बटलर के जाने से दुखी हैं और उनका कहना है कि वह अब तक इस बात को हजम नहीं कर पा रहे हैं कि इस बार बटलर उनकी टीम के साथ नहीं होंगे। सैमसन और बटलर ने सात साल तक रॉयल्स की पारी की शुरुआत की, लेकिन टीम ने पिछले साल लीग की बड़ी नीलामी से पहले इंग्लैंड के इस खिलाड़ी को रिटेन नहीं किया। बटलर आगामी आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेलेंगे।

सैमसन ने कहा, आईपीएल आपको एक टीम का नेतृत्व करने और उच्चतम स्तर पर खेलने के साथ करीबी दोस्त बनाने का भी मौका देता है। बटलर मेरे सबसे करीबी दोस्तों में से एक है। हमने सात साल तक एक साथ खेला। इस दौरान हमारी बल्लेबाजी साझेदारी का समय ही इतना लंबा है कि हम एक-दूसरे को अच्छे से समझ गए थे। वह मेरे लिए एक बड़े भाई की तरह हैं। जब भी मुझे कोई संदेह होता, मैं उनसे बात करता। जब मैं कप्तान बना तो वह मेरे उपकप्तान थे और उन्होंने मुझे एक अच्छा कप्तान बनने में मदद की। सैमसन ने कहा कि बटलर को जाने देना उनके लिए सबसे मुश्किल फैसलों में से एक था। रॉयल्स ने छह खिलाड़ियों को रिटेन किया जिसमें सैमसन के साथ यशस्वी जायसवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, शिमरॉन हेटमायर और संदीप शर्मा शामिल हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान ने कहा, बटलर को जाने देना मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण फैसलों में से एक रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान मैंने उनसे कहा था कि मैं अब भी इससे उबर नहीं पाया हूं। अगर मैं आईपीएल में एक चीज बदल सकता तो मैं हर तीन साल में खिलाड़ियों को रिलीज करने के नियम को बदल देता। इसके हालांकि अपने सकारात्मक पहलू भी हैं लेकिन आप व्यक्तिगत स्तर पर वह जुड़ाव, वह रिश्ता खो देते हैं जो आपने सालों में बनाया था। वह परिवार का हिस्सा रहे हैं। मैं इससे ज्यादा क्या कह सकता हूं?

चोटिल राहुल द्रविड़ ने बतौर कोच संभाला मोर्चा

जयपुर, 13 मार्च। राजस्थान रॉयल्स के नए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने आईपीएल का आगामी सत्र शुरू होने से पहले ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा लिया। द्रविड़ को स्थानीय लीग मैच में खेलने के दौरान पैर में चोट लग गई थी। फ्रेंचाइजी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें द्रविड़ पहले ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा लेते दिखाई दिए। इस दौरान द्रविड़ बैसाखी के सहारे चल रहे थे। द्रविड़ को भले ही चलने में दिक्कत हो रही थी, लेकिन उन्होंने सक्रियता से ट्रेनिंग सीजन में हिस्सा लिया। द्रविड़ ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाए और फिर वह रियान पराग, यशस्वी जायसवाल के साथ चर्चा करने लगे। यशस्वी ने इस दौरान कई शॉट्स लगाए और वह द्रविड़ से सलाह लेते नजर आए। हाथ में बैसाखी लिए द्रविड़ पूरे सत्र को ध्यान से देखते रहे। राजस्थान ने इस बात की पुष्टि की थी कि द्रविड़ को खेलते वक्त चोट लग गई थी। राजस्थान रॉयल्स ने एक्स पर एक फोटो पोस्ट की थी जिसमें राहुल बैठे

हुए थे। राजस्थान फ्रेंचाइजी ने इसके कैप्शन में लिखा था, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ जिन्हें बंगलुरू में क्रिकेट खेलते वक्त चोट लगी थी और वह इससे उबर रहे हैं और जयपुर में टीम के साथ जुड़ गए हैं। पिछले सप्ताह द्रविड़ को विजय क्रिकेट क्लब के लिए जयनगर क्रिकेटर्स के खिलाफ खेलते हुए चोट लगी थी। द्रविड़ इस दौरान अपने 16 वर्षीय बेटे अन्वय के साथ खेल रहे थे और उन्हें दो गेंद खेलने के बाद ही चोट लग गई। दर्द के बावजूद वह खेलते रहे और उन्होंने 66 गेंदों पर 43 रन बनाए। इसके अलावा चौथे विकेट के लिए अन्वय के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई। हालांकि, विजय क्रिकेट क्लब को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। द्रविड़ ने पिछले महीने 13 साल बाद क्लब मैच में वापसी की थी। 2022 से 2024 तक भारतीय टीम के मुख्य कोच के रूप में सफल कार्यकाल के बाद द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स की जिम्मेदारी संभाली थी। द्रविड़ ने पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद भारतीय टीम का मुख्य कोच पद छोड़ दिया था। द्रविड़ आईपीएल में कप्तान संजू सैमसन और क्रिकेट निदेशक कुमार संगाकारा के साथ करीब से काम कर रहे हैं।

मानव मन का सर्वश्रेष्ठ उल्लास है होली

होली का नाम आते ही मन रंगों के बिछावन पर लोटने लगता है। रंगबिरंगे चेहरे भाभियों और देवरों का मजाक मन में कुलांचे मारने लगता है। मानव मन के उत्कृष्ट उल्लास का नाम होली का त्योहार है। होली हमारे देश का एक विशिष्ट सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक त्योहार है। यह बहुत प्राचीन उत्सव है। जैमिनी के पूर्व मीमांसा सूत्र, जो लगभग 400-200 ईसा पूर्व का है, के अनुसार होली का प्रारंभिक शब्द रूप होलाका था। जैमिनी का कथन है कि इसे सभी आर्यों द्वारा संपादित किया जाना चाहिए। काठक गृह्य सूत्र के एक सूत्र की टीकाकार देवपाल ने इस प्रकार व्याख्या की है :- होला कर्म विशेष : सौभाग्याय स्त्रीणां प्रातरनुष्ठीयते। तत्र होलाके राका देवता

- होला एक कर्म विशेष है जो स्त्रियों के सौभाग्य के लिए संपादित होता है। इसमें राका (पूर्णचन्द्र) देवता हैं।

होलाका संपूर्ण भारत में प्रचलित 20 क्रीड़ाओं में एक है। वात्स्यायन के अनुसार लोग श्रृंग (गाय की सींग) से एक-दूसरे पर रंग डालते हैं और सुगंधित चूर्ण (अबीर-गुलाल) डालते हैं। लिंग पुराण में उल्लेख है कि फाल्गुन-पूर्णिमा को फाल्गुनिका कहा जाता है, यह बाल क्रीड़ाओं से पूर्ण है और लोगों को विभूति (ऐश्वर्य) देने वाली है।

वराह पुराण में इसे पटवास-विलासिनी (चूर्ण से युक्त क्रीड़ाओं वाली) कहा है। हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद विष्णु का भक्त था। उसने अपने पिता के बार-बार समझाने के बाद भी विष्णु की भक्ति नहीं छोड़ी। हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को मारने के अनेक उपाय किए किन्तु वह सफल नहीं हुआ। अन्त में, उसने अपनी बहन होलिका से कहा कि वह प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठे, क्योंकि होलिका एक चादर ओढ़ लेती थी जिससे अग्नि उसे नहीं जला पाती थी। होलिका जब प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर अग्नि में बैठी तो वह चादर प्रह्लाद के ऊपर आ गई और होलिका जलकर भस्म हो गई। तब से होलिका-दहन का प्रचलन हुआ।

होली मुक्त स्वच्छंद हास-परिहास का पर्व है। यह सम्पूर्ण भारत का मंगलोत्सव है। फागुन शुक्ल पूर्णिमा को आर्य लोग जौ की बालियों की आहुति यज्ञ में देकर अग्निहोत्र का आरंभ करते हैं। कर्मकांड में इसे 'यवग्रयण' यज्ञ का नाम दिया गया है। बसंत में सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में आ जाता है। इसलिए होली के पर्व को 'गवंतराम्भ' भी कहा गया है। होली का आगमन इस बात का सूचक है कि अब चारों तरफ वसंत ऋतु का सुवास फैलने वाला है। रवीन्द्रनाथ टैगोर ने कहा है- सहस्त्र मधु मादक स्पर्शी से आलिंगित कर रही सूरज की इन रश्मियों ने फागुन के इस बसंत प्रातः को सुगन्धित स्वर्ण में आह्लादित कर दिया है। यह देश हंसते-हंसाते मुस्कुराते चेहरों का देश है। जिंदगी जब सारी खुशियों को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तब प्रकृति मनुष्य को होली जैसा त्योहार देती है। । महाकवि वाणभट्ट ने कादंबरी में राजा तारापीड़ के फाग खेलने का अनूठा वर्णन किया है। भवभूति के मालतीमाधव नाटक में पुरवासी मदनोत्सव मनाते हैं। यहां एक स्थल पर नायक माधव सुलोचना मालती के गुलाबी कपोलों पर लगे कुमकुम के फैल जाने से बने सौंदर्य पर मुग्ध हो जाता है। राजशेखर ने अपनी काव्य-मीमांसा में मदनोत्सव पर झूला झूलने का भी उल्लेख किया है। यद्यपि आज के समय की तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव, स्वार्थ एवं संकीर्णताभरे वातावरण से होली की परम्परा में बदलाव आया है। परिस्थितियों के थपेड़ों ने होली की खुशी और मस्ती को प्रभावित भी किया है, लेकिन आज भी बृजभूमि ने होली की प्राचीन परम्पराओं को संजोएं रखा है। यह परम्परा इतनी जीवन्त है कि इसके आकर्षण में देश-विदेश के लाखों पर्यटक ब्रज वृन्दावन की दिव्य होली के दर्शन करने और उसके रंगों में भीगने का आनंद लेने प्रतिवर्ष यहां आते हैं। होली नई फसलों का त्योहार है, प्रकृति के रंगों में सराबोर होने का त्योहार है। राधा-कृष्ण के जीवनकाल से ही अनुराग के इस त्योहार को ब्रज के गांव-गांव, घर-घर में लोग राग-रंग, मौज-मस्ती, हास-परिहास, गीत-संगीत के साथ परंपरा से आज तक मनाते आ रहे हैं। ब्रज में ऐसा कोई हाथ नहीं होता जो गुलाल से न भरा हो, पिचकारियों के सुगंध भरे रंग से सराबोर न हो। मति मारौ श्याम पिचकारी, अब देऊंगी गारी।
भिजेगी लाल नई अंगिया, चूंदर बिगरैगी न्यारी।
देखेंगी सास रिसाएगी मोपै, संग की ऐसी है दारी।
हंसेगी दै-दै तारी। ब्रज की होली की रसधारा से जुड़ा एक तीर्थ है बरसाना। फागुन शुक्ला नवमी के दिन नंदगांव के हुरिहारे कृष्ण और उनके सखा बनकर राधा के गांव बरसाने जाते हैं। बरसाने की ललनाएं राधा और उसकी सखियों के धर्म का पालन कर नंदगांव के छैल छकनिया हुरिहारिरों पर रंग की बौछार करती हैं। फाग खेलन बरसाने आए हैं नटवर नंदकिशोर
घेर लई सब गली रंगीली। छाय रही छवि घटा रंगीली।
ढप-ढोल मृदंग बजाए है।

बंशी की घनघोर। बुंदेली फागों के एकछत्र सम्राट हैं लोककवि ईसुरी। ईसुरी ने अपनी प्रेमिका 'रजउ' को अपने कृतित्व में अमर कर दिया। ईसुरी ने फागों की एक विशिष्ट शैली 'चौघड़िया फाग' को जन्म दिया। हम अपनी फाग चर्चा चौघड़िया फागों से ही आरम्भ करते हैं। ईसुरी ने अपनी प्राकृत प्रतिभा से ग्रामीण मानव मन के उच्छ्वासों को सुर-ताल के साथ समन्वित कर उपेक्षित और अनचीह्नी लोक भावनाओं को इन फागों में पिरोया है।

हमखां बिसरत नहीं बिसारी, हेरन-हंसन तुमारी। जुबन विशाल चाल मतवारी, पतरी कमर इकारी। भौंह कमान बान से तानें, नजर तिरीछी मारी। 'ईसुर' कान हमारी कोदी, तनक हरे लो प्यारी। दक्षिण भारत में होलिका के पांचवे दिन रंग-पंचमी के रूप में यह उत्सव मनाया जाता है। पूरे भारत में यह उत्सव विभिन्न तरीके से मनाया जाता है। उत्तर भारत में वृंदावन, मथुरा, बरसाना आदि की होली बहुत प्रसिद्ध है। बरसाना में राधा-रानी मंदिर के प्रांगण में लट्ठमार होली होती है जिसमें स्त्रियां लाठियों से पुरुषों पर प्रहार करती हैं एवं होली गीत गाती हैं। वृंदावन का रसिया गायन, वहां का होली नृत्य; जो कृष्ण और राधा की होली खेलने को दर्शाता है, बहुत प्रसिद्ध है। बिहार प्रांत में उत्तरप्रदेश की भांति ही होली होती है।

भोजपुरी भाषा में इस उत्सव में गाए गए फाग वहां की विशेषता है। अवध, मगध, मध्यप्रदेश, राजस्थान, मैसूर, गढ़वाल, कुमायूं,ब्रज सभी क्षेत्रों में होली का अत्यंत उल्लास और उमंग देखने को मिलता है। बंगाल एवं बांग्लादेश में होलिका-दहन नहीं होता, वहां इसे दोल-यात्रा या वसंतोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसमें कृष्ण प्रतिमा का झूला प्रचलित है।

मूलतः होली का त्योहार प्रकृति का पर्व है। इस पर्व को भक्ति और भावना से इसीलिए जोड़ा जाता है कि ताकि प्रकृति के इस रूप से आदमी जुड़े और उसके अमूल्य धरोहरों को समझे जिनसे ही आदमी का जीवन है। मनुष्य का जीवन अनेक कष्टों और विपदाओं से भरा हुआ है। वह दिन-रात अपने जीवन की पीड़ा का समाधान ढूंढने में जुटा रहता है। इसी आशा और निराशा के क्षणों में उसका मन व्याकुल बना रहता है। ऐसे ही क्षणों में होली जैसे पर्व उसके जीवन में आशा का संचार करते हैं। भारत के बढ़ते जलसंकट के मद्देनजर हमें पानी बचाने के लिए एकसाथ मिलकर काम करना चाहिए और होली जैसे अवसर पर पानी की बर्बादी रोकना चाहिए। होली खेलने वालों ने अगर प्राकृतिक रंग या गुलाल से होली खेली तो कुल 36 लाख 95 हजार 518 लीटर पानी की बचत होगी। धरती पर लगभग 6 अरब की आबादी में से एक अरब लोगों के पास पीने को भी पानी नहीं है। जब मनुष्य इतनी बड़ी आपदा से जूझ रहा हो ऐसे में हमें अपने त्योहारों को मनाते वक्त संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। इस होली पर जितना संभव हो अधिक से अधिक पानी बचाने का संकल्प लें। सभी को प्यार के रंग में रंग देने वाले होली के त्योहार पर हर व्यक्ति अपने और दूसरों के जीवन में खुशियों के रंग भर देना चाहता है। कोई अबीर, गुलाल से तो कोई पक्के रंग और पानी से होली खेलता है, लेकिन आज भी कुछ लोग हैं जो प्रकृति से प्राप्त फूल-पत्तियों व जड़ी-बूटियों से रंग बना कर होली खेलते हैं। उनके अनुसार इन रंगों में सात्विकता होती है और ये किसी भी तरह से हानिकारक नहीं होते। होली के अवसर पर छेड़खानी, मारपीट, मादक पदार्थों का सेवन, उच्छृंखलता आदि के जरिए शालीनता की हदों को पार कर दिया जाता है। आवश्यकता है कि होली के वास्तविक उद्देश्य को आत्मसात किया जाए और उसी के आधार पर इसे मनाया जाए। होली का पर्व भेदभाव को भूलने का संदेश देता है, साथ ही यह मानवीय संबंधों में समरसता का विकास करता है।

कविता
आई बसंती होली...

ऊपर नीला-नीला आकाश,
नीचे हरी-भरी धरती।
लाल-लाल खिला पलाश
सृष्टि की छवि मन हरती।
फिर अपने आंगन में आई
बसंती होली।
मन पुलकित, तन पुलकित
पुलकित हर दिवस निशा।
कण सुरभित, क्षण सुरभित,
सुरभित दिशा-दिशा।
फिर अपने आंगन में आई
बसंती होली।
यत्र-तत्र रंग ही रंग,
जीवन के रंग अपार।
प्रीति-रीति संग हो संग,
हुआ त्योहार साकार।
फिर अपने आंगन में,
आई बसंती होली।
मानो निकले पाथर के पर,
आनंद का अनूठा लगन।
उभर उठे सप्त स्वर,
गायन में कोकिल मगन।
फिर अपने आंगन में आई
बसंती होली।
बजा मंजीरा, बजा ढोल,
जग झूम-झूम उठ जागा,
कैसे सजे सुंदर बोल,
यह कैसा सुरीला फाग।
फिर अपने आंगन में,
आई बसंती होली।

रंग नहीं पसंद, तो इन 5 तरीकों से मनाएं होली

रंगों की बौछारों में ही होली का असली मजा है, और इनके बगैर होली सूनी सी लगती है। लेकिन कई लोगों को रंगों से सराबोर होना पसंद नहीं होता, लिहाजा वे होली की मस्ती में शामिल नहीं होते। अगर आप भी रंगों से दूर रहते हैं, तो घर पर ऐसे मनाएं होली का त्योहार -

1 होली का असली माहौल तो होली के गीतों से ही बनता है, यह आप भी जानते ही हैं। तो घर बैठे होली मनाने का बढ़िया तरीका है, होली के फिल्मी गानों से घर और मोहल्ले

को एहसास करा दें, कि आप भी होली मना रहे हैं।

2 भले ही रंगों में खेलने का मन नहीं है, लेकिन भाई-चारा बढ़ाने में थोड़े ही कुछ जाता है। भई परिवार, दोस्तों-यारों और रिश्तेदारों से मिलें, समय बिताएं या कोई खाने-पीने का बढ़ि??या-सा आयोजन करें, और होली मनाएं।

3 होली पर शुभकामना और मस्ती भरे संदेशों की भी कमी नहीं होती। आप यह काम भी बड़ी शिद्दत से कर सकते हैं। अपनों को ऑडियो, वीडियो या फोटोज के माध्यम से बढ़ि?या होली संदेश भेजें और शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करें।

4 अपने घर के कम्प्यूटर पर होली वाला रंग-बिरंगा वॉलपेपर लगाएं और अपने लिए कपड़ों का चयन भी रंगबिरंगा सा करें। आप चाहें तो इस दिन घर के परदे और चादरें भी रंगबिरंगे लगा सकते हैं।

5 मिठाईयों के बगैर भी भला कोई होली मनाई जाती है...। घर पर आराम से बैठकर कोई फिल्म देखिए, या फिर घर पर कोई नाच-गाने, कविता या शेर-ओ-शायरी कार्यक्रम आयोजित करें और मिठाईयों का लुत्फ लीजिए। साथ में ठंडाई का स्वाद लेकर अपने आनंद में चार चांद लगाईए।

होली स्पेशल
गुझिया रंगबिरंगी

सामग्री :

300 ग्राम मैदा, 1 बड़ी कटोरी बारीक मीठी बूंदी, 1 बड़ा चम्मच घी (मोयन के लिए), पाव कटोरी मिक्स मेवों की कतरन, 4-5 केसर के लच्छे, 1-1 बूंद हरा-लाल खाने वाला रंग, 2 तार की डेढ़ कप तैयार चाशनी, पाव कटोरी दूध, तलने के लिए पर्याप्त मात्रा में घी।

विधि :

सबसे पहले केसर को थोड़े-से गुनगुन दूध में कुछ देर भिगो कर घोंट लें। अब मैदे में मोयन मिलाकर उसके तीन हिस्से कर लें। एक में हरा, दूसरे में लाल रंग व तीसरे भाग में जरा-सी केसर मिला कर तीनों को अलग-अलग गूंथ कर लंबे रोल बना लें। तीनों रोल को मिलाकर छोटी-छोटी लोई बना लें।

अब बूंदी (लड्डू का चूरा भी ले सकते हैं) में केसर-मेवा और थोड़े-से दूध के छींटे डालकर अच्छी तरह मिश्रण तैयार कर लें। मैदे की छोटी-छोटी पूरियां बेलें व थोड़ा बूंदी का मिश्रण भर कर उसकी गुझिया बना लें।

एक कड़ाही में घी गर्म करें व धीमी आंच पर सुनहरी होने तक गुझिया तल लें। थोड़ी ठंडी होने पर चाशनी में डालकर वापस निकाल लें। बनाने में आसान व दिखने में सुंदर रंगबिरंगी गुझिया आपके घर आए मेहमानों को जरूर पसंद आएगी।

होली : रंग छुड़ाते वक्त रखें 5 बातों का ध्यान

होली खेलने के बाद त्वचा पर जमा हुआ रंग छुड़ाना काफी मशक्कत भरा काम है। जैसे-तैसे रंग छुड़ाने के बजाए कुछ बातों का ध्यान रखकर आप त्वचा को सुरक्षित रख सकते हैं। जरूर जानिए, कौन-सी हैं वे 5 बातें -

1 होली का रंग निकालने का सबसे आसान और सुरक्षित तरीका है तेल का इस्तेमाल। नारियल के तेल में रुई के फाहे को डुबोकर इससे धीरे-धीरे रंग निकालें। इससे जलन नहीं होगी और रंग भी छूट जाएगा।

2 ध्यान रहे रंग छुड़ाने के लिए कभी भी कपड़े धोने का साबुन, मिट्टी का तेल या चूने के पानी का प्रयोग ना करें। इससे आपकी त्वचा क्षतिग्रस्त हो सकती है और बाद में जलन पैदा हो सकती है।

3 आटे में तेल, हल्दी मिलाकर उबटन तैयार करें। अब इसे लगाकर रखने के बजाए चेहरे और त्वचा पर रगड़ते रहें जब तक मैल और रंग साफ न हो जाए। यह आपकी त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

4 त्वचा पर सीधे नींबू, सिरका या सिट्रिक चीजें लगाने से परहेज करें यह त्वचा में तेज जलन पैदा कर सकती हैं। यदि होली खेलने के पहले ही पूरे शरीर पर कोई भी ऑइल अच्छी तरह लगा लिया जाए तो रंग निकालने में आसानी होती है।

5 यदि शरीर पर ग्रीस, ऑइल पेंट या कोई ऐसा ही पदार्थ लगा हो तो सफेद तिल को पानी में भिगोकर उसका पेस्ट बना लें। शरीर पर 10 मिनट लगाकर रखें, रंग खुद-ब-खुद छूट जाएगा।